राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 एनसीपीआई में शामिल हुए टीएमसी के 20 सांसदों ने चली चाल.....

स्मृति मंधाना सबसे प्रभावशाली खेल हस्तियों में शामिल..... 11



वर्ष : 17 | अंक : 53 | नई दिल्ली, बुधवार, 17 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com


**मौसम**

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

| | |
|---|---|
| हां | 80% |
| नहीं | 10% |
| कह नहीं सकते | 10% |

**बाजार**

| | |
|---|---|
| सोना | 1,54,630 |
| चांदी | 2,65,000 |
| सेंसेक्स | 76,375.00 |
| निफ्टी | 23,263.14 |

# मोदी को मिला स्लोवाकिया का सर्वोच्च राजकीय सम्मान

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली । स्लोवाकिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सर्वोच्च राजकीय सम्मान द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस, फर्स्ट क्लास से सम्मानित किया है। स्लोवाकिया की तीन दिन की यात्रा पर गए श्री मोदी को राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने सोमवार रात एक विशेष समारोह में स्लोवाकिया के सर्वोच्च राजकीय सम्मान, द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस, फर्स्ट क्लास से सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री ने इस विशिष्ट सम्मान के लिए राष्ट्रपति, स्लोवाकिया की सरकार और जनता के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

सम्मान स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत के 1.4 अरब लोगों तथा भारत और स्लोवाकिया के बीच स्थाई मैत्री संबंधों को समर्पित है।

प्रधानमंत्री ने इस सम्मान को भारत और स्लोवाकिया के लोगों को जोड़ने वाली आत्मीयता, विश्वास और स्नेह का प्रमाण बताते हुए आशा व्यक्त की कि यह सम्मान दोनों देशों की भावी पीढ़ियों को उनकी विशेष मित्रता को आगे भी सुदृढ़ बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा।

यह प्रधानमंत्री मोदी को मिलने वाला 33वां अंतरराष्ट्रीय या वैश्विक सम्मान है।

श्री मोदी जी 7 देशों के 52वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज फ्रांस के एवियन शहर के लिए रवाना होंगे। भारत इस सम्मेलन में भागीदार देश के रूप में हिस्सा ले रहा है।

# मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली डीएम ऑफिस में सिटिजन लाउंज-कम-न्यू एज लर्निंग सेंटर का किया उद्घाटन

- लाइब्रेरी, रीडिंग कॉर्नर, आधुनिक प्रतीक्षालय और स्वच्छ शौचालय सुविधाओं से नागरिकों को मिलेगा बेहतर अनुभव
- भविष्य में करियर काउंसलिंग, प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन, डिजिटल लर्निंग और कौशल विकास गतिविधियों का बनेगा प्रमुख केंद्र
- दिल्लीवासियों को बेहतर सुविधाएं और युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: सीएम रेखा गुप्ता

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय परिसर में स्थापित ह्यसिटिजन लाउंज-कम-न्यू एज लर्निंग सेंटरह्न का उद्घाटन किया। यह पहल नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने, प्रशासनिक सेवाओं को अधिक जनहितकारी बनाने तथा युवाओं के लिए सीखने और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आधुनिक सिटिजन लाउंज, लाइब्रेरी एवं रीडिंग कॉर्नर तथा नव-निर्मित शौचालय ब्लॉक का अवलोकन किया। उन्होंने इस पहल को सुशासन और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि प्रशासनिक कार्यालयों में आने वाले नागरिकों को सम्मानजनक, सुविधाजनक और सकारात्मक अनुभव मिलना चाहिए और यही दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह केवल एक वेटिंग लाउंज या लाइब्रेरी नहीं, बल्कि नई सोच और बेहतर प्रशासन का प्रतीक है। यहां आसपास की बस्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चे भी आकर अध्ययन कर सकेंगे और ऐसी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे, जो सामान्यतः उनके लिए सहज उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि जब सरकार, प्रशासन और सीएसआर के तीनों स्तंभ एक साथ आते हैं, तब किसी भी शहर के विकास और नव-निर्माण की मजबूत नींव तैयार होती है। डीएम कार्यालय में स्थापित यह सिटिजन लाउंज उसी समन्वित प्रयास का सशक्त उदाहरण है।

यह सिटिजन लाउंज भविष्य में केवल प्रतीक्षालय तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं और विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञान एवं कौशल विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां कानून, प्रशासन, करियर मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य विषयों से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, डिजिटल संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर भी स्थापित किए जाएंगे। यहां समय-समय पर करियर काउंसलिंग सत्र, स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम, एक्सपर्ट टॉक, मार्गदर्शन कार्यशालाएं और युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे युवाओं को नई जानकारी, कौशल विकास और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर प्राप्त होगा। सिटिजन लाउंज में आने वाले नागरिकों के लिए एसी वेटिंग रूम, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, समाचार पत्र, पुस्तकें एवं पत्रिकाओं सहित रीडिंग कॉर्नर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और अन्य आगंतुकों को अपनी बारी की प्रतीक्षा के दौरान स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गुड गवर्नेंस का अर्थ केवल योजनाएं तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को सम्मानजनक और सहज सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। डीएम कार्यालय में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति बेहतर सुविधा और सकारात्मक अनुभव लेकर जाए, यही हमारा ध्येय है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने डिविजनल कमिश्नर, जिला प्रशासन, एलान ग्रुप तथा इस पहल से जुड़े सभी अधिकारियों एवं सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास दिल्ली को अधिक संवेदनशील, समावेशी और नागरिक-केंद्रित राजधानी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकतंत्र में ज्यादा से ज्यादा जनभागीदारी पर दिया जोर

प्रात : किरण, एजेंसी

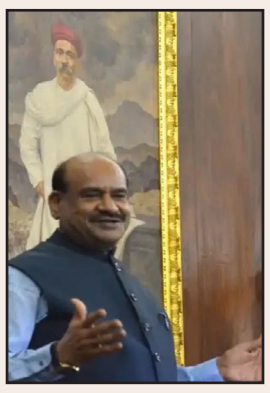

नई दिल्ली,। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को लोकतंत्र में ज्यादा से ज्यादा जनभागीदारी की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का निर्माण युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और कर्तव्यबोध से संभव होगा। ओम बिरला ने संसद भवन परिसर में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय स्तर पर 'विकसित भारत युवा संसद 2026' के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विविध संस्कृतियों और अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों वाली दुनिया की सबसे बड़ी आबादी होने के बावजूद आजादी के बाद देश बढ़ती जन-भागीदारी के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र देश की कार्य-संस्कृति और सोच का अहम हिस्सा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश का भविष्य संवारने और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए लोकतंत्र में सक्रिय और समावेशी भागीदारी जरूरी है। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 'विकसित भारत युवा संसद 2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भी उपस्थित रहे। 'विकसित भारत युवा संसद' का आयोजन हर साल भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से किया जाता है।

## संक्षिप्त खबरें

### उत्तर रेलवे ने हरिद्वार के लिए चलाई विशेष अनारक्षित ट्रेनें

नई दिल्ली,। सोमवती अमावस्या के पावन पर्व पर हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने विशेष व्यवस्था की है। यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली, शाहदरा और हरिद्वार के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि ये ट्रेनें 16 और 17 जून को चलेंगी, जिनमें केवल साधारण श्रेणी के डिब्बे होंगे, जिससे बिना आरक्षण के भी यात्रा की जा सकेगी। रेलवे द्वारा संचालित पहली जोड़ी ट्रेन (04386/04385) हरिद्वार और दिल्ली शाहदरा के बीच चलेगी, जो रुड़की, मुजफ्फरनगर और मेरठ जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी। हरिद्वार से यह दोपहर 12:00 बजे रवाना होगी और शाम 16:40 बजे शाहदरा पहुंचेगी, जबकि वापसी में शाहदरा से 18:15 बजे प्रस्थान करेगी। दूसरी जोड़ी ट्रेन (04388/04387) शामली और बागपत रूट से होते हुए हरिद्वार और पुरानी दिल्ली जंक्शन को जोड़ेगी, जो शाम 19:45 बजे हरिद्वार से रवाना होगी। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ये सभी सेवाएं श्रद्धालुओं के लिए एक किफायती और सुलभ साधन हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा संबंधी किसी भी प्रकार की नवीनतम जानकारी, समय-सारणी या ट्रेन की लाइव स्थिति जानने के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें। इसके अलावा, भारतीय रेलवे की आधिकारिक पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर भी सटीक जानकारी उपलब्ध है, जिसका लाभ उठाकर श्रद्धालु अपनी यात्रा को सुगम बना सकते हैं।

# दीपके ने कहा- मुझ पर हमला करने वाले संघ के लोग

प्रात : किरण, एजेंसी

नागपुर। बेहद कम समय में पूरे देश में पहचान बना चुके कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके पर जयपुर में प्रदर्शन के दौरान हमला हुआ था। इसके ठीक दूसरे दिन मतलब मंगलवार को दीपके ने कहा है कि अभी तक जो जानकारी मिल रही है उसके मुताबिक हमला करने और करवाने वाले कोई और नहीं आरएसएस के लोग थे। नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि यह हमला नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट पेपर लीक जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज को दबाने की एक सोची-समझी कोशिश है। अभिजीत दीपके मंगलवार सुबह नागपुर पहुंचे, जहां सीजेपी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संविधान चौक पर एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इससे पहले जयपुर में सोमवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों ने दीपके के साथ कथित तौर पर मारपीट की। दीपके ने कहा, हम अपने मुद्दों से नहीं भटकेंगे। जितना चाहो हम पर हमला कर लो। हम शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे और अपने मुख्य मुद्दे से नहीं हटेंगे, जो एक करोड़ से अधिक छात्रों के साथ हो रहे अन्याय से जुड़ा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, इस तरह के हमले होते रहेंगे, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। हम महात्मा गांधी और आंबेडकर के मार्ग पर चलते हैं। यह हमारा सत्याग्रह है और हम शांतिपूर्वक आगे बढ़ते रहेंगे। दीपके ने नागपुर के निवासियों, छात्रों और युवाओं से मंगलवार को संविधान चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। सीजेपी नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, नागपुर में प्रदर्शन को देखते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस को इस प्रदर्शन में 2,000 से अधिक युवाओं के शामिल होने का अनुमान है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि संभावित भीड़ को देखते हुए शहर के प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। संघ के खिलाफ जाने वालों पर हमले होते है इस घटना के सिलसिले में दो युवकों को हिरासत में लिया गया है। यह पूछे जाने पर कि वह इस हमले के लिए किसे जिम्मेदार मानते हैं, दीपके ने आरोप लगाया, वहां आरएसएस के कुछ लोग थे और इसमें कोई नई बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है तो इस तरह की घटनाएं होती हैं। आरएसएस से संबंध होने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दावों के बारे में पूछे जाने पर दीपके ने कहा, तो क्या इसीलिए उन्होंने कल मुझ पर हमला किया? उन्होंने दोहराया कि उन पर हमला असली मुद्दे से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास था।

# अल-नीनो से निपटने की रणनीति, हर हफ्ते होगी बैठक: शिवराज

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली,। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश के जिन राज्यों में अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ सकता है, वहां के चिह्नित जिलों के जिला अधिकारियों, कृषि विभाग, केवीके और अन्य विस्तार तंत्र के साथ समन्वित बैठकें आयोजित की जायें। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में जिला स्तर पर पूरी स्थिति स्पष्ट कर किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाये, ताकि हर किसान को यह पता रहे कि उसके क्षेत्र के लिए कौन-सी सावधानियां और कौन-से फसल विकल्प अधिक सुरक्षित हैं। वह यहां उच्च स्तरीय साप्ताहिक कृषि समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस बैठक में खरीफ 2026 के लिए देशभर की तैयारियों की समीक्षा के साथ ही, संभावित अल-नीनो परिस्थितियों पर गहन चर्चा की। उन्होंने कपास उत्पादन बढ़ाने, दलहन में आत्मनिर्भरता और कम बारिश वाले जिलों के लिए अग्रिम आकस्मिक योजना पर विशेष जोर देते हुए साफ संदेश दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में किसान हितों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में अल-नीनो की संभावित स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री चौहान ने साफ निर्देश दिया कि जिन जिलों में कम बारिश या वर्षा में असमानता की आशंका है, वहां पहले से पूरी तैयारी की जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे जिलों की स्पष्ट पहचान कर राज्य सरकारों के साथ मिलकर फसलवार आकस्मिक योजना तैयार किये जायें, ताकि किसी भी मौसमीय चुनौती की स्थिति में किसानों को तुरंत विकल्प, सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि पानी के संरक्षण, नमी प्रबंधन, अंतराफसली और वैकल्पिक फसल पैटर्न पर विशेष ध्यान देते हुए, हर जोखिम वाले जिले के लिए अलग और व्यावहारिक रणनीति बनाई जाये। श्री चौहान ने यह भी कहा कि खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के बजाय, वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर शांत, भरोसेमंद और समाधान-उन्मुख संदेश किसानों तक पहुंचे, यही सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में खरीफ 2026 के लिए फसलवार लक्ष्य, बुवाई की प्रगति और राज्यवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए कपास उत्पादन बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। श्री चौहान ने वैज्ञानिक तरीकों, सही किस्मों के चयन, अंतराफसली खेती, मल्चिंग और नमी संरक्षण जैसे उपायों को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि कपास की उत्पादकता और आय दोनों में सुधार हो। बैठक में दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। श्री सिंह ने बताया कि सरकार का प्रयास है कि अरहर, उड़द, मूंग जैसी दालों में देश अधिक से अधिक आत्मनिर्भर बने और आयात पर निर्भरता कम हो। इसके लिए राज्यों के साथ मिलकर फसल चक्र, क्षेत्र विस्तार, बेहतर बीज उपलब्धता और तकनीकी मार्गदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसान सुरक्षित आय के साथ दलहन उत्पादन बढ़ा सकें। समीक्षा के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता, बाजार में मंडी भाव, जलाशयों और जल भंडारण की स्थिति और राज्यवार स्टॉक की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

## कफ सिरप पर केंद्र सरकार का सख्त आदेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और जनहित में एक बड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब खांसी, सर्दी, बुखार या किसी भी अन्य बीमारी से संबंधित सिरप बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकेंगी। सरकार ने दवा नियम 1945 में संशोधन करते हुए अनुसूची ह्यङ से सिरप शब्द को हटा दिया है, जिससे पहले मिली ओवर-द-काउंटरह्न बिक्री की छूट अब पूरी तरह समाप्त हो गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि दवाओं के खुद से सेवन और अनियंत्रित उपयोग से गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। हाल ही में कुछ राज्यों में दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की मौत की दुखद घटनाओं ने सरकार को इस दिशा में कड़े कदम उठाने पर मजबूर किया है। इस नए नियम का मुख्य उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी बढ़ाना और मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है।

## संक्षिप्त समाचार

### हेमकुंड यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में मारपीट, धारदार हथियार चले, कई घायल

**चमोली, एजेंसी।** हेमकुंड जा रहे सिख समुदाय के लोगों की कर्णप्रयाग में स्थानीय लोगों से बहस हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट हो गई।चमोली जिले के कर्णप्रयाग में मंगलवार सुबह सिख समुदाय के लोगों की स्थानीय लोगों के साथ मारपीट हो गई। हालात इतने बिगड़ गए कि बात मारपीट तक पहुंच गई। इस दौरान सिख समुदाय के लोगों ने स्थानीय लोगों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।हेमकुंड साहिब से लौटते वक्त सिख समुदाय के लोगों की कर्णप्रयाग बाजार में कुछ लोगों के साथ किसी बात पर कहासुनी हो गई। कुछ ही विवाद बढ़ गया। समुदाय के लोगों ने धारदार हथियार से लोगों पर हमला कर दिया। हमले में कई कई लोग चोटिल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल एक होटल स्वामी की गंभीर हालत को देखते हुए एयर लिफ्ट कराया गया।वहीं दूसरी तरफ स्थानीय लोगों ने चौकी परिसर सहित बदरीनाथ हाईवे पर जाम लगा दिया। कुछ लोगों ने पंचपुलिया में भी जाम लगा दिया। क्षेत्र में तनाव का माहौल के बीच पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग, त्रिवेंद्र सिंह राणा मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। स्थिति देखते हुए गौचर में यात्रा को फिलहाल रोका गया। फिर जिलाधिकारी से हुई वार्ता के बाद लोगों ने जाम खोला, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली।

### पैदल मार्ग पर शॉर्टकट के चक्कर में रास्ता भटके चार यात्री, एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाले

**रुद्र प्रयाग, एजेंसी।** केदारनाथ पैदल मार्ग पर शॉर्टकट लेना चार यात्रियों को भारी पड़ गया। यात्रियों के यहां फंसने पर एसडीआरएफ, वाईएमएफ और आपदा मित्रों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।केदारनाथ पैदल मार्ग पर शॉर्टकट के चक्कर में रास्ता भटककर नदी के दूसरी ओर फंसे चार यात्रियों को एसडीआरएफ, वाईएमएफ और आपदा मित्रों की टीम ने देर रात सुरक्षित रेस्क्यू कर मुख्य मार्ग तक पहुंचाया।सभी यात्री सुरक्षित हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि चार युवक यात्री पैदल मार्ग छोड़कर शॉर्टकट से आगे बढ़ गए और नदी के दूसरे किनारे फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, वाईएमएफ और आपदा मित्रों की टीम आवश्यक उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई।टीम ने मोबाइल फोन के माध्यम से यात्रियों से संपर्क स्थापित कर उनकी लोकेशन प्राप्त की और चारों यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया। रेस्क्यू किए गए यात्रियों में साहिल कुमार (20), सुजीत कुमार (18) और हिमांशु (24) निवासी वैशाली, बिहार तथा रूपेश (17) निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश शामिल हैं। रात्रि अधिक होने और आगे का मार्ग जोखिमपूर्ण होने के कारण सभी यात्रियों को लिनचोली में ही सुरक्षित रात्रि विश्राम कराया गया।

### चंपावत कैंपस... गेस्ट फैकल्टी के भरोसे 1200 छात्रों का भविष्य

**चंपावत, एजेंसी।** सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के अधीन संचालित चंपावत कैंपस में एक भी स्थायी प्राध्यापक की तैनाती नहीं हो सकी है। इससे 1200 से अधिक छात्र-छात्राओं की पढ़ाई गेस्ट फैकल्टी के भरोसे चल रही है। कैंपस में स्थायी निदेशक की नियुक्ति भी नहीं हुई है जिसका अतिरिक्त प्रभार अल्मोड़ा परिसर के निदेशक को सौंपा गया है। इससे कैंपस में शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं।चंपावत जिले में युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वर्ष 1996 में राजकीय महाविद्यालय खोला गया था। मई 2023 में इसे सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा का कैंपस बना दिया गया। लोगों को उम्मीद थी कि कैंपस बनने के बाद उच्चशिक्षा में सुधार होगा लेकिन तीन वर्ष बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया है। शिक्षण व्यवस्था पूरी तरह अतिथि शिक्षकों पर निर्भर है।कैंपस में वर्तमान में स्नातक स्तर पर गणित, भूगोल, संस्कृत, गृह विज्ञान और मनोविज्ञान विषय संचालित हैं। स्नातकोत्तर में इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, हिंदी और अंग्रेजी विषयों का संचालन हो रहा है। इस तरह स्नातक और स्नातकोत्तर में करीब 1200 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। कैंपस में कुछ विषयों में गेस्ट फैकल्टी भी नहीं हैं। इसका असर छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ रहा है। वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।कैंपस में पिछले एक साल से गणित विषय पढ़ाने के लिए एक भी प्राध्यापक नहीं है। 100 से अधिक विद्यार्थियों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। प्राध्यापकों की कमी के कारण कैंपस में लगातार छात्र संख्या भी घट रही है।

### शॉर्टकट के चक्कर में नाली में फंसा विक्रम

**ऋषिकेश, एजेंसी।** शॉर्टकट के चक्कर में देहरादून रोड स्थित आदर्श नगर की संकरी गली में घुसा विक्रम वाहन नाली में फंस गया। वाहन में सवार यात्रियों, विशेषकर छोटे बच्चों में अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विक्रम चालक मुख्य मार्ग छोड़कर आंतरिक गली से गुजर रहा था। तभी उसका पिछला टायर गहरी नाली में धंस गया। घटना के बाद वाहन करीब एक घंटे तक गली में फंसा रहा जिससे आवागमन प्रभावित हुआ और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय निवासी चेतन चौहान ने बताया कि ऑटो और विक्रम चालक समय बचाने और अधिक फेरे लगाने के लिए अक्सर संकरी गलियों का इस्तेमाल करते हैं। इससे स्थानीय लोगों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को परेशानी होती है। साथ ही दुर्घटना का खतरा बना रहता है।उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत के बावजूद इस समस्या पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

# उत्तराखंड से इंटरनेशनल हथियार और ड्रग्स तस्कर ईशानप्रीत गिरफ्तार, बीएसएफ के छापे के दौरान पंजाब से भागा था

**रुद्रपुर, एजेंसी।** उत्तराखंड में अपराधियों, गैंगस्टरों और नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है. उत्तराखंड एसटीएफ, पंजाब पुलिस और उधम सिंह नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने पंजाब के वांटेड हथियार और नशा तस्कर ईशानप्रीत सिंह को बाजपुर से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी पर हथियार और ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था. बताया जा रहा है कि उसके घर से पहले भारी मात्रा में अवैध हथियार और हेरोइन बरामद की जा चुकी है. उत्तराखंड से इंटरनेशनल हथियार और ड्रग्स तस्कर गिरफ्तारः 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. उत्तराखंड एसटीएफ, पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) व उधम सिंह नगर पुलिस की ज्वाइंट टीम ने

सोमवार तड़के बाजपुर के केशवनगर क्षेत्र में छापेमारी कर पंजाब के वांछित हथियार और नशा तस्कर ईशानप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और गिरफ्तारी से बचने के लिए उत्तराखंड में छिपकर रह रहा था.

कुख्यात हथियार और ड्रग्स तस्कर ईशानप्रीत सिंह अरेस्टः गिरफ्तार आरोपी ईशानप्रीत सिंह (पुत्र जगजीत सिंह) पंजाब के अमृतसर जिले के थाना छेहर्टा क्षेत्र का निवासी है. उसके खिलाफ पंजाब में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं. सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार वह अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का अहम सदस्य माना जाता है. पिछले महीने बीएसएफ की चेकिंग के दौरान घर से भागा थाः एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि 23 मई 2026 को पंजाब के अमृतसर में एएनटीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया था. इस दौरान पुलिस टीम जब आरोपी के घर पहुंची तो ईशानप्रीत सिंह पुलिस को देखकर मकान की छत से कूदकर फरार हो गया था. हालांकि, तलाशी के दौरान उसके घर से भारी मात्रा में अवैध हथियार और मादक पदार्थ बरामद किए गए थे.

ईशानप्रीत सिंह के घर से अवैध हथियारों और ड्रग्स का जखीरा मिला थाः पुलिस के अनुसार बरामद सामग्री में 12 अवैध पिस्टल, 20 मैगजीन और लगभग 900 ग्राम हेरोइन शामिल थी. जब्त किए गए हथियारों में तीन बरेटा पिस्टल, तीन जिगाना पिस्टल तथा छह मेड इन चाइना पिस्टल शामिल थीं. इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और मादक पदार्थ मिलने के बाद पंजाब पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने आरोपी की तलाश तेज कर दी थी. पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगाता था हथियार और ड्रग्सः जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी के पास पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से हथियार और मादक पदार्थ पहुंचाए गए थे. इस जानकारी के सामने आने के बाद मामला और अधिक गंभीर हो गया था तथा सुरक्षा एजेंसियां उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए थीं. उत्तराखंड के बाजपुर में छिपा था कुख्यात तस्कर ईशानप्रीत सिंहः हाल ही में उत्तराखंड एसटीएफ को विश्वसनीय सूचना मिली कि ईशानप्रीत सिंह ऊधमसिंह नगर जिले के बाजपुर क्षेत्र में छिपा हुआ है. सूचना मिलने के बाद एसटीएफ, पंजाब पुलिस की एएनटीएफ और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रणनीति तैयार कर विशेष अभियान चलाया. सोमवार तड़के केशवनगर क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया गया. पंजाब पुलिस के हवाले किया गया हथियार और ड्रग्स तस्करः गिरफ्तारी के बाद आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है. पुलिस अब उसके पूरे नेटवर्क, आर्थिक स्रोतों और तस्करी से जुड़े अन्य सहयोगियों की भी जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन प्रहार के तहत अपराधियों और नशा तस्करों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी. ऑपरेशन प्रहार जारी, नशा और हथियार तस्करों पर एसटीएफ का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है.

बाजपुर में छिपा था हथियार और ड्रग्स तस्करः पंजाब में बीएसएफ के छापे के बाद अपने मकान की छत से कूदकर हथियार और ड्रग्स तस्कर ईशानप्रीत सिंह भागकर उत्तराखंड आ गया था. उधम सिंह नगर जिले के बाजपुर में वो नाम बदलकर छिपा हुआ था.

लेकिन कानून के लंबे हाथों से वो बच नहीं पाया. उत्तराखंड पुलिस को 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत ईशानप्रीत सिंह के बारे में खुफिया जानकारी मिली. उत्तराखंड एसटीएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया.

## 277 गांवों को एचआरडीए से दूर करने का प्रस्ताव पर मुहर, बोर्ड बैठक में सदस्यों ने रखी बात

**हरिद्वार, एजेंसी।** हरिद्वार के 277 गांवों को एचआरडीए से दूर करने का प्रस्ताव पर मुहर लगी। जिला पंचायत बोर्ड बैठक में एचआरडीए (हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण) से जनपद के गांवों बाहर करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। जिला पंचायत सदस्यों ने कहा कि प्राधिकरण केवल नक्शा पास करने तक सीमित है।

विकास कार्य शहर में होते हैं, इसलिए, जिला पंचायत को नक्शा पास करने का अधिकार दिया जाए, ताकि, नक्शा बनाना सरल और गांवों में विकास कार्य भी हो सकें। सोमवार को देवपुरा स्थित जिला पंचायत के सभागार में हुई बैठक में सर्वसम्माति से एचआरडीए में शामिल गांवों को बाहर करने का मुद्दा उठा। जिसे जिला पंचायत सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

जिला पंचायत सदस्यों ने कहा कि नक्शा बनाने के लिए ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है, उन्हें, प्राधिकरण के चक्कर काटने पड़ते हैं। प्राधिकरण से नक्शा पास कराना चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसे ग्रामीण नहीं बनवा पाते हैं। उन्हें दलालों का सहारा लेना पड़ता है, तब जाकर वह नक्शा पास करा पाते हैं।

इसमें ग्रामीणों का अच्छा-खासा पैसा और समय बर्बाद हो जाता है। उसके बावजूद भी गांवों में विकास नहीं किया जा रहा है। सभी विकास कार्य शहरों में होते हैं, इसलिए, गांवों को प्राधिकरण से बाहर निकाला जाए।

## राजाजी टाइगर रिजर्व के सभी सफारी गेट बंद, पर्यटकों की पसंद रही चीला रेंज, 15 नवंबर से फिर खुलेंगे

**हरिद्वार, एजेंसी।** उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व की सभी रेंजों के गेट आज बंद कर दिए गए हैं. अब बाहर से आने वाले पर्यटकों को वन्यजीवो के दीदार नहीं हो पाएंगे. आज 15 जून को हर वर्ष की भांति इस बार भी चीला गेट समेत सभी सफारी गेट आगामी 14 नवंबर तक के लिए बंद कर दिए गए हैं. मानसून के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण और सफारी मार्गों के रखरखाव को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया हैय अब पर्यटक अगले पांच माह तक राजाजी के जंगलों में जिप्सी और हाथी सफारी का आनंद नहीं ले सकेंगे. बता दें कि राजाजी टाइगर रिजर्व उत्तराखंड के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल है. यहां चीला, चिल्लावाली, रानीपुर और मोतीचूर गेट के माध्यम से जिप्सी सफारी संचालित की जाती है. देश विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक बाघ, हाथी, तेंदुआ और हिरण समेत विभिन्न वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने के लिए यहां पहुंचते हैं. अधिकारियों के मुताबिक इस वर्ष 2026 के पर्यटन सत्र में चीला जोन पर्यटकों की पहली पसंद बना रहा. इस अवधि में चीला गेट से करीब 20,245 पर्यटकों ने जिप्सी के जरिए जंगल सफारी का आनंद लिया. इनमें 19,139 भारतीय और 1,106 विदेशी पर्यटक शामिल रहे.

गेट बंद होने तक पर्यटक जंगल सफारी का इंतजार करते रहे, लेकिन नियमों के अनुसार तय समय पर पार्क के गेट बंद कर दिए गए. इसके अलावा 334 पर्यटकों ने हाथी सफारी का भी लुत्फ उठाया, जिनमें 10 विदेशी सैलानी शामिल थे. इसी दौरान चीला जोन में 5,559 जिप्सियों का प्रवेश दर्ज किया गया, जो वन्यजीव पर्यटन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है. रेंज अधिकारी दीपक रावत ने यह भी बताया कि राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज में जिप्सी के जरिए जंगल सफारी में 4915912 रुपए और एलीफेंट सफारी से 353000 रूपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ है. क्यों किए जाते हैं हर साल गेट बंदः अधिकारियों ने बताया कि मानसून के दौरान सफारी ट्रैकों पर जलभराव, कटाव और फिसलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका रहती है. साथ ही यह अवधि वन्यजीवों के प्रजनन और उनकी प्राकृतिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है. ऐसे में मानव हस्तक्षेप को कम रखना आवश्यक होता है. इसी कारण हर वर्ष मानसून सीजन में सफारी संचालन अस्थायी रूप से बंद किया जाता है. इस दौरान वन विभाग सफारी मार्गों की मरम्मत, आवश्यक रखरखाव कार्य और पर्यटक सुविधाओं के उन्नयन का कार्य करेगा. सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी तैयारियां पूरी होने के बाद 15 नवंबर 2026 से चीला, चिल्लावाली, रानीपुर और मोतीचूर गेट दोबारा पर्यटकों के लिए खोल दिए जाएंगे. क्या बोले रेंज अधिकारीः राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज के रेंज अधिकारी दीपक रावत ने बताया कि मानसून के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है. बारिश में सफारी मार्ग क्षतिग्रस्त होने की आशंका रहती है.

वहीं यह समय वन्यजीवों के प्रजनन और प्राकृतिक गतिविधियों के लिए भी संवेदनशील होता है. इसलिए प्रत्येक वर्ष की भांति चीला सहित सभी सफारी गेट अस्थायी रूप से बंद किए गए हैं. इस अवधि में ट्रैकों की मरम्मत और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाएगा, ताकि 15 नवंबर से पर्यटकों को सुरक्षित और बेहतर सफारी अनुभव उपलब्ध कराया जा सके.

## कैंची धाम में भक्तों की बिगड़ी तकदीर संवारते हैं नीम करोली बाबा, 1.19 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

**हल्द्वानी, एजेंसी।** विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम स्थापना दिवस पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा. आलम ये रहा कि आज 1,19,228 श्रद्धालुओं ने कैंची धाम पहुंचकर नीम करोली बाबा के दर्शन किए. इस दौरान श्रद्धालु प्रशासन की व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आए. जबकि, मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा. विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम में आयोजित स्थापना दिवस मेले के दौरान रविवार को आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला. सुबह से ही बाबा नीम करोली (नीब करौरी) महाराज के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं. देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कैंची धाम पहुंचे. 1,19,228 श्रद्धालुओं ने किए दर्शनः प्रशासन की मानें तो रात तक 1,19,228 श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके थे. श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों ने व्यापक व्यवस्थाएं की

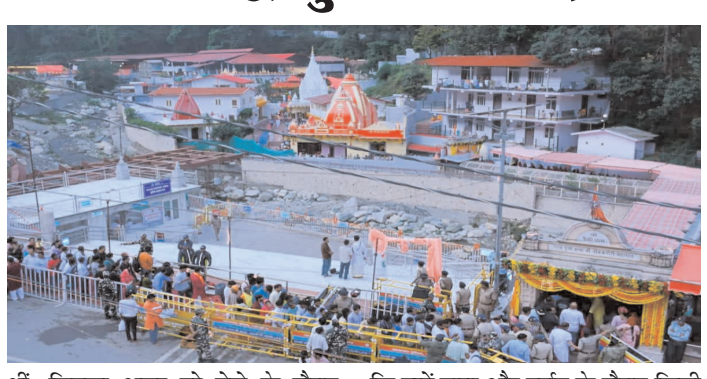

थीं, जिनका असर पूरे मेले के दौरान साफ दिखाई दिया. सबसे बड़ी राहत यातायात व्यवस्था को लेकर रही. पिछले सालों की तुलना में इस बार हल्द्वानी से भवाली और कैंची धाम तक कहीं भी बड़े जाम की स्थिति देखने को नहीं मिली. जगह-जगह तैनात पुलिसकर्मियों, शटल सेवा और ट्रैफिक डायवर्जन प्लान के चलते वाहनों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहा. श्रद्धालुओं ने भी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यात्रा और दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा. सुरक्षा व्यवस्था भी रही चाक-चौबंदः मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही. सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन कैमरों और बड़ी संख्या में तैनात पुलिस बल के माध्यम से पूरे क्षेत्र पर नजर रखी गई. स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई. लगातार काफी संख्या में श्रद्धालुओं का आना जारी रहा.

## सचिव अल्पसंख्यक वेलफेयर को फिर से हाईकोर्ट का अवमानना का नोटिस जारी, जानें कारण

**नैनीताल, एजेंसी।** उत्तराखंड हाईकोर्ट में प्राइमरी मदरसों में वर्ष 2006 से 2008 के बीच स्पेशल स्कीम के तहत नियुक्त किए शिक्षकों को वर्ष 2016 से नियमित वेतन न दिए जाने और पूर्व में दिए गए कोर्ट के आदेशों का पालन न करने को लेकर दायर अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई हुई. मदरसों में स्पेशल स्कीम के तहत नियुक्त शिक्षकों का मामलाः मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने सचिव अल्पसंख्यक वेलफेयर को फिर से अवमानना का नोटिस जारी किया. उनसे 11 अगस्त तक जवाब पेश करने को कहा गया है. कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 अगस्त की तिथि नियत की है. हाईकोर्ट ने सचिव अल्पसंख्यक वेलफेयर को दोबारा जारी किया अवमानना नोटिसः याचिकाकर्ताओ की तरफ से कहा गया कि अभी तक कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं हुआ है. न ही कमेटी गठित हुई है. इसी से जुड़े मामले में अन्य की तरफ से दायर अवमानना याचिकाओं पर भी सचिव को नोटिस जारी हुआ था, लेकिन अभी तक उसपर भी कार्रवाई नहीं हुई. ये है पूरा मामलाः मामले के अनुसार हरिद्वार निवासी संजय और अन्य ने उच्च न्यायालय में कोर्ट के पूर्व के आदेशों का अनुपालन न करने को लेकर अवमानना याचिका दायर की. उन्होंने याचिका में कहा है कि वर्ष 2023 में कोर्ट ने अल्पसंख्यक सचिव को 3 सदस्यीय

कमेटी गठित कर 4 माह में याचिकाकर्ताओं के प्रपत्रों की जांच कर शिक्षकों के देयकों का भुगतान करने के आदेश जारी किए थे. बावजूद इसके उन्हें आज तक देयकों का भुगतान नहीं किया गया. याचिकाकर्ताओं ने कहा जीवन यापन हुआ मुश्किलः याचिकाकर्ताओं का कहना है कि प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2006 से 2008 के बीच उन्हें स्पेशल स्कीम के तहत मदरसों में नियुक्ति दी गई. वर्ष 2016 के बाद न तो उन्हें नियमित रूप से वेतन दिया गया और न ही उन्हें अन्य देयकों का भुगतान किया गया. इससे उन्हें जीवन यापन करने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

### होमस्टे में ठहरे थे नवविवाहित दंपती, पत्नी की संदिग्ध हालत में मौत, कुछ दिन पहले आए थे घूमने

**मसूरी, एजेंसी।** मसूरी घूमने आए दिल्ली निवासी नवविवाहित दंपती यहां एक होमस्टे में ठहरे थे। सुबह पति ने देखा कि पत्नी के मुंह से खून निकल रहा था और बेसुध थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मसूरी-धनोल्टी मार्ग स्थित कियाना टिपरीधार क्षेत्र के एक होम स्टे में ठहरे नवविवाहित दंपती में से महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के फार्मासिस्ट ने महिला को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि होम स्टे के एक कमरे में ठहरी महिला की हालत गंभीर है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस को भी बुलाया गया। जांच में मृतका की पहचान पी. राधा गायत्री (27 वर्ष) पत्नी सौम्या श्रीचरण निवासी शकरपुर, पूर्वी दिल्ली के रूप में हुई। बताया कि दंपती 13 जून को दिल्ली से ऋषिकेश पहुंचे थे और 14 जून की रात करीब 11:30 बजे मसूरी-धनोल्टी मार्ग स्थित होम स्टे में ठहरे थे। रात करीब 3:30 बजे दोनों कमरे में सो गए थे। सुबह पति ने देखा कि पत्नी के मुंह से खून निकल रहा था और बेसुध थी, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे में खून के निशान भी मिले हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस के अनुसार दोनों का विवाह 8 नवंबर 2025 को हुआ था। पति और पत्नी दोनों आईटी क्षेत्र में कार्यरत थे। पति पुणे में जबकि महिला गुरुग्राम में नौकरी करती थी। घटना की सूचना मृतका के परिजनों को दे दी गई है, जो विशाखापट्टनम से मसूरी के लिए रवाना हो चुके हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

## होमस्टे में महिला की रहस्यमयी मौत, सात महीने पहले हुई थी शादी, बिस्तर पर मिले खून के धब्बे

**मसूरी, एजेंसी।** देहरादून जिले के मसूरी से बड़ी खबर सामने आई है. यहां होमस्टे में रुकी 27 साल की महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. महिला अपने पति के साथ दिल्ली से मसूरी में छुट्टी मनाए आए थे. दोनों की हाल में शादी हुई थी. मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और अपनी जांच पड़ताल शुरू की. सुबह का मंजर देख पति के उड़ गए होशः फिलहाल जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार दिल्ली का नवविवाहित जोड़ा मसूरी-धनौल्टी मार्ग पर टिपरीधार के पास होम स्टे में रुका था, जहां कमरे में सोमवार पत्नी अचेत अवस्था में मिली. पुलिस के अनुसार पति ने बताया कि जब वो सुबह उठा तो उसे पत्नी फर्श पर पड़ी हुई मिली. पत्नी के नाक से खून बह रहा था और शरीर में कोई हलचल नहीं थी. घबराए पति ने तुरंत होमस्टे प्रबंधन और पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही मसूरी पुलिस, 108 एंबुलेंस और बाद में फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची. जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया गया. सात महीने पहले ही हुई थी शादीः पुलिस ने बताया कि मृतक महिला का नाम राधा गायत्री है, जिनकी उम्र करीब 27 साल की थी. राधा गायत्री की करीब सात महीने पहले ही सौम्या श्रीचरण से शादी हुई थी, आईटी क्षेत्र में कार्यरत हैं. पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों का विवाह नवंबर 2025 में हुआ था. पति पुणे और पत्नी गुरुग्राम में नौकरी करती थी.कमरे से मिले कई अहम सुरागः पुलिस ने बताया कि दंपती 13 जून को दिल्ली से उत्तराखंड घूमने निकले थे. ऋषिकेश में समय बिताने के बाद वे शनिवार रात मसूरी पहुंचे और धनौल्टी मार्ग स्थित होमस्टे में ठहरे थे. पुलिस जांच के दौरान कमरे में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनकी बारीकी से जांच की जा रही है. चादर पर मिले खून के निशानः कमरे में बिस्तर की चादर पर खून के निशान मिले. इसके कमरे से दो खाली शराब की बोतलें भी मिली है. पुलिस को आशंका है कि रात में दोनों ने शराब भी पी थी. पुलिस ने बताया कि फील्ड यूनिट ने कमरे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर साक्ष्य एकत्र किए हैं. घटनास्थल से लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी निगाहेंः घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराने का अनुरोध किया है. अधिकारियों का कहना है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा. परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़ः घटना की सूचना मिलते ही मृतका के सास-ससुर मसूरी पहुंच गए, जबकि माता-पिता विशाखापट्टनम से उत्तराखंड के लिए रवाना हुए.

होमस्टे के बाहर दिनभर परिजनों और पुलिस अधिकारियों की आवाजाही बनी रही. मसूरी पुलिस का कहना है कि मामले को बेहद संवेदनशीलता से लिया जा रहा है और किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर तस्वीर साफ हो सकेगी.

# दिल्ली में जीएसटी विभाग बनेगा अधिक प्रभावी और पारदर्शी अधिकारियों के लिए दो सप्ताह का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

- जीएसटी अधिकारियों को मिलेगी जांच और डिजिटल टूल्स की ट्रेनिंग, आईटीसी और रिफंड की बारीकियां समझेंगे अधिकारी और कर्मचारी
- करदाताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और कर प्रशासन को नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है : सीएम रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार कर (टैक्स) प्रशासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में ट्रेड एंड टैक्स विभाग की ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रशासन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक व्यापक दो सप्ताह का जीएसटी डोमेन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि आज के समय में कर प्रशासन केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, कानून, जांच, विश्लेषण और जनसेवा का एक समन्वित तंत्र बन चुका है, इसलिए अधिकारियों का नियमित क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्र सरकार के संस्थान राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन) के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जून से 26 जून तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन तीन प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य विभागीय अधिकारियों के ज्ञान, कौशल और व्यावसायिक दक्षता को मजबूत करना है ताकि वे जीएसटी प्रशासन के विभिन्न पहलुओं का अधिक प्रभावी ढंग से संचालन कर सकें। प्रशिक्षण में जीएसटी के मूल सिद्धांतों, कराधान एवं कर संग्रह, वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति, समय एवं स्थान की आपूर्ति, मूल्यांकन, वस्तुओं एवं सेवाओं के वर्गीकरण, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), पंजीकरण, कर चालान, क्रेडिट एवं डेबिट नोट, रिटर्न, कंपोजिशन योजना, ई-वे बिल, कर भुगतान, आकलन, ऑडिट, रिफंड, वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट, जॉब वर्क और इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रशिक्षण में जीएसटी नेटवर्क पर व्यावहारिक अभ्यास भी कराया जाएगा, जिसमें रिटर्न फाइलिंग, पंजीकरण, संशोधन, निरस्तीकरण, पुनर्बहाली, बैक ऑफिस संचालन, हेल्पडेस्क और शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी दी जाएगी। आधुनिक कर प्रशासन में जांच और प्रवर्तन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को खुफिया जानकारी एकत्र करने, जांच, पूछताछ, बयान दर्ज करने, गवाहों की परीक्षा, निरीक्षण, तलाशी, गिरफ्तारी, माल एवं वाहनों की निरुद्धि, जब्ती, रिहाई, अपराधों के निस्तारण और डिजिटल जांच उपकरणों के उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के प्रासंगिक प्रावधानों से भी अवगत कराया जाएगा।

# एमसीडी ने एक वर्ष में रिकॉर्ड 14,549 करोड़ का राजस्व किया अर्जित : सत्या शर्मा

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की वित्तीय स्थिति को लेकर स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार बनने के बाद एमसीडी ने वित्तीय प्रबंधन, राजस्व संग्रहण और संसाधनों के बेहतर उपयोग के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में एमसीडी ने अपने इतिहास का सर्वाधिक 14,549.06 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो अब तक किसी भी वर्ष में प्राप्त सबसे अधिक आय है। स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्या शर्मा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली की जनता लगातार सुनती रही कि एमसीडी आर्थिक संकट से गुजर रही है, कर्मचारियों के वेतन के लिए धन नहीं है, विकास कार्य प्रभावित हैं और निगम संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। आज उपलब्ध आंकड़े साबित करते हैं कि समस्या संसाधनों की नहीं, बल्कि प्रबंधन और प्राथमिकताओं की थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, जब दिल्ली सरकार और एमसीडी दोनों में आम आदमी पार्टी का शासन था, तब निगम की कुल आय 12,406.75 करोड़ थी। भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार बनने के बाद वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 14,549.06 करोड़ रुपए पहुंच गई। महज एक वर्ष में निगम की कुल आय में 2,142.31 करोड़ अथवा 17.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सत्या शर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार से प्राप्त होने वाले राजस्व और अनुदान में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में एमसीडी को दिल्ली सरकार से 2,983.87 करोड़ प्राप्त हुए थे, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 3,309.82 करोड़ हो गए। 325.95 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि निगम को प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी उपलब्धि निगम की अपनी आय में हुई रिकॉर्ड वृद्धि है। वर्ष 2024-25 में एमसीडी का आंतरिक राजस्व 9,400.20 करोड़ था, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 11,239.24 करोड़ रुपए हो गया। यानी निगम की अपनी कमाई में 1,839.04 करोड़ अथवा 19.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सत्या शर्मा ने बताया कि संपत्तिकर और संपत्ति हस्तांतरण शुल्क निगम की आय के सबसे बड़े स्रोत बने हुए हैं। वर्ष 2025-26 में संपत्तिकर से 3,113.07 करोड़ तथा संपत्ति हस्तांतरण शुल्क से 3,758.59 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके अलावा विज्ञापन से 441.30 करोड़, कार पार्किंग से 166.18 करोड़ तथा सिविक सेंटर के सी-ब्लॉक की लीज से 182.71 करोड़ रुपए की आय हुई। उन्होंने कहा कि विज्ञापन राजस्व में 22.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में जहां विज्ञापन से 359.32 करोड़ प्राप्त हुए थे, वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 441.30 करोड़ रुपए हो गया। इसी प्रकार सिविक सेंटर के सी-ब्लॉक की लीज से होने वाली आय 75.23 करोड़ से बढ़कर 182.71 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो 142.87 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

## संक्षिप्त खबरें

### डीयू से बीटेक अब 18 तक आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीटेक पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। विश्वविद्यालय ने बीटेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 18 जून 2026 शाम 4:59 बजे तक कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने पहले ही आवेदन कर दिया है, उन्हें अपने आवेदन में सुधार का एक और अवसर मिलेगा। सुधार विंडो 19 जून सुबह 10 बजे से 20 जून शाम 4:59 बजे तक खुली रहेगी। दाखिले के पहले चरण की सीट आवंटन सूची 24 जून को जारी की जाएगी। सीट आवंटित होने वाले अभ्यर्थी 24 जून से 29 जून तक अपनी सीट स्वीकार कर सकेंगे। इसके बाद अभ्यर्थियों द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों और आवेदन का सत्यापन 30 जून तक किया जाएगा। प्राथमिक चरण में चयनित अभ्यर्थियों के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 1 जुलाई निर्धारित की गई है। वहीं, दूसरे चरण की सीट आवंटन सूची 3 जुलाई को जारी होगी। इस चरण में सीट पाने वाले छात्र 8 जुलाई तक सीट स्वीकार कर सकेंगे, जबकि आवेदन सत्यापन की प्रक्रिया 9 जुलाई तक चलेगी। दूसरे चरण के अभ्यर्थियों के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2026 रखी गई है।

### बारिश के कारण गिरा पारा, पांच दिन 40 से नीचे रहेगा पारा

नई दिल्ली। राजधानी के कई इलाकों में मंगलवार को गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा चलने के कारण मौसम में बदलाव देखा गया। मौसम की इस स्थिति के कारण राजधानी के अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले पांच दिन राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने तथा कुछ दिन गरज चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया है। मौसम विभाग का कहना है कि 22 जून तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की संभावना है। मंगलवार को सुबह से ही राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। कई जगहों पर गरज चमक के साथ बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने पहले यलो अलर्ट और बाद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। मंगलवार को सबसे अधिक बारिश नजफगढ़ में 24 मिमी दर्ज की गई जबकि पालम में 9.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मंगलवार को राजधानी में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस कम था। जबकि न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। राजधानी में नमी का स्तर अधिकतम 74 फीसद तथा न्यूनतम स्तर 51 फीसद दर्ज किया गया। राजधानी में सबसे कम अधिकतम तापमान पालम का दर्ज किया गया यहां सुबह 8.30 से पहले और 8.30 से शाम 5.30 के बीच क्रमशः 9 मिमी और 9.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। यहां का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 6.7 डिग्री सेल्सियस कम था। जबकि लोधी रोड का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। आया नगर का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बुधवार के मौसम के बारे में आंशिक रूप से बादल छाए रहने तथा गरज चमक के साथ दोपहर को हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

## मेयर ने रोहिणी सेक्टर-13 में स्वच्छता अभियान में लिया भाग

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। मेयर प्रवेश वाही ने आज स्वच्छ दिल्ली, हरित दिल्ली अभियान के अंतर्गत रोहिणी सेक्टर-13 में आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। स्वच्छता अभियान के दौरान मेयर प्रवेश वाही ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर क्षेत्र में सफाई गतिविधियों में भाग लिया तथा लोगों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जनसहभागिता के माध्यम से ही स्वच्छ, सुंदर और विकसित दिल्ली के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मेयर ने स्थानीय नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे कूड़ा इधर-उधर न फैलाएं, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करें तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लें।

## हार्मनी इन्फ्रा वेंचर्स ने द होराइजन रेज़िडेन्सेज को पूरी तरह अपने नाम किया, निर्माण में लगाएगी 550 करोड़

- इंदिरापुरम में NH-9 पर बन रही 264 फ्लैटों की यह लग्जरी हाउसिंग परियोजना अब एक ही कंपनी की देखरेख में आगे बढ़ेगी

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। हार्मनी इन्फ्रा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड ने गाज़ियाबाद के इंदिरापुरम में 1,600 करोड़ की अपनी प्रमुख आवासीय परियोजना द होराइजन रेज़िडेन्सेज का पूरा मालिकाना हक साया ग्रुप से अपने हाथ में ले लिया है। इसके साथ ही यह परियोजना अब पूरी तरह एक ही कंपनी के अधीन आ गई है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह इस परियोजना के निर्माण में करीब 550 करोड़ खर्च करेगी। परियोजना में दो ऊँची इमारतें (G+33 यानी 33 मंज़िला) बनाई जा रही हैं, जिनमें जमीनी संरचना का काम अभी चल रहा है। इस परियोजना में कुल 264 फ्लैट हैं जिनकी शुरूआती कीमत 5.99 करोड़ है। परियोजना वढफएफअ में पंजीकृत है और सभी सरकारी मंजूरियाँ भी मिल चुकी हैं। इंडिगो इन्फ्राप्रोजेक्ट्स प्रा. लि. इस समय नींव का काम संभाल रही है – जिसमें गहरी खुदाई, पाइलिंग और दोनों टावरों की मजबूत भूमिगत संरचना तैयार करने का काम शामिल है। इस अवसर पर हार्मनी इन्फ्रा वेंचर्स के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री सेलैंदर सोलंकी ने कहा, ह्लठउफका बाजार अब समझदार हो चुका है। आज का खरीदार सिर्फ लोकेशन या फ्लैट का नक्शा नहीं देखता – वह यह देखता है कि परियोजना के पीछे कौन है। एक ही मालिक, तय पूँजी और साइट पर काम करता ठेकेदार – यह सिर्फ कोई निर्माण की जानकारी नहीं है। यह बताता है कि एक जिम्मेदार बिल्डर कैसे काम करता है। हमने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि यह परियोजना सही तरीके से पूरी होनी चाहिए – और जिन लोगों ने यहाँ घर बुक किया है, वे यही उम्मीद रखते हैं। यह परियोजना दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (NH-9) पर स्थित है। इसी रास्ते पर नमो भारत फ्मछ्ठर ट्रेन फरवरी 2026 से चल रही है – दिल्ली से गाज़ियाबाद होते हुए मेरठ तक, कुल 82 किलोमीटर। गाज़ियाबाद फ्मछ्ठर स्टेशन से दिल्ली के मध्य तक 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पहुँचा जा सकता है। इसका मतलब यह है कि इस इलाके में घर खरीदने वालों का दिल्ली आना-जाना अब पहले से कहीं आसान हो गया है। बाजार के आँकड़े भी यही तस्वीर पेश करते हैं। इंदिरापुरम में मकानों की कीमतें 2021 से 2025 के बीच करीब 73 फीसदी बढ़ीं – जो गाज़ियाबाद के बाकी हिस्सों के मुकाबले लगभग दोगुनी बढ़त है।

## पंचायती राज के समर्थक थे चौधरी ब्रह्म प्रकाश : देवेन्द्र यादव

- दिल्ली देहात के कद्दावर नेता थे चौधरी ब्रह्म प्रकाश
- प्रदेश कांग्रेस ने जन्मदिन पर अर्पित की पुष्पांजलि

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आज पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी ब्रह्म प्रकाश के जन्मदिन पर उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हे दिल्ली कांग्रेस की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर चौधरी ब्रह्म प्रकाश के परिवार के सदस्यों में पोती प्रीति चौधरी, मधुप्रिया चौधरी, अगस्तय चौधरी, मास्टर जगदीश, लाल सिंह यादव, प्रीतपाल यादव, सुनील यादव भी मौजूद थे। चौधरी ब्रह्म प्रकाश को पुष्पांजलि देने वालों में अनिल भारद्वाज, कुंवर करण सिंह, अब्दुल रहमान, पुष्पा सिंह, धर्मपाल चंदेला, डॉ पीके मिश्रा, भूपेश यादव, शांति स्वरुप, बाल किशन बाली, प्रमोद जयंत, अनुज आत्रेय, महिन्द्र मंगला, आदेश भारद्वाज, सतबीर शर्मा और राजेश चौहान आदि मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि चौधरी ब्रह्म प्रकाश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और आजादी के बाद दिल्ली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दो बार 1951-53 और 1966-67 में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बनकर 1952-55 तक दिल्ली के लोगों की सेवा की। चौधरी ब्रह्म प्रकाश चार बार लोकसभा के सांसद भी निर्वाचित हुए। देवेन्द्र यादव ने कहा कि चौधरी ब्रह्म प्रकाश महात्मा गांधी के समर्पित अनुयायी थे सत्याग्रह आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने दिल्ली की भूमिगत गतिविधियों का नेतृत्व किया। उनके योगदान के बाद दिल्ली के कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान जैसे चौधरी ब्रह्म प्रकाश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान का नाम देकर शेर-ए-दिल्ली चौधरी ब्रह्म प्रकाश को सम्मान दिया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि चौधरी ब्रह्म प्रकाश पंचायती राज के समर्थक थे। भारत में सहकारी आंदोलन और स्थानीय स्वशासन के एक प्रमुख समर्थक भी। इन्होंने ग्रामीण विकास और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में एक गहरी विरासत छोड़ी। चौधरी ब्रह्म प्रकाश दिल्ली देहात से जुड़े बड़े नेता थे। 63 पंचायतों के सरपंच के

## उपराज्यपाल ने खान मार्केट का दौरा कर सुधार एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

- उपराज्यपाल ने एनडीएमसी अधिकारियों को वैश्विक सर्वोत्तम कार्यप्रणाली को अपनाकर नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने खान मार्केट का दौरा कर वहां चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा स्थानीय दुकानदारों एवं बाजार में आए आगंतुकों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्र, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप राज्यपाल ने खान मार्केट में चल रहे सुधार एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा परियोजना की प्रगति एवं कार्यान्वयन समय-सीमा के संबंध में एनडीएमसी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अभियंताओं से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने क्षेत्र के आधुनिकीकरण तथा नागरिक सुविधाओं के उन्नयन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक दृष्टि के अनुरूप खान मार्केट को एक प्रमुख एवं सुव्यवस्थित अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खान मार्केट में ऐसा वातावरण विकसित किया जाना चाहिए जो आगंतुकों को एक नया अनुभव प्रदान करे तथा विकास की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि शहरी आधारभूत ढांचे के सर्वोच्च मानकों को सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। ऐसे प्रतिष्ठित सार्वजनिक एवं व्यावसायिक स्थलों में नागरिक सुविधाओं का विस्तार, यातायात एवं पैदल यात्री प्रबंधन में सुधार तथा आगंतुकों, पर्यटकों एवं स्थानीय व्यवसायों के लिए निर्बाध अनुभव उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को शेष विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली के शहरी परिदृश्य को आधुनिक, सतत एवं विश्वस्तरीय नागरिक वातावरण में परिवर्तित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उपराज्यपाल ने एनडीएमसी क्षेत्र के अंतर्गत सत्य मार्ग में स्थापित मॉड्यूलर वर्षा जल संचयन प्रणाली के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने एनडीएमसी अध्यक्ष से इस प्रणाली की संरचना, परिचालन दक्षता एवं दीर्घकालिक स्थायित्व संबंधी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की तथा परियोजना के क्रियान्वयन में लगे अधिकारियों से भी संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ एवं विकेंद्रीकृत करना जलवायु-अनुकूल तथा पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ राजधानी के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

## महापौर ने किया केशवपुरम जोन का निरीक्षण

- विकास कार्यों में तेजी लाने और अतिक्रमण हटाने के निर्देश

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। मेयर प्रवेश वाही ने केशवपुरम जोन के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ निगमायुक्त संजीव खिरवार, उपायुक्त मोहित बंसल, प्रमुख अभियंता प्रमुख पीसी मीणा सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मेयर प्रवेश वाही ने अशोक विहार स्थित प्रेरणा चौक पर चल रहे मुनक नहर परियोजना एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा लिया। इससे अलग उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रेरणा चौक ड्रेन तथा जल बोर्ड कार्यालय के समीप नाले पर स्लैब डालने की संभावनाओं पर शीघ्र कार्यवाही की जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर त्रिनगर वार्ड की पार्षद मीनू गोयल भी उपस्थित रहीं। मेयर ने त्रिनगर वार्ड का निरीक्षण किया तथा त्रिनगर चौक पर पार्किंग सुविधा विकसित करने की संभावनाओं का विस्तृत अध्ययन करने को कहा। उन्होंने क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन सभी स्थानों को तत्काल साफ करने के निर्देश दिए, जहां से ढलाव बंद कर फिक्स्ड कंपेक्टर ट्रांसफर स्टेशन में स्थानांतरित किए गए हैं। क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की। सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। मेयर ने विधायक पूनम शर्मा भारद्वाज के साथ अशोक विहार फेज-3 क्षेत्र में एनसीएपी के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। यहां निर्मित नई सड़क का जायजा लेते हुए रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा। वजीरपुर झुग्गी-झोपड़ी कॉलोनी क्षेत्र का निरीक्षण किया, जहां कबाड़ियों द्वारा किए गए अतिक्रमण के मामले सामने आए। अतिक्रमण हटाने तथा सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

## वियतजेट ने भारत-वियतनाम नेटवर्क पर 11 रुपये से शुरू होने वाले प्रमोशनल किराए की शुरूआत की

नई दिल्ली। भारत- वियतजेट अपने भारत-वियतनाम नेटवर्क और अन्य मार्गों पर 11 रुपये (करों और शुल्कों को छोड़कर) से 40,000 प्रचारात्मक इको टिकट पेश कर रहा है, साथ ही एक नए सीधे हो ची मिन्ह सिटी-कोलंबो मार्ग की घोषणा भी की है, जिससे दक्षिण एशिया में एयरलाइन की उपस्थिति का विस्तार हो रहा है। अब से लेकर 21 जून, 2026 (IST) को रात 9:30 बजे तक, प्रमोशनल इको क्लास के किराए FLYVIETJET कोड का उपयोग करके बुक किए जा सकते हैं। इसके अलावा, डीलक्स, स्काईबॉस और बिजनेस क्लास के टिकट बुक करने वाले यात्री FLYश्ख कोड का उपयोग करके 20% की छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर भारत और वियतनाम को जोड़ने वाले सभी वियतजेट मार्गों के साथ-साथ नई हो ची मिन्ह सिटी-कोलंबो सेवा पर 18 अगस्त, 2026 से 31 मार्च, 2027 के बीच यात्रा के लिए मान्य है (कुछ अवधियों के लिए यह ऑफर लागू नहीं होगा और मार्ग के अनुसार शर्तें लागू हो सकती हैं)। अपने बढ़ते उड़ान नेटवर्क के माध्यम से, वियतजेट भारतीय यात्रियों को वियतनाम और उससे आगे की यात्रा के लिए बेहतर सुविधाएँ प्रदान करता है। मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और बेंगलुरु से हनोई और हो ची मिन्ह सिटी जैसे प्रमुख वियतनामी शहरों के लिए सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं।

## भाजपा सरकार की राजधानीवासियों के साथ वादाखिलाफी, लगातार हो रही तोड़फोड़ : देवेन्द्र यादव

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भाजपा की दिल्ली के तीन करोड़ दिल्लीवासियों के साथ वादाखिलाफी, लगातार हो रही तोड़फोड़ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कथनी और करनी में फर्क है। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली की जनता को राहत देने के लिए ठोस निर्णय ले, क्योंकि बयानबाजी से दिल्ली की परेशानियों को निपटाया नहीं जा सकता।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा को सत्ता में आए एक साल से अधिक समय हो चुका है। सत्ता में आने से पहले बड़े-बड़े वादे किए थे, जिसमें मुख्य वादा झुग्गीवालों को मकान देने, अनधिकृत कॉलोनियों में सुविधाऐं देने का था। इस सबके विपरीत सरकार बनते ही भाजपा ने दिल्ली की झुग्गियों को तोड़ना शुरू कर दिया और बिना विस्थापित किए हजारों परिवार को उजाड़ दिया। जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तोड़फोड़ पर हस्तक्षेप कर दबाव बनाया तो उसके बाद कुछ समय के लिए रोक लगी थी। कभी ओ जोन के नाम पर, कभी अवैध निर्माण के नाम पर दिल्ली में लगातार तोड़फोड़ जारी है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की गरीब लोगों को बेघर करने के लिए बुलडोजर की निरंतर कार्रवाई बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, सरकार गरीबों को उजाड़कर दिल्ली से खदेड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता यदि वास्तव में दिल्ली के लोगों की परेशानी को खत्म करना चाहती हैं तो उन्हें बयानबाजी करने के बजाय तोड़फोड़ पर रोक और ओ जोन की कॉलोनियों को नियमित करने का अध्यादेश जारी करना होगा।

## सुप्रीम कोर्ट ने दिव्यांग बच्चों के लिए पुनर्वास केंद्रों के निगरानी की मांग वाली जनहित याचिका पर नोटिस जारी

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में दिव्यांग बच्चों के लिए काम करने वाले पुनर्वास केंद्रों, बाल विकास केंद्रों और मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों के प्रभावी नियमन, पंजीकरण, निगरानी और देखरेख की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने दिव्यांगों के अधिकारों के लिए काम करने वाले वकील राहुल बजाज और बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले जहीर अब्बास जान की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में ह्यदिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (आरपीडब्ल्यूडी) 2016 ह्यभारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) अधिनियम 1992 और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम (एमएचसीए) 2017 के तहत कानूनी सुरक्षा उपायों को लागू करने में कथित तौर पर सिस्टम की कमियों की ओर इशारा किया गया था।

## फर्जी वीडियो में मैं नहीं हूं- भगवंत सिंह मान

- भगवंत मान के अच्छे कामों से बौखलाए विरोधी उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे- केजरीवाल

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक फर्जी वीडियो के जरिए उन्हें बदनाम करने की हो रही साजिश पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि फर्जी वीडियो में मैं नहीं हूं। मेरे खिलाफ ये साजिश सुखबीर बादल के कहने पर रची गई और यह आदेश हुआ। जब से मैंने बेअदबी पर सख्त कानून बनाया है। मेरे खिलाफ प्रोपेगंडा शुरू हो गया है। यही लोग पहले कहते थे कि बेअदबी पर सख्त कानून बनाओ और जब बना दिया तो कह रहे हैं कि क्यों बनाए? उधर, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान के अच्छे कामों से बौखला कर विरोधी उनको झूठ बोलकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को प्रेसवार्ता कर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछले दिनों श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार द्वारा एक वीडियो को लेकर मेरे खिलाफ कुछ हुक्मनामे जारी किए गए कि वह वीडियो भगवंत मान का है और एआई जनरेटेड नहीं है। लेकिन वह वीडियो मेरा बिल्कुल नहीं है। जब मुझे अकाल तख्त साहिब बुलाया गया था, तब भी मैंने यही कहा था कि उस वीडियो में मैं हूं ही नहीं। जो व्यक्ति उस वीडियो में दिख रहा है, न तो मेरा कद-काठी उससे मिलता है और न ही मेरी शारीरिक बनावट उससे मिलती है। मैं हैरान हूं कि धर्म के इतने बड़े पदों पर बैठे लोग क

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

# राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 17 जून, 2026

## संक्षिप्त खबरें

### निशानेबाज जसपाल राणा की मां का निधन

नई दिल्ली। निशानेबाज कोच जसपाल राणा के निधन के सदमे से उबर नहीं पाने के कारण उनकी मां श्यामा देवी राणा का भी मंगलवार को निधन हो गया। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के एक सैन्य अस्पताल में अंतिम सांस ली। परिवारिक सूत्रों के अनुसार श्यामा देवी की लंबे समय से तबीयत खराब चल रही थी। उनकी हालत काफी नाजुक बनी हुई थी। बेटे जसपाल राणा के निधन के बाद उनकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई थी। इस दुखद घटना से पूरे परिवार पर दुखों को पहाडा टूट गया है। उल्लेखनीय है कि 12 जून को भारतीय निशानेबाजी जगत के बड़े नाम जसपाल राणा का निधन हुआ था। उनके निधन की खबर से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। श्री राणा देश के सबसे सफल पिस्टल निशानेबाजों में गिने जाते थे और उन्होंने अपने करियर में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां हासिल की थीं।

### अब सिर्फ लाइसेंस प्राप्त फार्मेसियों से ही बेची जाएगी खांसी की सिरप

नई दिल्ली। सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 (पांचवां संशोधन) में बदलाव करते हुए उस छूट को समाप्त कर दिया है, जिसके तहत छोटे गांवों में कुछ खुदरा लाइसेंस संबंधी नियमों का पालन किए बिना खांसी की सिरप बेची जा सकती थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, इस संशोधन को अधिसूचना के जरिए लागू किया गया है। इसके तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची-के से ह्यसिरपह्ल शब्द को हटा दिया गया है। बयान के मुताबिक, अनुसूची-के में कुछ विशेष श्रेणी की दवाओं को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और उसके तहत बनाए गए नियमों के कुछ प्रावधानों से छूट दी जाती है। संशोधन से पहले यह प्रावधान था कि 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में खांसी की सिरप को कुछ खुदरा बिक्री लाइसेंस नियमों का पालन किए बिना बेचा जा सकता था। लेकिन अब इस नई व्यवस्था के बाद यह छूट खांसी की सिरप पर लागू नहीं होगी। अब ऐसे गांवों में खांसी की सिरप की बिक्री और वितरण केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त फामेर्सी के माध्यम से ही किया जा सकेगा। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के सभी प्रावधानों का पालन करना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन सिरप आधारित दवाओं पर नियामकीय निगरानी को मजबूत करने और मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप नियमों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से खांसी की सिरप के जिम्मेदाराना वितरण और बिक्री को बढ़ावा मिलेगा तथा पूरे देश में नियामकीय मानकों का बेहतर पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। इसके अलावा मंत्रालय ने खांसी की सिरप बनाने वाली कंपनियों, वितरकों और विक्रेताओं को सलाह दी है कि वे ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट और ड्रग्स रूल्स के तहत लागू सभी लाइसेंस और नियामकीय आवश्यकताओं का सख्ती से पालन करें। इस बदलाव के बाद उपभोक्ताओं को ऐसी दवाएं खरीदने के लिए अब पंजीकृत चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा जारी वैध प्रिस्क्रिप्शन दिखाना होगा। यानी खांसी की सिरप अब केवल निर्धारित नियमों और लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर के माध्यम से ही उपलब्ध होगी।

### नीट पेपर लीक की अफवाहों पर बड़ा प्रहार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने नीट परीक्षा से जुड़े कथित पेपर लीक और धोखाधड़ी के मामलों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को गुमराह करने और नकली प्रश्नपत्रों को असली बताकर प्रसारित किए जाने की घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र सरकार को टेलीग्राम पर अस्थायी रोक लगाने जैसा कड़ा कदम उठाना पड़ा। अभिषेक सिंह ने एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि कुछ असामाजिक तत्व टेलीग्राम मंच का दुरुपयोग कर नीट परीक्षा के नाम पर विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से धन ऐंठने का प्रयास कर रहे थे। ये लोग नकली प्रश्नपत्रों को आगामी परीक्षा का वास्तविक प्रश्नपत्र बताकर प्रसारित करते थे और परीक्षा को लेकर फैली चिंता का लाभ उठाते थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने टेलीग्राम के अधिकारियों के साथ बैठक कर ऐसे समूहों और माध्यमों को चिन्हित किया, जो कथित प्रश्नपत्र लीक होने का दावा कर रहे थे। इस कार्रवाई के तहत 200 से अधिक माध्यमों को अवरुद्ध कराया गया। बताया गया कि 3 मई को प्रस्तावित परीक्षा से पहले भी 1 मई को कुछ माध्यमों पर कथित तौर पर ह्यअसली प्रश्नपत्रह्ल साझा किए जाने के दावे किए जा रहे थे, जबकि वे पूरी तरह भ्रामक थे। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अनुसार, 21 जून को प्रस्तावित नीट स्नातक पुनर्परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न

# ईडी पार्टी कायर, अब आम आदमी पार्टी के छोटे कार्यकताओं पर रेड करा दी- केजरीवाल

- ट्रम्प के सामने देश को अपमानित करने वाली ईडी पार्टी को हमारे नेताओं पर रेड से कुछ नहीं मिला तो छोटे कार्यकताओं पर रेड करा रही- केजरीवाल

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को देश भर में पार्टी के छोटे-छोटे कार्यकर्ताओ के यहां ईडी की रेड पड़ने पर भाजपा सरकार को आड़े हाथ लिया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ईडी पार्टी (भाजपा) के लोग कायर और बुजदिल हैं। दुनिया भर में ट्रम्प के सामने देश को अपमानित करके ये मामूली लोगों पर रेड करवाने में अपनी मर्दानगी समझते हैं। हमारे कई नेताओं पर रेड मारने पर जब कुछ नहीं मिला तो अब ईडी पार्टी देश भर में आम आदमी पार्टी के कई छोट-छोटे कार्यकताओं पर रेड मारने पहुंची है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से मजबूत रहने की अपील करते हुए कहा कि वैसे अगर देश का काला पैसा ढूढ़ना है तो वो दो लोगों के घर पर मिलेगा जो आए दिन ढेरों एमएलए और एमपी खरीदते हैं, लेकिन ईडी तो उन्ही के अंडर में आती है। उधर, ह्लआपह्व मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि हम लोग बार-बार कहते हैं कि इस देश में एक ईडी पार्टी है, जिसकी जान ईडी में बसती है और सांसे भी उसी से चलती हैं। यह ईडी पार्टी, ईडी के जरिए पूरे देश में लोकतंत्र और राजनीतिक दलों पर कब्जा करना चाहती है। इसी ईडी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और मुझे पकड़ कर जेल में डाला। जब इन्हें कुछ नहीं मिल रहा है, तो ये कायरों की तरह हमारे नेताओं पर फिर से हमला कर रहे हैं। कभी संजीव अरोड़ा को पकड़ कर जेल में डाल रहे हैं, तो कभी किसी के खिलाफ छापेमारी कर रहे हैं। अशोक मित्तल के यहां छापा मारकर उन्हें तोड़ लिया गया और अब आम आदमी पार्टी के गोवा सह-प्रभारी दीपक सिंगला के पीछे बिना किसी कारण के ईडी पार्टी और उसके मुखिया पड़े हुए हैं। संजय सिंह ने बताया कि दीपक सिंगला के रिश्तेदारों के खिलाफ 2014 में मुकदमा दर्ज हुआ था। उस मामले में जांच पूरी होने के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और ट्रायल लगभग पूरा होने जा रहा है। इसके बावजूद लगातार छापेमारी और गिरफ्तारी चल रही है। पहले दीपक सिंगला को पकड़ कर जेल में डाला गया और आज उनके भाई रमन सिंगला के यहां ईडी पार्टी की ईडी ने छापेमारी कर दी। गोवा में काम करने वाले हमारे कार्यकर्ता सोनू बजाज और अमरीक सिंह का किसी भी बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है, फिर भी उनके घरों पर ईडी पार्टी की ईडी ने छापेमारी कर दी। संजय सिंह ने कहा कि इससे यह साबित होता है कि देश के प्रधानमंत्री एक कायर और डरपोक प्रधानमंत्री हैं। ऐसे कायर की पहचान यह होती है कि वह पीछे से हमला करता है। कायर अपने से कमजोर आदमी को दबाने के लिए उस पर ईडी और सीबीआई छोड़ देता है, झूठे मुकदमे लिखवाता है और छापेमारी करवाता है। लेकिन जब ट्रंप का मुकाबला करना होता है, तो वह भीगी बिल्ली और मासूम चूहा बन जाता है। मोदी जी ह्लआपह्व नेताओं और कार्यकताओं के लिए तो शेर हैं, लेकिन ट्रंप के आगे उनकी आवाज नहीं निकलती। जहां देश की प्रतिष्ठा और सम्मान बचाने की बात होती है, वहां प्रधानमंत्री जी खामोश हो जाते हैं। अमेरिका की सेना ने तीन भारतीयों की हत्या कर दी, लेकिन प्रधानमंत्री जी ने उस पर कुछ नहीं कहा।

# दिल्ली सचिवालय में दिखेगी महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विधायी हलचल

जेपीसी की चेयरपर्सन अपराजिता सारंगी का दौरा आज

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में 17 जून को महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विधायी हलचल देखने को मिलेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का एक स्थानीय अध्ययन दौरा दिल्ली सचिवालय में आयोजित किया गया है। इस दौरे के दौरान जेपीसी की चेयरपर्सन अपराजिता सारंगी विशेष रूप से होगीं। दिल्ली सचिवालय प्रशासन द्वारा जारी पत्र के अनुसार यह दौरा मुख्य रूप से कुछ प्रमुख विधायी विधेयकों पर केंद्रित है। इनमें ह्यसंविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025ह्ल, ह्यजम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025ह्ल और ह्यकेंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025ह्ल शामिल हैं। इन विधेयकों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श और स्थानीय अध्ययन के उद्देश्य से ही संसदीय समिति का यह दौरा दिल्ली में हो रहा है। - सचिवालय में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर तैयारी इस दौरे को लेकर दिल्ली सरकार के सूचना एवं प्रचार निदेशालय को भी निर्देशित किया गया है कि वे सभी प्रमुख मीडिया संगठनों के प्रतिनिधियों को इस ब्रीफिंग के लिए आमंत्रित करें। उम्मीद की जा रही है कि इस दौरान जेपीसी की चेयरपर्सन न केवल प्रस्तावित संशोधनों के उद्देश्य को स्पष्ट करेंगी, बल्कि भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डालेंगी। इस दौरे को संसद और केंद्र-राज्य संबंधों के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सचिवालय में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी तैयारी पूरी कर ली गई है। जेपीसी की यह बैठक इन विधेयकों के प्रति सरकार की गंभीरता को दशार्ती है, जो आने वाले समय में देश के संवैधानिक और प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों का आधार बन सकते हैं।- 130वां संशोधन विधेयक और अन्य इन विधेयकों में प्रावधान है यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, या केंद्रीय/राज्य मंत्री को किसी गंभीर आपराधिक मामले (जिसमें 5 वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान हो) में गिरफ्तार किया जाता है और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। इन विधेयकों को संसद के पटल पर रखे जाने के बाद विस्तृत समीक्षा के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया था।

# फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दिल्ली पुलिस ने 12 लोगों को सुरक्षित निकाला

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय थाना क्षेत्र स्थित राजू पार्क में सोमवार देर रात एक मकान में फ्रिज में हुए शॉर्ट सर्किट के बाद भीषण आग लग गई। आग दूसरी मंजिल से शुरू होकर देखते ही देखते तीसरी मंजिल तक फैल गई। हादसे के समय दोनों मंजिलों पर कई लोग फंसे हुए थे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दिल्ली पुलिस और दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, सोमवार रात 11 बजकर 5 मिनट पर राजू पार्क स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। शुरूआती दौर में दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। हालांकि, आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में तीन और गाड़ियों को रवाना किया गया। करीब छह दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दूसरी मंजिल पर रखे फ्रिज में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद कंप्रेशर में धमाका हो गया। धमाके के साथ आग तेजी से पूरे फ्लोर में फैल गई और कुछ ही देर में तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। सूचना मिलते ही नेब सराय थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। उस समय मकान की दूसरी और तीसरी मंजिल पर बच्चे, महिलाएं और पुरुष फंसे हुए थे। पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। कुछ लोगों को रस्सी के सहारे बालकनी से बाहर निकाला गया, जबकि कुछ को पड़ोसी मकानों की छतों के जरिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से कुल 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें चार बच्चे, चार महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। समय रहते किए गए रेस्क्यू अभियान के कारण बड़ा हादसा टल गया। हाल के दिनों में राजधानी में घरों में आग लगने की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

# दिल्ली विधानसभा ने दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश की 108वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने चौधरी ब्रह्म प्रकाश के असाधारण योगदान को किया स्मरण

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। आधुनिक दिल्ली की कहानी चौधरी ब्रह्म प्रकाश के असाधारण योगदान को स्वीकार किए बिना नहीं लिखी जा सकती। उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने दिल्ली की लोकतांत्रिक एवं विकासात्मक यात्रा को दिशा प्रदान की। यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा परिसर में दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कही। गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री को 108वीं जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा किए गए योगदान को याद किया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधायक ओम प्रकाश शर्मा, राजकुमार भाटिया तथा चौधरी ब्रह्म प्रकाश के परिजन एवं रिश्तेदार उपस्थित थे। विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि चौधरी ब्रह्म प्रकाश ने बहुत कम आयु में स्वयं को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया था और बिना किसी राजनीतिक पद अथवा व्यक्तिगत लाभ की आकांक्षा के ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भावी मुख्यमंत्री एवं सांसद के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित एक युवा सेनानी के रूप में उन्होंने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया और ऐसे समय में अद्भुत साहस का परिचय दिया, जब औपनिवेशिक शासन का सामना करना कोई साधारण बात नहीं थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उनके योगदान का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि चौधरी ब्रह्म प्रकाश ने सादगी एवं सिद्धांतों पर आधारित जीवन जीते हुए दिल्ली के विकास, किसानों के कल्याण तथा राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने कहा कि सत्ता के उच्च पदों पर रहते हुए भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जिन आदर्शों के लिए संघर्ष किया था, उन्हें जीवनभर आगे बढ़ाने का प्रयास किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि साहस और दृढ़ विश्वास चौधरी ब्रह्म प्रकाश के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताएं थीं।

### एनसीआर नहीं होगा छोटा, पुराने वाहनों पर लगेगी रोक

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की 42वीं बैठक में दिल्ली-एनसीआर के भविष्य को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की मौजूदा सीमाओं में कोई कटौती नहीं की जाएगी। साथ ही प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 श्रेणी के वाहनों को चरणबद्ध तरीके से सड़कों से हटाने पर सहमति बनी। क्षेत्रीय योजना-2041 को अगले 2 माह के भीतर अधिसूचित किए जाने की घोषणा भी की गई। बैठक के बाद बोर्ड के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि क्षेत्रीय योजना-2041 में शामिल प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर आगामी 2 माह में घोषित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दायरा यथावत रहेगा और इसे घटाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है

# हैदराबाद में ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस का दो दिवसीय राष्ट्रीय यूनानी सेमिनार आयोजित

यूनानी चिकित्सा के विकास, गुणवत्तापूर्ण औषधि निर्माण और शोध गतिविधियों को गति देने पर जोर

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के तकनीकी विंग तथा सत्य यूनानी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में तेलुगु विश्वविद्यालय, नामपल्ली (हैदराबाद) में दो दिवसीय राष्ट्रीय यूनानी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रख्यात शिक्षाविद प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने की। देशभर से बड़ी संख्या में यूनानी चिकित्सकों, शिक्षाविदों, शोधकताओं एवं विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। सेमिनार में प्रोफेसर रघुवीर सिंह, प्रोफेसर एम. ए. फारूकी, पद्मश्री हकीम एमए वहीद, डॉ. वसीउर्रहमान (आईआरएस), डॉ. इमामुद्दीन, डॉ. अता उल्लाह शरीफ, डॉ. एसजीवी सत्य, डॉ. मिनहाजुद्दीन खान, डॉ. एसएम याकूब, हकीम हुसामुद्दीन तलअत, डॉ. नियाज खान, डॉ. निदा खान, डॉ. शबाना उस्मानी, डॉ. नाहिद खान, डॉ. हुमैरा, डॉ. खालिद नियाजी अख्तर, डॉ. मोहम्मद ताबिश, डॉ. अखलाक अहमद अंसारी, डॉ. नियाज राशिद अख्तर, डॉ. ताहिर हुसैन, डॉ. रिजवान नूरानी, डॉ. फारूक रहमान, डॉ. नैयर इकबाल, डॉ. मोहम्मद समीउद्दीन, डॉ. अर्शिया, डॉ. फैजा शुएब, डॉ. अमीना बेगम तथा डॉ. मोहम्मद गुलाम इकबाल सहित अनेक प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के महासचिव डॉ. सैयद अहमद खान ने बताया कि सेमिनार के दौरान यूनानी चिकित्सा में स्कोप एंड स्ट्रेंथ विषय पर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि गुणवत्तापूर्ण औषधि निर्माण को बढ़ावा देने के साथ-साथ यूनानी चिकित्सा की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए, ताकि इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा सके। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने कहा कि यूनानी चिकित्सा पूर्णतः वैज्ञानिक आधारों पर स्थापित चिकित्सा प्रणाली है, जो सदियों से मानवता की सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न उतार-चढ़ावों के बावजूद यूनानी चिकित्सा अपनी उपयोगिता और मजबूत वैज्ञानिक आधार के कारण आज भी जनसामान्य में लोकप्रिय है।

# ओ-जोन में कॉलोनियों को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी का हस्ताक्षर अभियान शुरू- सौरभ भारद्वाज

- ईडी पार्टी संसद में कानून बनाकर ओ-जोन को भी अनधिकृत कॉलोनियों की तरह संरक्षण दे- सौरभ भारद्वाज
- ईडी पार्टी की मुख्यमंत्री या उसके सांसदों की जुबान की कोई कीमत नहीं, कानून ही एकमात्र रास्ता- सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने ओ-जोन में बनी सालों पुरानी कॉलोनियों को टूटने से बचाने के लिए मंगलवार को हस्ताक्षर अभियान शुरू कर दिया। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बताया कि पार्टी के विधायक, पार्षद, नेता और कार्यकर्ता ओ-जोन की कॉलोनियों में घर-घर जाकर लोगों के हस्ताक्षर लेंगे और फिर इसे प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। इस कैंपेन के जरिए हम ईडी पार्टी से कहेंगे कि वह संसद में कानून बनाए और जैसे दिल्ली स्पेशल प्रोविजंस एक्ट के तहत अनधिकृत कॉलोनियों को संरक्षण मिला है, उसी तरह ओ-जोन को भी दे। उन्होंने कहा कि मौखिक बयानबाजी से कोई हल नहीं निकलेगा। लगातार डेमोलिशन चल रहा है। ईडी पार्टी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी या मनोज तिवारी की जुबान की कोई कीमत नहीं है। मंगलवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में जब से ईडी पार्टी की सरकार बनी है और इनके पास केंद्र, राज्य, एमसीडी और उपराज्यपाल की तमाम शक्तियां आई हैं, तब से इनकी सत्ता पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं बचा है। पुलिस, एमसीडी, डीडीए और फ्लड डिपार्टमेंट सहित सब कुछ इन्हीं का हो गया है। पूरी तरह से सरकार की गुंडागर्दी चल रही है। सौरभ भारद्वाज ने याद दिलाया कि ओ-जोन से पहले झुग्गी-झोपड़ियों पर बुलडोजर चले और लाखों लोगों को बेघर किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रोज कहती थीं कि किसी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा और अगले ही दिन बुलडोजर चल जाता था। रेखा गुप्ता के अपने क्षेत्र शालीमार बाग के गांव में पांच-पांच मंजिला घरों पर बुलडोजर चलाया गया। अनधिकृत कॉलोनियों में लगातार बुलडोजर चल रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अब ओ-जोन में जहां लोग पांच दशकों यानी 50-50 सालों से रह रहे हैं, वहां बुलडोजर चलाया जा रहा है। इतनी सरकारें आईं और गईं, लेकिन कभी किसी ने ओ-जोन के मकानों पर बुलडोजर नहीं चलाया। बेशर्मी यह है कि सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रोज आकर कहती हैं कि कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जबकि रोज कार्रवाई हो रही है। पुलिस, एमसीडी, डीडीए और फ्लड डिपार्टमेंट सब इनका है, तो इन्हें रोकेगा कौन? आज दिल्ली वालों को भाजपा को चार इंजन की सरकार देने का सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज से आम आदमी पार्टी एक हस्ताक्षर अभियान शुरू कर रही है। पार्टी के कार्यकर्ता, विधायक, पार्षद और नेता ओ-जोन की कॉलोनियों में घर-घर और गली-गली जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे, जिसका मकसद है कि संसद में कानून बने। मौखिक बयानबाजी से कोई हल नहीं निकल रहा है और लगातार डेमोलिशन चल रहा है। ईडी पार्टी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी या मनोज तिवारी की जुबान की कोई कीमत नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जो बात मान्य है, वह कानून है और कानून संसद में बनेगा, जहां ईडी पार्टी का बहुमत है। इस कैंपेन के जरिए हम ईडी पार्टी से कहेंगे कि वे संसद में कानून लाए और ओ-जोन को उसी तरह संरक्षण दे, जिस तरह दिल्ली स्पेशल प्रोविजंस एक्ट के तहत अनधिकृत कॉलोनियों को संरक्षण मिला हुआ है।

# अमेरिका को जवाबदेह ठहराने में फेल रही सरकार : सुप्रिया श्रीनेत

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत करते हुए कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी शांति स्थापित होने की पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध और संघर्षों की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को चुकानी पड़ती है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान हुए हमलों में तीन भारतीय नागरिकों की जान चली गई। उन्होंने दावा किया कि आदित्य शर्मा, पटनायक और सुरेश चौरसिया सहित भारतीय नागरिकों की मौत अमेरिकी कार्रवाई के कारण हुई, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर न तो शोक व्यक्त किया और न ही पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सरकार अमेरिका को जवाबदेह ठहराने में भी विफल रही। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष उठाया गया, तब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ओर से कोई खेद व्यक्त नहीं किया गया। इसके साथ ही भारत सरकार इस मामले में प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में असफल रही। श्रीनेत ने अमेरिका-ईरान शांति समझौते में भारत की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति होने के बावजूद इस पूरी प्रक्रिया में कहीं दिखाई नहीं दिया, जबकि पाकिस्तान जैसे देश की भूमिका की चर्चा हो रही है। उन्होंने पूछा कि आखिर इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल में भारत की भागीदारी क्यों नहीं रही? उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किसी महाशक्ति के प्रभाव में आए बिना स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी दबाव के बावजूद राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागड़े प्रकरण का भी जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भारत ने कड़ा रुख अपनाया था, जिसके बाद अमेरिका को खेद व्यक्त करना पड़ा। सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्रियों ने हमेशा देश की संप्रभुता और सम्मान को सर्वोपरि रखा, जबकि मौजूदा सरकार अमेरिका के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम रुख अपना रही है।

### हाई कोर्ट ने सलीम पिस्टल की अंतरिम जमानत पर लगाई रोक

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हथियार तस्करी के आरोपित सलीम अहमद उर्फ सलीम पिस्टल को निचली अदालत से मिली अंतरिम जमानत पर रोक लगा दी है। दिल्ली पुलिस की चुनौती पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने जमानत आदेश के क्रियान्वयन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के साथ ही आरोपित को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक 6 जून को पारित निचली अदालत का जमानत आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 24 जून को निर्धारित की गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने न्यायालय को बताया कि सलीम अहमद केवल एक मामले में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत दर्ज दो मामलों में भी आरोपित है। पुलिस का दावा है ।

# चौधरी ब्रह्म प्रकाश का 108वां जन्मोत्सव शकूरपुर में धूमधाम से मनाया गया

-चौधरी ब्रह्म प्रकाश चौक पर प्रतिमा स्थापना एवं नामकरण बहाली हेतु पंचायत बुलाने की घोषणा

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी का 108वां जन्मोत्सव उनके पैतृक गांव शकूरपुर में स्थित ब्रिटानिया चौक पर ग्राम पंचायत शकूरपुर द्वारा बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न गांवों से आए गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं ग्रामीण समुदाय के लोगों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि ब्रिटानिया चौक को वर्षों से चौधरी ब्रह्म प्रकाश चौक के रूप में जाना जाता रहा है। यहां स्थित उपरगामी सेतु (फ्लाईओवर) एवं भूमिगत पैदल मार

## गुरुग्राम में इन्वेस्टर ने खरीदा 121 करोड़ का फ्लैट

● शहर की सबसे बड़ी डील, मुंबई के मालाबार-हिल के बराबर कीमत; शिखर धवन भी खरीद चुके

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में DLF के अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट द डहलियाज में एक इन्वेस्टर ने 121 करोड़ रुपए का फ्लैट खरीदा है। मधुसूदन ने ये फ्लैट टावर- वन की 20वीं मंजिल पर खरीदा। इस फ्लैट का सौदा 1.93 लाख प्रति वर्ग फुट के हिसाब से हुआ है। वहीं 1810 स्क्वायर फीट की बालकनी समेत इस फ्लैट का कुल स्पेस 8044 स्क्वायर फीट है। इसे गुरुग्राम की दूसरा सबसे महंगा फ्लैट माना जा रहा है। इससे पहले दिल्ली के एक नामी बिजनेसमैन ने इसी प्रोजेक्ट में 380 करोड़ रुपए में 4 अपार्टमेंट खरीदे थे। इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने भी करीब एक साल पहले यहां 69 करोड़ रुपए का एक फ्लैट खरीदा था। प्रॉपर्टी एक्सपर्ट मधुसूदन के इस फ्लैट की डील को मुंबई के मालाबार हिल और दिल्ली के लुटियन जोन की कीमतों के बराबर आंक रहे हैं। 5 कार पॉर्किंग स्लॉट भी दिए गए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर बने डीएलएफ के इस प्रोजेक्ट में ये फ्लैट मधुसूदन केला नाम के इन्वेस्टर ने खरीदा है। मधुसूदन को इस फ्लैट के साथ बेसमेंट में 5 कार पार्किंग स्लॉट भी अलॉट किए गए हैं। इस संपत्ति की कुल वैल्यू 120.71 करोड़ रुपए तय की गई है। कारपेट एरिया के हिसाब से इस फ्लैट की मूल दर 1.93 लाख रुपए प्रति स्क्वायर फीट बैठती है। यह सौदा 15 अप्रैल 2026 को रजिस्टर्ड हुआ था। हालांकि मधुसूदन केला और डीएलएफ की तरफ से फ्लैट के बारे में आधिकारिक स्टेटमैंट जारी नहीं किया गया है। अंडर-कंस्ट्रक्शन है दी डेहलियाज डीएलएफ का यह अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट अपनी भव्यता और आधुनिक सुविधाओं के लिए चर्चा में है। कंपनी अब तक इस प्रोजेक्ट में 221 फ्लैट बेच चुकी हैं, जिससे उसे कुल 16,000 करोड़ रुपए की बिक्री हासिल हुई है। इस लोकेशन पर डीएलएफ की दी कैमेलियाज का पजेशन किया जा चुका है। जिसमें देश के कई बड़े अमीर बिजनेसमैन रहते हैं। पांच साल में पजेशन का दावा डीएलएफ ने पिछले साल दावा किया था कि 5 साल में इस सोसाइटी के अपार्टमेंट का पजेशन (ऑनर्स को दे दिया जाएगा) दिया जाएगा। इस सोसाइटी का ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट 31 दिसंबर 2031 तक मिलने की बात कही गई है। पजेशन सौंपने के बाद 5 साल तक अगर इमारत में कोई स्ट्रक्चरल डिफेक्ट आता है, तो उसे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 90 दिनों के अंदर ठीक किया जाएगा।

## गुरुग्राम में स्टॉप डायरिया अभियान शुरू

● बच्चों को मिलेगा ऊपर- जिंक, पांच साल से कम के बच्चों की मौत रोकना लक्ष्य

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। स्वास्थ्य विभाग ने केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और नेशनल हेल्थ मिशन के निदेर्शों के तहत स्टॉप डायरिया अभियान 2026 शुरू किया है। यह अभियान 16 जून से 31 जुलाई तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य पांच साल से कम उम्र के बच्चों में डायरिया से होने वाली मौतों को शून्य करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करना है। अभियान की तैयारियों के तहत सेक्टर-31 स्थित पॉलीक्लिनिक में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्यकर्मियों और आम लोगों को स्वच्छता, साफ पानी के सुरक्षित भंडारण, डायरिया से बचाव और ओआरएस-जिंक थेरेपी के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक सहभागिता पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर गुरुग्राम के सीएमओ डॉ. लोकवीर ने बताया कि डायरिया आज भी पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने जोर दिया कि ओआरएस (ORS) और जिंक का समय पर उपयोग, साथ ही साफ-सफाई व बेहतर स्वच्छता की आदतों को अपनाकर डायरिया से होने वाली लगभग सभी मौतों को रोका जा सकता है। अभियान के तहत जिलेभर में कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें पांच साल से कम उम्र के बच्चों वाले घरों में ओआरएस पैकेट और जिंक टैबलेट का वितरण शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और आंगनवाड़ी केंद्रों में ओआरएस-जिंक कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे। आशा कार्यकर्ता, एएनएम और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर लोगों को ओआरएस घोल तैयार करने और उसके सही उपयोग का प्रदर्शन भी करेंगे। इस अवसर पर गुरुग्राम के सीएमओ डॉ. लोकवीर ने बताया कि डायरिया आज भी पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने जोर दिया कि ओआरएस (ORS) और जिंक का समय पर उपयोग, साथ ही साफ-सफाई व बेहतर स्वच्छता की आदतों को अपनाकर डायरिया से होने वाली लगभग सभी मौतों को रोका जा सकता है। अभियान के तहत जिलेभर में कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें पांच साल से कम उम्र के बच्चों वाले घरों में ओआरएस पैकेट और जिंक टैबलेट का वितरण शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और आंगनवाड़ी केंद्रों में ओआरएस-जिंक कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे।

## गुरुगाम में वेस्ट पिकर्स को PPE किट बांटी

● मानेसर निगम आयुक्त बोले- स्वच्छता में उनकी भूमिका अहम, इसलिए सुरक्षा जरूरी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के मानेसर नगर निगम क्षेत्र में नमस्ते (नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम) योजना के तहत वेस्ट पिकर्स को पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट) किट वितरित की गईं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित इस योजना के तहत निगम आयुक्त प्रदीप सिंह और संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार ने वेस्ट पिकर्स को सुरक्षा किट प्रदान की। इस अवसर पर निगम आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में वेस्ट पिकर्स का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बताया कि घरों से निकलने वाले कचरे को एकत्रित कर निर्धारित स्थानों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। आयुक्त ने वेस्ट पिकर्स से अपील की कि वे सफाई कार्य के दौरान अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। उन्होंने किट में दिए गए ग्लव्स, मास्क, टोपी, जूते और जैकेट का नियमित उपयोग करने पर जोर दिया। जीवी प्वाइंट्स से कूड़े का प्रतिदिन नियमित उठान हो प्रदीप सिंह ने सफाई शाखा के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों की डंपिंग साइट से दूरी अधिक है, वहां के वेस्ट पिकर्स को निगम के जीवी (गार्बेज वैन) प्वाइंट्स पर कचरा डालने की सुविधा दी जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी जीवी प्वाइंट्स से कूड़े का प्रतिदिन नियमित उठान हो। सभी वेस्ट पिकर्स को पीपीई किट उपलब्ध के निर्देश आयुक्त ने यह भी कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वेस्ट पिकर्स को पीपीई किट उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने वेस्ट पिकर्स से घरों से कचरा एकत्रित करते समय लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कचरे के पृथक्करण को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर निगम मानेसर की स्वच्छता शाखा ने मंगलवार को निगम क्षेत्र में एक विशेष सफाई अभियान भी चलाया। इस अभियान के तहत विभिन्न गांवों और जीएमडीए रोड सहित कई स्थानों पर सफाई कर कचरा उठाया गया और सड़कों पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाया जा सके।

## गुरुग्राम में 13 अवैध बांग्लादेशी नागरिक काबू

● एजेंट ने पार कराया कालियागंज बॉर्डर; मजदूरों का वेश बनाकर झुग्गियों में रहते थे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे 13 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। ये सभी अलग-अलग एरिया में निमार्णाधीन साइटों पर झुग्गियों में रह रहे थे। पुलिस गृह मंत्रालय की मदद से इन्हें डिपोर्ट करेगी। जांच में पता चला कि ये लोग कालियागंज बॉर्डर से बांग्लादेशी एजेंट की मदद से अवैध रूप से भारत में घुसे थे और कई राज्यों को क्रॉस करते हुए गुरुग्राम पहुंचे। यहां पर मजदूर का वेश बना रह रहे थे। इस समय गुरुग्राम पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अवैध रूप से रह रहे बंगलादेश के नागरिकों की पहचान एवं सत्यापन के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिन व्यक्तियों के दस्तावेज संदिग्ध पाए जाएंगे अथवा जो भारत में वैध रूप से निवास करने के प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत डीसीपी क्राइम हितेश यादव के नेतृत्व में क्राइम सेक्टर-39 की टीम द्वारा गुप्त सूचना पर निमार्णाधीन साइट्स और झुग्गियों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी मूल के नागरिकों को चेक करने के लिए एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस चेकिंग अभियान के दौरान अलग अलग कंट्रक्शन साइट्स और झुग्गियों में चेकिंग की गई और संदिग्धों को चेक किया गया। इस सत्यापन के दौरान अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई और इनके पास बांग्लादेश की नागरिकता के दस्तावेज भी मिले हैं। इस संबंध में पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों जैसे झुग्गी-झोपड़ियों, कॉलोनियों, किराए के मकानों, औद्योगिक क्षेत्रों और होटलों में रह रहे व्यक्तियों के दस्तावेजों एवं पहचान का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर सघन जांच की जा रही है। आम नागरिकों से अपील है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध अथवा अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही अपने किराएदारों, घरेलू सहायकों, कर्मचारियों एवं होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन अवश्य करवाएं।

## फरीदाबाद में इंटेलिजेंस ब्यूरो का सब-इंस्पेक्टर अरेस्ट उद्योगपतियों को देता था धमकी

● विदेश से गैंगस्टरों के नाम पर कॉल करवाने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । पुलिस ने उद्योगपतियों को विदेश में बैठे गैंगस्टरों के नाम पर धमकी दिलवाने के मामले में कार्रवाई करते हुए इंटेलिजेंस ब्यूरो में तैनात सब-इंस्पेक्टर सिकंदर को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिकंदर फरीदाबाद के मोटूका नगला गांव छायंसा का रहने वाला बताया जा रहा है और वह आईबी में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत था। पुलिस जांच में सामने आया है कि फरीदाबाद के कई उद्योगपतियों को विदेश में बैठे गैंगस्टरों के नाम पर धमकी भरे कॉल और संदेश भेजे जा रहे थे। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सिकंदर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एक आरोपी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका इस मामले में फरीदाबाद पुलिस पहले भी कार्रवाई कर चुकी है। इससे पहले सेक्टर-9 निवासी दीपक गोयल को उद्योगपतियों को धमकी दिलवाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि दीपक गोयल को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक फरीदाबाद के करीब 8 से 10 उद्योगपतियों को धमकी दी जा चुकी है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी देने के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा इसका संचालन किस तरह किया जा रहा था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह का कहना है कि मामले की जांच जारी है इस पूरे मामले के और कितने लोग शामिल है उसकी भी जांच की जा रही है।

## HTET का शेड्यूल जारीहरियाणा में 4 जुलाई को होगी लेवल

● 3 की परीक्षा, 5 को लेवल-1 व 2 की, ढाई घंटे का एग्जाम

प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2025 (एचटेट) का आयोजन 4 व 5 जुलाई (शनिवार-रविवार) को करवाया जा रहा है। इसके लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष शंकर लाल धूपड़ एवं सचिव मुनीश शर्मा ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 4 जुलाई को लेवल-3 की परीक्षा सायं 3 बजे से साढ़े 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं 5 जुलाई को लेवल-2 की परीक्षा सुबह 10 बजे से साढ़े 12 बजे तक व लेवल-1 की परीक्षा सायं 3 बजे से साढ़े 5 बजे तक आयोजित करवाई जाएगी। परीक्षा से संबंधित सूचना बुलेटिन (Information Bulletin) बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2025 (एचटेट) से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करें।

## गुरुग्राम में सुसाइड से पहले भाई को किया कॉल

बोला-पत्नी ने थप्पड़ मारे, सालों को बुलाकर पिटवाया; एमपी का रहने वाला था

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में हुकुम अहीरवाल सुसाइड मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मृतक के परिजनों का कहना है कि पत्नी उसके साथ नहीं रहना चाहती थी। सुसाइड से पहले हुकुम ने घर पर फोन करके कहा था कि पत्नी ने उसे थप्पड़ मारे और अपने भाइयों को बुलाकर पिटवाया है। 3 साल पहले शुरू हुई एक वैवाहिक जिंदगी का अंत इस तरह दर्दनाक होगा, यह परिवार वालों ने नहीं सोचा था। मृतक के परिजनों की कहानी ने इस पूरे मामले में पत्नी और उसके मायके वालों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, मृतक हुकुम अहीरवाल की शादी करीब 3 साल पहले मध्य प्रदेश के दमोह की रहने वाली रज्जी से हुई थी। शादी के शुरूआती दिनों से ही दोनों के बीच अनबन रहने लगी थी। बताया जा रहा है कि पत्नी रज्जी, हुकुम के साथ रहने को राजी नहीं थी। शादी के बाद वह मुश्किल से 6-7 महीने ही अपने ससुराल में रुकी थी। इसके बाद वह अपने मायके चली गई और वापस लौटने से इनकार कर दिया। इस बीच दोनों का एक बच्चा भी हुआ, जो अब दो साल का है। बच्चे का जन्म भी रज्जी के मायके में ही हुआ था। इसके बाद से दोनों परिवारों के बीच दूरियां और बढ़ गईं। रज्जी किसी भी सूरत में ससुराल नहीं जाना चाहती थी। हुकुम लगातार अपनी पत्नी और बच्चे को वापस लाने का प्रयास कर रहा था। करीब एक महीने पहले दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने के लिए एक सामाजिक पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत के दबाव और समझाने-बुझाने के बाद रज्जी वापस आने के लिए तैयार तो हुई, लेकिन उसने एक बड़ी शर्त रख दी। रज्जी ने साफ कह दिया कि वह हुकुम के पैतृक घर या ससुराल में नहीं रहेगी, बल्कि उसे गुरुग्राम में रहना होगा। पत्नी की जिद के आगे झुकते हुए हुकुम उसे लेकर गुरुग्राम के सरहोल इलाके में आकर रहने लगा। दरअसल, सरहोल में ही रज्जी का भाई और उसका पूरा परिवार भी रहता था। हुकुम को लगा था कि शायद यहां रहने से उसकी बिखरती हुई गृहस्थी दोबारा पटरी पर लौट आएगी, लेकिन उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह फैसला उसकी जिंदगी का आखिरी फैसला साबित होगा।

## फरीदाबाद में स्टेडियम के पास मिला युवक का शव

फरीदाबाद। धौज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सुभाष नगर खेड़ी गुजरान गांव के पास स्थित स्टेडियम के बाहर एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की उम्र करीब 28 से 30 वर्ष बताई जा रही है। युवक के शरीर पर कई चोटों के निशान मिले हैं और उसके सिर के पास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही धौज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सुबह स्थानीय लोगों ने एक युवक को जमीन पर पड़ा देखा। युवक के सिर के पास खून फैला हुआ था और वह किसी भी तरह की हरकत नहीं कर रहा था। इसके बाद लोगों ने तुरंत डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही ईआरवी टीम और धौज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम को भी बुलाया।

## फरीदाबाद में स्टेडियम के पास मिला युवक का शव शरीर पर चोट के निशान

फरीदाबाद । जिले के धौज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सुभाष नगर खेड़ी गुजरान गांव के पास स्थित स्टेडियम के बाहर एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की उम्र करीब 28 से 30 वर्ष बताई जा रही है। युवक के शरीर पर कई चोटों के निशान मिले हैं और उसके सिर के पास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही धौज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने एक युवक को जमीन पर पड़ा देखा। युवक के सिर के पास खून फैला हुआ था और वह किसी भी तरह की हरकत नहीं कर रहा था। इसके बाद लोगों ने तुरंत डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही ईआरवी टीम और धौज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम को भी बुलाया गया। धौज थाना प्रभारी दर्पण कुमार ने बताया कि मृतक युवक के सिर और बाएं हाथ पर चोट के निशान मिले हैं। घटनास्थल पर खून फैला होने के कारण मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। एफएसएल टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं, जिनकी जांच की जाएगी। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए तीन नंबर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

## फरीदाबाद- नोएडा आना-जाना होगा और आसान

● कृष्णपाल गुर्जर बोले- मंझावली पुल का काम जल्द पूरा होगा, कनेक्टिविटी और मजबूत होगी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में देश की कनेक्टिविटी में काफी सुधार हुआ है और इसका लाभ फरीदाबाद को भी मिला है। आज फरीदाबाद सड़क, परिवहन और अन्य सुविधाओं के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले जिन स्थानों तक पहुंचने में घंटों लग जाते थे, अब वही सफर कुछ ही मिनटों में पूरा हो रहा है। कृष्णपाल गुर्जर बल्लभगढ़ के सेक्टर-65 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट का पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहले लोग त्रिवेणी के पेड़ लगाया करते थे, लेकिन अब पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं, जिससे लोगों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर हवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद आज देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले शहरों में शामिल हो चुका है। शहर में सड़क नेटवर्क, फ्लाईओवर, मेट्रो और अन्य विकास कार्यों के कारण लोगों की आवाजाही पहले की तुलना में काफी आसान हो गई है। आने वाले समय में भी कई नई परियोजनाओं पर काम किया जाएगा, जिससे फरीदाबाद की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मंझावली पुल के निर्माण को लेकर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरियाणा की तरफ पुल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश की तरफ कुछ काम अभी बाकी है। उन्होंने बताया कि यूपी की ओर किसानों की जमीन आने के कारण निर्माण प्रक्रिया में समय लग रहा है।

## गुरुग्राम की सफ्टवेयर इंजीनियर की मसूरी में न्यूड डेडबॉडी मिली

● 8 माह पहले शादी, पति संग घूमने गई थी कमरे में खून के धब्बे, शराब की बोतलें मिलीं

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । की आईटी कंपनी में काम करने वाली साफ्टवेयर इंजीनियर पी. राधा गायत्री (27) की उत्तराखंड की पर्यटन नगरी मसूरी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। वह अपने इंजीनियर पति सौम्या श्रीचरण के साथ तीन दिन पहले ऋषिकेश घूमने के बाद मसूरी पहुंची थीं। दोनों यहां एक होमस्टे में ठहरे हुए थे। पति की सूचना पर मसूरी पुलिस जब होमस्टे के कमरे में पहुंची तो राधा गायत्री फर्श पर न्यूड हालत में मृत पड़ी थी। कमरे की बेडशीट पर खून के धब्बे फैले हुए थे। पुलिस को कमरे से शराब की बोतलें भी मिली हैं। इसके बाद पुलिस ने तुरंत शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पति को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।पुलिस के मुताबिक, आज मसूरी पुलिस की ओर से मृतका के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। उसके परिजन भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए है। परिवार के मुताबिक, राधा मूल रूप से विशाखापट्टनम की रहने वाली थीं और वर्तमान में डी-2, टावर-13, किदवई नगर ईस्ट, दिल्ली में रह रही थीं। दोनों की आठ माह पहले ही शादी हुई थी। पति पुणे की आईटी कंपनी में कार्यरत थे। 1. नवविवाहित दंपती घूमने आए थे मसूरी : मसूरी पुलिस के अनुसार दंपती 13 जून को दिल्ली से उत्तराखंड घूमने निकले थे। ऋषिकेश में समय बिताने के बाद 14 जून की रात करीब 11:30 बजे मसूरी-धनोल्टी मार्ग स्थित टिपरीधार क्षेत्र के एक होमस्टे में ठहरे थे। 15 जून की अल सुबह राधा गायत्री अपने रूम में मृत पड़ी मिली। पति जब उठा तो उसने उसने होमस्टे प्रबंधन और पुलिस को सूचना दी। 2. सुबह पत्नी मृत अवस्था में मिली : पति सौम्या श्रीचरण ने बताया कि रात करीब 3:30 बजे दोनों सो गए थे। सोमवार सुबह जब वह जागा तो पत्नी फर्श पर बेसुध पड़ी मिली। उसकी नाक से खून निकल रहा था और यूरिन भी निकला हुआ था। बेडशीट पर भी खून फैला हुआ था। यह देखकर वह घबरा गया और होटल प्रबंधन को बुला लगाया। 3. पुलिस ने साक्ष्य और नमूने कलेक्ट किए : मसूरी पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में मौजूद फार्मासिस्ट ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई गई। साथ ही आवश्यक साक्ष्य और नमूने कब्जे में लिए गए। 4. कमरे से मिली शराब की बोतलें: पुलिस जांच में महिला कमरे के फर्श पर नग्न अवस्था में मिली। बेड की चादर पर रक्त फैला हुआ था और कमरे से दो खाली शराब की बोतलें बरामद हुईं। कमरे में अन्य खाद्य सामग्री भी रखी हुई थी। पति ने भी दोनों के रात में शराब पीने की बात बताई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। होमस्टे के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे: पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पति ने बताया कि उनकी शादी नवंबर 2025 में हुई थी। वह पुणे में और गायत्री गुरुग्राम में जॉब करती थी। शादी के बाद वे पहली बार घूमने के लिए आए थे। दोनों ने रात को साथ में शराब ली थी। पुलिस मृतका के पति से पूछताछ कर रही है और होमस्टे के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मौत की वजह के लिए पोस्टमॉर्टम करवा रही : पुलिस का कहना है पोस्ट मॉर्टम के बिना अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही चल सकेगा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए चिकित्सकों के पैनल से वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमॉर्टम कराने का अनुरोध किया गया है।


## Jotindra Infrastructure Limited

(Formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED)
CIN: L27104HR1970PLC005240
Registered Office: SARVOME HOUSING, 14/3, MATHURA ROAD, SECTOR 45, OPPOSITE RAIL VIHAR, FARIDABAD HARYANA HR 121003 IN
Ph. No:- 0129-24477806, E-mail Id: jotindrasteelandtubes@gmail.com, Web-site: http://jotindra.com

**Extract of Audited Consolidated Financial Results for the Quarter and year ended March 31, 2026**

₹ in Lakhs

| S. No. | PARTICULARS | Quarter Ended | | | Year Ended |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 31.03.2026 | 31.12.2025 | 31.03.2025 | 31.03.2026 |
| | | Audited | Un-audited | Audited | Audited |
| 1 | Total income from operations | 5792.52 | 1495.58 | 3027.96 | 11255.69 |
| 2 | Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items) | 3571.50 | 60.06 | 1141.70 | 3891.61 |
| 3 | Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items) | 525.67 | 60.05 | 235.53 | 848.81 |
| 4 | Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items) | 32.17 | (65.48) | 170.22 | 173.13 |
| 5 | Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/ (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)] | 39.35 | (65.48) | 171.72 | 180.31 |
| 6 | Equity Share Capital | 1009.03 | 1009.03 | 807.46 | 1009.03 |
| 7 | Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) - | | | | |
| | (a) Basic | 0.40 | (0.67) | 2.91 | 1.84 |
| | (b) Diluted | 0.40 | (0.67) | 2.91 | 1.84 |

**Notes:**

1. The above Audited financial results for the quarter and Year ended on March 31, 2026 have been reviewed by the Audit Committee and have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 15.06.2026.
2. The above is an extract of the detailed format of Consolidated Audited Financial Results for the quarter and Year ended on March 31, 2026, filed with the Mertopolitan Stock Exchange of India under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Audited Financial Results for the quarter and Year ended as on March 31, 2026 is available on the Stock Exchange website viz. **www.msei.in** and on Company's website viz. **http://jotindra.com/** and these can also be accessed through QR code given.
3. The Standalone Financial Results of the Company.

₹ in Lakhs

| S. No. | PARTICULARS | Quarter Ended | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 31.03.2026 | 31.12.2025 | 31.03.2025 |
| | | Audited | Un-audited | Audited |
| 1 | Total Income | 6268.69 | 1033.42 | 3058.8 |
| 2 | Profit before Tax | 503.56 | 38.68 | 230.25 |
| 3 | Profit after Tax | 16.01 | -81.07 | 165.45 |
| 4 | Total Comprehensive Income | 23.19 | -81.07 | 166.94 |

Place: Faridabad
Date: 16.06.2026

By the Order of Board
JOTINDRA INFRASTRUCTURE LIMITED
formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED
Sd/-
(AKHIL KUMAR SUREKA)
Managing Director
DIN : 00060206

सम्पादकीय

# राम के नाम पर हजारों करोड रुपए के चंदे का घोटाला?

सोहिल जैन

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। कई दशकों तक चले आंदोलन, न्यायिक संघर्ष और जनसमर्थन के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। मंदिर आंदोलन और निर्माण से जुड़े आर्थिक प्रबंधन को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। लाल कृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के दौरान भी करोड़ों रुपए का चंदा एकत्रित हुआ था। राम मंदिर का आंदोलन विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में हो रहा था। समय-समय पर कई कार्यक्रमों के जरिए चंदा एकत्रित किया गया, लेकिन कभी भी इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। समय-समय पर चंदा चोरी और गवन के आरोप भी लगते रहे हैं। इन सवालों का संबंध मुख्य रूप से चंदा संग्रह, भूमि खरीद और मंदिर को मिलने वाले दान के उपयोग में कोई पारदर्शिता कभी नहीं रही है। जब आंदोलन चल रहा था उस समय जो राशि एकत्रित हो रही थी। उसे आंदोलन चलाने में खर्च किया गया। राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1980 के दशक से देशभर में व्यापक स्तर पर चंदा संग्रह के कई अभियान चलाए गए थे। लाखों लोगों ने पिछले 40 वर्षों में अपनी श्रद्धा के अनुसार राम मंदिर आंदोलन और राम मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। चंदे को लेकर समय-समय पर विश्व हिंदू परिषद कार्य सेवकों एवं आंदोलन से जुड़े हुए लोगों में विवाद होता रहा है। एक दूसरे के ऊपर आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। लेकिन कभी भी चंदे के धंधे में कोई पारदर्शिता नहीं बरती गई। उस दौर में जुटाई गई राशि और उसके उपयोग का सार्वजनिक लेखा-जोखा कभी सामने नहीं आया। आंदोलन से जुड़े संगठनों का कहना था, धन का उपयोग आंदोलन और संबंधित गतिविधियों में किया गया है। मंदिर निर्माण के लिए गठित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भी देश व्यापी निधि समर्पण अभियान चलाया। केंद्र एवं राज्यों में भाजपा की सरकार थी। भाजपा संगठन से जुड़े हुए सभी संगठनों के नेताओं कार्यकताओं एवं करोड़ों लोगों ने मुक्त हस्त से भरपूर चंदा दिया। ट्रस्ट ने विभिन्न अवसरों पर प्राप्त धनराशि और बैंक खातों की जानकारी सार्वजनिक की है। लेकिन इसका लेखा पुस्तिकाओं में इंद्राज हुआ है या नहीं या कभी इसका ऑडिट कराया गया हो वह सार्वजनिक नहीं किया गया। उत्तर भारत के मंदिरों में राम मंदिर में बड़े पैमाने पर दान और चंदा आ रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। पारदर्शिता की मांग करने वाले लोगों का कहना है, नियमित और विस्तृत ऑडिट रिपोर्टें तथा व्यय का पूरा विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। आरोप लगाने वाले यह भी कहने लगे हैं, भगवान राम के नाम पर लूट करने वालों के ऊपर लगाम लगाने की जरूरत है। सबसे बड़ा विवाद वर्ष 2021 में भूमि खरीद को लेकर सामने आया था। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और कुछ अन्य नेताओं ने दस्तावेज के साथ आरोप लगाया था। मंदिर ट्रस्ट से संबंधित भूमि सौदों में कम समय के भीतर जमीन की कीमत कई गुना बढ़ाकर दिखाई गई। आरोपों के समर्थन में कुछ दस्तावेज भी सार्वजनिक किए गए थे। सैकड़ो करोड रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए। ट्रस्ट ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था, सभी खरीद-फरोख्त कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा इन आरोपों की कभी कोई सक्षम एजेंसी से जांच नहीं कराई गई, जिसके कारण अब मामला तेजी के साथ तूल पकड़ रहा है। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या के विभिन्न मंदिरों और राम मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में लगातार वृद्धि हुई है। बड़ी मात्रा में नकद दान, सोना-चांदी और मूल्यवान वस्तुएं मंदिर को प्राप्त हो रही हैं। ऐसे में दान के प्रबंधन, सुरक्षा और लेखांकन को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं। संस्था के पदाधिकारियों के ऊपर आरोप भी लग रहे हैं। कुछ स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है, इतने बड़े धार्मिक संस्थान में वित्तीय पारदर्शिता के सर्वोच्च मानकों का पालन होना चाहिए। दक्षिण के मंदिरों की व्यवस्था पारदर्शी है, वही अयोध्या के राम मंदिर में सब कुछ राम भरोसे है। राम मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन में पूर्व वरिष्ठ नौकरशाहों, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी, तथा भाजपा से जुड़े प्रतिष्ठित प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका ट्रस्ट के कामकाज में है। जिसके कारण कभी भी ना तो कोई जांच हो पाती है ना ही कोई पारदर्शी व्यवस्था बन पा रही है।

# बिखरती ख़्वाहिशें और हमारा कर्तव्य

डॉ योगेन्द्र

अभिजीत दीपके प्लांटेड हैं या फिर युवाओं के आक्रोश को शब्द देने आये हैं, मालूम नहीं, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने या जुलूस निकालने का पूरा हक है। अभिजीत दीपके पर थप्पड़ चलाने वाला खुद को राष्ट्रवादी बता रहा था। उसकी प्रोफाइल जब खँगाला गया तो वह आरएसएस से जुड़ा हुआ है। आरएसएस के राष्ट्रवाद मुसलमान और पाकिस्तान से शुरू होता है और उस पर खत्म हो जाता है। उनके अंदर खाने में जातिवाद की खिचड़ी पकती रहती है। यही वजह है कि उन्होंने कभी जातिवाद के खिलाफ संघर्ष नहीं किया। हिन्दू एकता की बात की, लेकिन यह एकता मुस्लिमों के खिलाफ रहेगी। अंदर ब्राह्मणों की सर्वोच्चता बनी रहेगी और दलितों की स्थिति दोयम दर्जे की रहेगी। उसमें इंसान को केंद्र में रख कर कभी संघर्ष नहीं किया। कहने को वह स्वदेशी है, लेकिन अपने संगठन को मुसोलिनी के संगठन के तर्ज.पर बनाया। बाकायदा हिंदू महासभा के नेता और आरएसएस के मार्ग दर्शक डॉ बी एस मुंजे ने 1931 में मुसोलिनी से मुलाकात की थी। यहां तक कि गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ह्य वी आर आवर नेशनहुड ह्य में जर्मनी और इटली के फासीवादी विचारों का समर्थन किया है। गांधी जी की हत्या गोडसे ने की। उसका संबंध आरएसएस से था, लेकिन इस संगठन ने कभी स्वीकार नहीं किया। आज एक फजी राष्ट्रवादी अभिजीत दीपके पर थप्पड़ मारता है, उसका संबंध भी आरएसएस से है, लेकिन आरएसएस कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह इसलिए संभव है कि लिखित रूप से आरएसएस का कोई सदस्य नहीं है। मोहन भागवत भी शायद ही आरएसएस के लिखित रूप से सदस्य होंगे। उसका कोई सदस्यता फार्म नहीं है। लाठी पैना लेकर हजारों की संख्या में वे जमा होते हैं, मार्च करते हैं, लेकिन वे लिखित रूप से आरएसएस के नहीं हैं, इसलिए कोई जब आपराधिक घटना करता है, उससे पीछा छुड़ाना आसान है। यह धूर्तई कोई ईमानदार संगठन नहीं कर सकता। इसकी बुनियाद में ही बेईमानी और असत्य है, तब भला वह ईमानदार कार्यकर्ता कैसे पैदा करेगा? जिसका मकसद झूठ हो, वह राष्ट्रवादी कैसे हो सकता है? प्रधानमंत्री पीएम केयर फंड को यों ही छुपाए हुए नहीं हैं। उनका मातृ संगठन अरबों का खेल करता है, लेकिन कोई खाता- बही नहीं है। वह बीजेपी की सरकार चलाता है। सरकारी पैसे से बनी जेड सुरक्षा श्रेणी का उपभोग करता है, लेकिन आरएसएस सरकार को कोई हिसाब किताब नहीं देगा, क्योंकि वह व्यक्तियों का समूह है। शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक सभी को है- बीजेपी, कांग्रेस, सपा, अन्य कोई संगठन या व्यक्ति- सभी को। अभिजीत दीपके के पीछे लोग षड्यंत्र थ्योरी देखनेवाले लोगों की संख्या कम नहीं है, लेकिन उसे शांतिपूर्ण आंदोलन करने से कोई नहीं रोक सकता। दुर्भाग्य यही है जिस देश में अहिंसा के पुजारी को गोली मार कर लोग गौरवान्वित होते हैं, उस देश को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। मौजूदा परिस्थिति में सड़क पर उतरने के सिवा रास्ता क्या है? कोर्ट आप जा नहीं सकते। उससे कोई उम्मीद बची नहीं। विधायिका की लूट सरेआम हो रही है। वोट लूट से सांसद लूट तक। चुनाव आयोग बिका हुआ है। सरकार की इच्छानुसार वोटर काटे और बनाए जा रहे हैं। सेना तक का दुरुपयोग हो रहा है। कार्यपालिका तो हर वक्त सत्ता के साथ रहती ही है।आर्थिक आजादी की गारंटी संविधान ने दी नहीं थी। इसलिए पूँजीपतियों को देश लूटने की पूरी छूट है। एक राजनीतिक आजादी मिली थी, उस पर भी सरकार कब्जा कर रही है। अमेरिका के सामने कल जोड़े प्रधानमंत्री के बारे में अखबार लिखता है- थर थर काँप रहा है अमेरिका। ऐसे अखबार और मीडिया जिस देश में मौजूद रहे, उस देश की दुर्गति कोई नहीं रोक सकता। अगर इस दुर्गति को रोकना है तो सड़क पर उतरो या जो उतरे हुए हैं, उसका समर्थन करो।

# शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

**विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।**

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके। तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-ह्लज्ञान, मूल्य और चरित्रह्व है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है।

# वर्क फ्रॉम होम - क्या घर से काम करने की संस्कृति युवाओं को बना रही है चिड़चिड़ा और अकेला?

**महामारी समाप्त होने के बाद भी अनेक कंपनियों ने इस व्यवस्था को जारी रखा क्योंकि इससे कार्यालय खर्च कम हुए और कर्मचारियों को भी आने-जाने की परेशानी से राहत मिली। लेकिन अब धीरे-धीरे इसके दूसरे पहलू भी सामने आने लगे हैं। हाल ही में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंस में प्रकाशित एक शोध ने दावा किया है कि वर्क फ्रॉम होम कर्मचारियों, विशेषकर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इस अध्ययन के अनुसार घर से काम करने वाले लोगों में अकेलापन, तनाव, चिंता और चिड़चिड़ापन तेजी से बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसी तरह की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। यह अध्ययन अमेरिका के 5.80 लाख से अधिक कर्मचारियों पर किया गया। शोध का नेतृत्व येल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की शोधकर्ता एम्मा जांग और रूरके ओ ब्रायन ने किया। शोधकताओं ने वर्ष 2011 से 2024 के बीच कर्मचारियों पर हुई पांच बड़ी स्टडीज का विश्लेषण किया।**

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

कोरोना महामारी ने दुनिया की कार्य संस्कृति को पूरी तरह बदल दिया। जिस वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) को कभी एक विशेष सुविधा माना जाता था, वह महामारी के दौरान लाखों लोगों की मजबूरी बन गया। महामारी समाप्त होने के बाद भी अनेक कंपनियों ने इस व्यवस्था को जारी रखा क्योंकि इससे कार्यालय खर्च कम हुए और कर्मचारियों को भी आने-जाने की परेशानी से राहत मिली। लेकिन अब धीरे-धीरे इसके दूसरे पहलू भी सामने आने लगे हैं। हाल ही में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंस में प्रकाशित एक शोध ने दावा किया है कि वर्क फ्रॉम होम कर्मचारियों, विशेषकर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इस अध्ययन के अनुसार घर से काम करने वाले लोगों में अकेलापन, तनाव, चिंता और चिड़चिड़ापन तेजी से बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसी तरह की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। यह अध्ययन अमेरिका के 5.80 लाख से अधिक कर्मचारियों पर किया गया। शोध का नेतृत्व येल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की शोधकर्ता एम्मा जांग और रूरके ओ ब्रायन ने किया। शोधकताओं ने वर्ष 2011 से 2024 के बीच कर्मचारियों पर हुई पांच बड़ी स्टडीज का विश्लेषण किया। अध्ययन में उन कर्मचारियों की तुलना की गई जो पूरी तरह या आंशिक रूप से घर से काम करते हैं और उन कर्मचारियों की जो प्रतिदिन कार्यालय जाकर काम करते हैं। निष्कर्षों ने स्पष्ट रूप से दिखाया कि रिमोट वर्क करने वाले लोगों में मानसिक तनाव और सामाजिक अलगाव की समस्या अधिक पाई गई। शोध के अनुसार महामारी के बाद अमेरिका में मानसिक परेशानी के मामलों में जो वृद्धि हुई, उसका लगभग एक-तिहाई हिस्सा वर्क फ्रॉम होम संस्कृति से जुड़ा हो सकता है।मनुष्य मूल रूप से एक सामाजिक प्राणी है। वह दूसरों के साथ बातचीत, मेलजोल और सामाजिक संबंधों के माध्यम से मानसिक संतुलन बनाए रखता है। लेकिन जब कर्मचारी दिनभर घर के भीतर लैपटॉप और मोबाइल स्क्रीन तक सीमित रह जाते हैं, तो उनका सामाजिक संपर्क कम होने लगता है। शोध में पाया गया कि घर से काम करने वाले लोग हर कार्य दिवस में औसतन 1.1 घंटे अधिक अकेले बिताते हैं। इतना ही नहीं, उनके पूरे दिन घर से बाहर न निकलने की संभावना भी चार गुना अधिक होती है। कई कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे लगातार कई दिनों तक किसी मित्र, सहकर्मी या पड़ोसी से प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलते। परिणामस्वरूप वे अपनी भावनाएं साझा नहीं कर पाते और धीरे-धीरे मानसिक दबाव बढ़ने लगता है। वर्क फ्रॉम होम का प्रभाव सभी आयु वर्गों पर समान नहीं है। युवा कर्मचारियों पर इसका असर अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है। इसके पीछे कई कारण हैं। युवा अपने करियर की शुरूआत में नेटवर्किंग, टीमवर्क और सामाजिक अनुभवों के माध्यम से सीखते हैं। कार्यालय का वातावरण उन्हें नए लोगों से मिलने, विचार साझा करने और पेशेवर कौशल विकसित करने का अवसर देता है। लेकिन जब पूरा काम ऑनलाइन हो जाता है, तो यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। नए कर्मचारी अपने सहकर्मियों से भावनात्मक संबंध नहीं बना पाते। वे खुद को टीम का हिस्सा महसूस नहीं करते। इससे उनमें असुरक्षा और अकेलेपन की भावना बढ़ती है। यही कारण है कि अनेक युवा कर्मचारियों में चिड़चिड़ापन, तनाव और प्रेरणा की कमी देखने को मिल रही है। वर्क फ्रॉम होम का एक बड़ा नुकसान अत्यधिक स्क्रीन टाइम भी है। कार्यालय में काम करने के दौरान कर्मचारी सहकर्मियों से आमने-सामने बात करते हैं, बैठकों में भाग लेते हैं और बीच-बीच में कुछ समय के लिए अपनी सीट से उठते भी हैं। इसके विपरीत घर से काम करने वाले कर्मचारियों का अधिकांश समय लैपटॉप, मोबाइल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर बीतता है। लगातार स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों पर दबाव पड़ता है, नींद प्रभावित होती है और मानसिक थकान बढ़ती है। आज जूम फटीगह्व या वीडियो मीटिंग थकानह्व एक नई समस्या बनकर उभरी है। लगातार ऑनलाइन मीटिंग्स में शामिल होने से मस्तिष्क पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे व्यक्ति जल्दी थक जाता है और उसका मूड खराब रहने लगता है। वर्क फ्रॉम होम का एक और बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि काम और निजी जीवन के बीच की सीमाएं मिटने लगती हैं। कार्यालय से घर लौटने के बाद व्यक्ति मानसिक रूप से काम से अलग हो जाता है। लेकिन जब घर ही कार्यालय बन जाए तो यह विभाजन समाप्त हो जाता है। कई कर्मचारी देर रात तक ईमेल देखते रहते हैं या कार्य संबंधी संदेशों का जवाब देते रहते हैं। परिणामस्वरूप उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। लंबे समय तक ऐसा होने पर तनाव बढ़ता है और व्यक्ति मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करने लगता है। यह समस्या केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है। भारत में भी आईटी, सॉफ्टवेयर और बीपीओ क्षेत्रों में रिमोट वर्क व्यापक रूप से अपनाया गया है। डेलॉयट इंडिया, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस) तथा अन्य संस्थानों द्वारा किए गए अध्ययनों में भी इसी तरह के निष्कर्ष सामने आए हैं। भारत में किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, 35 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे अक्सर अकेलापन महसूस करते हैं। 47 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें वास्तविक दुनिया से कटाव महसूस होता है।

# मिट्टी और खेती को बचाना आज की प्राथमिकता

सुशील देव

भारत की पहचान एक कृषि प्रधान देश के रूप में रही है। आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है और कृषि देश की खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत आधार बनी हुई है लेकिन जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट, रासायनिक उर्वरकों का असंतुलित उपयोग और मिट्टी की घटती उर्वरता ने खेती के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया राष्ट्रव्यापी ह्यखेत बचाओ अभियानह्व भारतीय कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान का मूल संदेश है—ह्लमिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा।ह्व यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारतीय कृषि के भविष्य का सार है। खेती की सफलता मिट्टी की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। यदि मिट्टी की सेहत लगातार बिगड़ती रही, तो उत्पादन घटेगा, लागत बढ़ेगी और खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित होगी। इस दिशा में इंडियन पोटाश लिमिटेड मिट्टी के स्वास्थ्य और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हरित क्रांति के बाद भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं, लेकिन इसके साथ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग भी तेजी से बढ़ा है। आरंभ में इससे उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, परंतु लंबे समय में इसके दुष्प्रभाव सामने आने लगे। देश के कई हिस्सों में मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ गया है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का असंतुलित उपयोग मिट्टी की प्राकृतिक क्षमता को प्रभावित कर रहा है। मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या घट रही है और जैविक कार्बन घट रहा है जिससे भूमि की जलधारण क्षमता घट रही है। फलस्वरूप किसानों को पहले से अधिक उर्वरक और खर्च करना पड़ रहा है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते मृदा उर्वरता सुधार हेतु प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में कृषि संकट और गहरा सकता है। यही कारण है कि ह्यखेत बचाओ अभियानह्व मिट्टी संरक्षण को कृषि विकास की आधारशिला मानता है। अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू सॉयल हेल्थ कार्ड को बढ़ावा देना है। अक्सर किसान अनुमान के आधार पर खाद का उपयोग करते हैं, जबकि हर खेत की मिट्टी तथा फसल की जरूरत अलग–अलग होती है। मिट्टी परीक्षण से यह पता चलता है कि खेत में किन पोषक तत्वों की कमी है और कितनी मात्रा में किन–किन पोषक तत्वों की आवश्यकता है। सॉयल हेल्थ कार्ड किसानों को यही वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करता है। इससे उर्वरकों का संतुलित उपयोग संभव होता है, खेती की लागत घटती है और मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। प्राकृतिक खेती और जैविक विकल्पों को बढ़ावा देना भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। गोबर की खाद, कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट और हरित खाद जैसे उपाय मिट्टी की जैविक गुणवत्ता सुधारने में मदद करते हैं। इनसे मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है और भूमि की उत्पादकता लंबे समय तक बरकरार रहती है। किसानों को इन तकनीकों का प्रशिक्षण देकर रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया जा रहा है।आज भारतीय कृषि के सामने जल संकट भी बड़ी चुनौती बन चुका है। कई राज्यों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और मानसून का स्वरूप भी अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे में खेती को जल संरक्षण से जोड़ना समय की मांग है। अभियान के तहत किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, वर्षा जल संचयन तथा कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इससे खेती अधिक टिकाऊ और संसाधन-कुशल बन सकेगी।डॉ पी.एस. गहलौत के मुताबिक आईपीएल द्वारा किसानों को बीज उपचार, संतुलित पोषण प्रबंधन, आधुनिक बुवाई तकनीक, फसल विविधीकरण और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त फसल एवं बीज चयन के बारे में भी बताया जा रहा है।किसानों की एक बड़ी समस्या नकली उर्वरकों और कीटनाशकों की बिक्री भी है। कई बार किसान महंगे दाम पर ऐसे उत्पाद खरीद लेते हैं, जिनसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते और इससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इससे बचने हेतु किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की पहचान और उनके सही उपयोग की जानकारी दी जा रही, और नकली उत्पादों के खिलाफ जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है। इंडियन पोटाश लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. पी. एस. गहलौत के मुताबिक संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जैविक खाद और सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग से मिट्टी की सेहत में सुधार लाया जा सकता है।

## संक्षिप्त खबरें

### गेहूं लदा ट्रक पलटने से चालक की मौत

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र में जामू नहर पुल के पास मंगलवार को गेहूं से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक की वाहन के नीचे दबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत कार्य चलाकर शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि गौशाला निवासी हैदर अली ट्रक चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। मंगलवार सुबह वह गेहूं क्रय केंद्र से गेहूं लेकर सजारी स्थित आईएफसी गोदाम की ओर जा रहे थे। रास्ते में जामू नहर पुल के निकट अचानक ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क पर पलट गया। ट्रक पलटते ही चालक उसके नीचे फंस गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिधनू पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से चालक को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन ट्रक के नीचे दबे होने के कारण काफी दिक्कत हुई। लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका हादसे के बाद सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया। पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त ट्रक को सड़क से हटवाया, जिसके बाद मार्ग पर यातायात सामान्य कराया गया। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

### बाइक फिसलने से मजदूर की मौत, दो साथी घायल

औरैया। उत्तर प्रदेश के जिले में सोमवार रात एक सड़क हादसे में मजदूर की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब तीनों बाइक से काम खत्म कर अपने घर लौट रहे थे। अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई, जिससे तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल दो अन्य लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। फफूंद थाना क्षेत्र के सिंगलामऊ गांव निवासी 50 वर्षीय शिवकुमार मजदूरी और पुताई का काम करते थे। सोमवार रात वह अपने साथियों अमर सिंह और नगला पाठक निवासी रामू के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। दिनभर काम करने के बाद तीनों गांव वापस जा रहे थे, तभी रास्ते में बाइक अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई और हादसा हो गया। फफूंद थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि हादसे में शिवकुमार की मौत हो गई है, जबकि घायल दोनों व्यक्तियों का इलाज सैफई मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

### बीमारी से परेशान ड्राइवर ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के बिधूना कस्बे के अंबेडकर नगर में सोमवार रात एक 62 वर्षीय वृद्ध ड्राइवर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक वह लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और इसी मानसिक तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। मृतक की पहचान राजू ड्राइवर (62 वर्ष) पुत्र जमील खान निवासी अंबेडकर नगर, बिधूना के रूप में हुई है। राजू रोजाना घर के बाहर सोते थे, लेकिन सोमवार रात बारिश की आशंका होने पर वह पास स्थित एक पुराने मकान में सोने चले गए। देर रात उन्होंने अपने गमछे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही बिधूना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि राजू पिछले करीब दस वर्षों से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। लगातार इलाज के बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था, जिससे वह काफी परेशान रहते थे। मृतक अपने पीछे पत्नी अख्तरी बेगम, पुत्र शादाब तथा पुत्रियां मुस्कान और शबनम को छोड़ गए हैं। कोतवाल विनेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की। परिजनों द्वारा बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या किए जाने की बात बताते हुए पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया गया।

# बलरामपुर: 33.72 करोड़ रुपये की 140 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रात: किरण संवाददाता

बलरामपुर। बलरामपुर नगर में सर्वांगीण विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा नगर क्षेत्र में लगभग 33 करोड़ 72 लाख 56 हजार रुपये की लागत से तैयार एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं का मंगलवार को लोकार्पण व शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक पल्टूराम, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र तथा नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह ह्यधीरूह्न ने संयुक्त रूप से बटन दबाकर कुल 140 विकास कार्यों को नगरवासियों को समर्पित किया। अध्यक्ष प्रतिनिधि डी.पी.सिंह बैंस ने बताया कि नगर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15वें वित्त आयोग योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम), उपवन योजना तथा जल निकासी योजना के अंतर्गत अनेक परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं, जबकि कई नई योजनाओं का शुभारंभ भी किया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान 4 करोड़ 38 लाख 43 हजार रुपये की लागत से पूर्ण हुई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जबकि 29 करोड़ 34 लाख 13 हजार रुपये की लागत से प्रस्तावित नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इस प्रकार कुल 33 करोड़ 72 लाख 56 हजार रुपये की विकास योजनाएं जनता को समर्पित की गईं। लोकार्पित एवं शिलान्यासित प्रमुख परियोजनाओं में विश्रामालय निर्माण, हवनकुंड एवं खाली प्रांगण में सीसी निर्माण कार्य, विभिन्न घाटों का सुंदरीकरण, सार्वजनिक स्थलों पर बेंच एवं पेयजल कियोस्क की स्थापना तथा शिव मंदिर रानी तालाब परिसर में उपवन निर्माण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों का स्वरूप और अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

# अजय राय ने पांचवीं बार की पंचकोशी परिक्रमा, बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर लोककल्याण की कामना की

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी की सनातन परंपरा, सांस्कृतिक अस्मिता और प्रदेशवासियों के सुख-शांति व समृद्धि की मंगलकामना के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को पांचवीं बार पंचकोशी यात्रा की। विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद उन्होंने पंचकोशी परिक्रमा का संकल्प लिया और काशी के प्रमुख तीर्थस्थलों पर दर्शन-पूजन कर लोककल्याण की प्रार्थना की। अजय राय सुबह लहुराबीर स्थित अपने आवास से निकले और सबसे पहले लाट भैरव क्षेत्र स्थित बडेज गणेश मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में मत्था टेककर प्रदेश की खुशहाली और सामाजिक समृद्धि की कामना की। तत्पश्चात वे मणिकर्णिका कुंड और मां गंगा के तट पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा का पूजन किया और पंचकोशी यात्रा का संकल्प लिया। इसके बाद अजय राय ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया। उन्होंने डंडी स्वामियों, आचार्यों, संत-महात्माओं और ब्राह्मणों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद मणिकर्णिका घाट से पंचकोशी यात्रा विधिवत प्रारंभ हुई। काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के उपरांत यात्रा अस्सी घाट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं, संतों, सामाजिक कार्यकताओं और समर्थकों के साथ परिक्रमा के प्रथम चरण की शुरूआत हुई। यात्रा के दौरान अजय राय ने पंचकोशी परिक्रमा के परंपरागत पांच प्रमुख पड़ावों पर पूजा-अर्चना की। पहले पड़ाव कंदवा स्थित कर्दमेश्वर महादेव मंदिर में उन्होंने भगवान शिव का दर्शन-पूजन किया। दूसरे पड़ाव भीमचंडी मंदिर में मां भीमचंडी का आशीर्वाद लिया। तीसरे पड़ाव वरुणा नदी के तट पर स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक और पूजा की। चौथे पड़ाव शिवपुर स्थित पांचों पांडव स्थल और द्रौपदी कुंड में दर्शन-पूजन कर धर्म, संस्कृति और लोककल्याण की कामना की। अंतिम पड़ाव कपिलधारा स्थित कपिलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ यात्रा पूर्ण हुई। इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि पंचकोशी यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि काशी की आत्मा, सांस्कृतिक चेतना और सनातन जीवन मूल्यों का जीवंत उत्सव है। यह यात्रा लोगों को अपनी जड़ों, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि काशी स्वयं भगवान शिव का स्वरूप है और पंचकोशी परिक्रमा शिवत्व, सेवा, साधना और समर्पण का प्रतीक है। मां गंगा और बाबा विश्वनाथ की कृपा से प्रदेश में खुशहाली, सामाजिक सौहार्द और लोकमंगल की भावना मजबूत हो, यही उनकी कामना है।

# कुशीनगर : सड़क हादसे में बेटे समेत दंपति की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में रामकोला थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में दंपति और बेटे की मौत हो गई। वहीं बेटी गंभीर रूप से घायल है और इलाज के गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गोरखपुर जिले के पिपराइच वार्ड नंबर-9 निवासी रामलखन मद्धेशिया (38) अपनी पत्नी शशिकला (35), बेटे रौनक (9) और बेटी लाडो (11) के साथ मंगलवार सुबह बिहार स्थित मदनपुर देवी स्थान में दर्शन-पूजन के लिए बाइक से निकले थे। सुबह करीब 6:30 बजे जब उनका परिवार कुशीनगर जनपद के रामकोला थाना क्षेत्र अंतर्गत कप्तानगंज-नेबुआ नौरंगिया मार्ग पर खोटही स्थित निर्भया सलालवीर फिलिंग स्टेशन के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे एक टैंकर से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रामलखन मद्धेशिया और उनके पुत्र रौनक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल पत्नी शशिकला और बेटी लाडो को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने शशिकला को भी मृत घोषित कर दिया। वहीं, बेटी लाडो की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। इधर, घटना की जानकारी पर परिवार के अन्य लोग भी पहुंच गए। उन्होंने बताया कि रामलखन मद्धेशिया अपने भाई गणेश मद्धेशिया के साथ पिपराइच में मिठाई की दुकान चलाते थे। दोनों भाई अलग-अलग परिवारों के साथ रहते थे। रामलखन के पिता का पहले ही निधन हो चुका है, जबकि उनकी वृद्ध मां जीवित हैं। बेटे, बहू और पोते की एक साथ मौत की खबर मिलते ही मां और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और वृद्ध मां का रो-रोकर बेहाल है। परिजनों ने बताया कि रामलखन धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे और अक्सर मंगलवार के दिन परिवार के साथ देवी मंदिरों में दर्शन करने जाया करते थे। इस बार भी पूरा परिवार श्रद्धा के साथ देवी दर्शन के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने रामलखन, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई। रामकोला थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

# सफर के दौरान जगह न मिलने पर यात्री ने ट्रेन में बम होने अफवाह फैलाई, आरोपित पकड़ा गया

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐशबाग स्टेशन पर मंगलवार को राप्ती सागर ट्रेन को उस वक्त रोका गया, जब उसमें बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची जीआरपी- आरपीएफ और स्थानीय पुलिस ने ट्रेन में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान जीआरपी ने उस यात्री को ट्रेन से उतारा, जिसने ट्रेन में बम होने की अफवाह फैलाई थी। बाजारखाला थाना प्रभारी संतोष कुमार आर्य ने बताया कि मंगलवार को राप्ती सागर ट्रेन में बम होने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर स्थानीय पुलिस, जीआरपी एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर ट्रेन की सघन चेकिंग की। जांच के दौरान ट्रेन के सभी कोचों की गहन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु अथवा विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई और बम होने की सूचना पूर्णतः असत्य पाई गई। इस दौरान बम की सूचना देने वाले यात्री तेलंगाना राज्य के विमलवाड़ा निवासी सैनी जैकी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में यात्री सैनी ने बताया कि सफर के दौरान उसे ट्रेन में बैठने के लिए स्थान नहीं मिल रहा था, इसी कारण उसने ट्रेन में बम होने की झूठी सूचना फैला दी, जिससे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। फिलहाल जीआरपी पुलिस यात्री के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर रही है। जांच के उपरांत ट्रेन को सुरक्षित पाए जाने पर उसे अपने अगले गंतव्य के लिए सकुशल रवाना कर दिया गया।

# औरैया : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर निकली जन जागरूकता रैली

औरैया। उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रीय आयुष मिशन की ओर से संचालित योग वैलनेस सेंटर राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय की गतिविधियों के अंतर्गत 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को नगर पंचायत दिबियापुर में योग जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत एवं नगर पंचायत अध्यक्ष राघव मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान लोगों को योग के प्रति जागरूक करते हुए नियमित योग अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. परवीन, आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार वर्मा सहित जनपद के अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। योग एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षकों और सहायकों के सहयोग से रैली का सफल आयोजन किया गया। रैली में आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक विभाग के कर्मचारियों के साथ नगर के योग साधकों तथा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

# आयुष्मान से आरोग्य मंदिर तक, 12 साल में बदली देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर: अनुप्रिया पटेल

- देशभर में 1.8 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित
- 70 करोड़ से ज्यादा टेलीमेडिसिन परामर्श और 120 करोड़ ओपीडी सेवाएं
- मातृ मृत्यु दर में ऐतिहासिक कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच हुई व्यापक

प्रात: किरण संवाददाता

मीरजापुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है और आज स्वास्थ्य सेवाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली न केवल लोगों के जीवन स्तर को सुधारती है, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति और उत्पादकता को भी मजबूत बनाती है। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 के तहत सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को लक्ष्य बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण बनाया गया है। इसी दिशा में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना की गई, जहां प्राथमिक उपचार, रोगों की जांच, परामर्श और स्वास्थ्य जागरूकता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मई 2026 तक देश में 1.8 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब तक 70 करोड़ से अधिक टेली-परामर्श दिए जा चुके हैं, जबकि 120 करोड़ से ज्यादा ओपीडी सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। गैर संचारी रोगों, कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की समय रहते पहचान के लिए व्यापक स्क्रीनिंग अभियान भी चलाए जा रहे हैं। राज्य मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत करोड़ों परिवारों को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। वहीं, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 91 करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए निवेश का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है, संस्थागत प्रसव बढ़े हैं और टीकाकरण का दायरा भी व्यापक हुआ है।

# महोबा आईजीआरएस रैंकिंग में फिसला

जिलाधिकारी ने 30 कर्मचारियों–कर्मचारियों का वेतन रोका

प्रात: किरण संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के जनपद महोबा में जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतते हुए अधिकारियों ने ज्यादातर शिकायतों का निस्तारण शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बिना ही निस्तारण करा दिया। जिससे आईजीआरएस पोर्टल पर असंतुष्ट फीडबैक बढ़ कर 50 फीसदी हो गया। महोबा जिले की रैंक 15 पायदान खिसक कर 67वें नंबर पर पहुंच गई है। ऐसे में जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने सख्त कार्रवाई करते हुए 30 से अधिक जनपद स्तरीय अधिकारियों की वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। जिससे अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। मंगलवार को अपर जिला अधिकारी कुंवर पंकज ने जानकारी देते हुए बताया कि आईजीआरइस रैंकिंग में गिरावट दर्ज की गई है।जिले की रैंकिंग 67 वें स्थान पर पहुंच गई है। समीक्षा बैठक में रैंकिंग खिसकने का मुख्य कारण असंतुष्ट फीडबैक सामने आया। जनपद का असंतुष्ट फीडबैक का 40 फीसदी से 60 फीसदी हो गया है। ज्यादातर अधिकारियों ने शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बिना ही शिकायतों का निस्तारण कर दिया। 50 फीसदी से अधिक असंतुष्ट फीडबैक वाले 30 से अधिक अधिकारियों का वेतन रोकने के जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने आदेश जारी कर दिए हैं। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण और शहरी, एल.डी.एम, उपनिदेशक कृषि, अपर मुख्य अधिकारी, खान निरीक्षक, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, उपायुक्त उद्योग, आबकारी अधिकारी, श्रम अधिकारी, एआरएम रोडवेज, जिला विद्यालय निरीक्षक ,जि.समाज कल्याण अधिकारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत (नगरीय/ग्रामीण) व परियोजना अधिकारी डूडा, अधिशाषी अभियंता जल निगम, सीएमएस जिला अस्पताल इव एवं जिला महिला अस्पताल, अधिशाषी अभियंता सिंचाई, अधिशाषी अभियंता लो.नि.वि.(निर्माण खंड/प्रांतीय खण्ड), पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीवीओ ,सहायक अभियंता लघु सिंचाई सहित तहसीलदार, सब रजिस्ट्रार, बीडीओ, एसडीओ स्तर के लगभग अधिकारियों समेत 30 से ज्यादा जनपद स्तरीय अधिकारियों के वेतन रोके जाने के निर्देश दिये हैं। एडीएम ने बताया कि इसके साथ ही अधिकारियों को शिकायत का स्थलीय निरीक्षण करने , और निस्तारण आख्या में मौके के गवाहों के हस्ताक्षर और फोटोग्राफ संलग्न करने के जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए हैं।

# अधिकमास के समापन में गोवर्धन परिक्रमा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रात: किरण संवाददाता

मथुरा,। पावन अधिकमास के समापन अवसर पर बीती रात सोमवार/मंगलवार दरमियानी रात्रि कान्हा की नगरी मथुरा की गोवर्धन सप्तकोसीय परिक्रमा में श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब देखने को मिला। भारी भीड़ को देखते हुए परिक्रमा मार्ग में सुरक्षा एवं व्यवस्था का जायजा एवं निरीक्षण करने के लिए जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने स्वयं कमान संभाली। अधिकारियों ने पूरे परिक्रमा मार्ग का पैदल निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान परिक्रमार्थियों से सुविधाओं के बारे में जानकारी भी की। परिक्रमा मार्ग का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी और एसएसपी विश्व प्रसिद्ध राधाकुंड पहुंचे। यहां उन्होंने प्रकाश व्यवस्था, बैरियर, बैरिकेडिंग और गोताखोरों की तैनाती का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने भीड़ के दबाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न होने के निर्देश ड्यूटी में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक कर्मियों को दिए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य शिविरों की सक्रियता, सुचारू यातायात प्रबंधन, सुरक्षा बलों की मुस्तैदी, नियमित साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, प्रकाश व्यवस्था और पर्याप्त शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# सम्पूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए 15 जुलाई तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

वाराणसी। सम्पूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थी 15 जुलाई तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों को छात्रावास सुविधा के लिए भी विकल्प उपलब्ध कराया गया है। प्रवेश प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि शास्त्री प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसके लिए विभिन्न संकायाध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि प्रवेश प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से संपन्न कराई जा सके। प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद अभ्यर्थियों को पंजीकरण शुल्क के रूप में 200 रुपये जमा करने होंगे। आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे निर्धारित अवधि के भीतर संशोधित करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि शास्त्री प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को अपना आवेदन ऑनलाइन जमा करने के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां भी संलग्न करनी होंगी। आवेदन की जांच और सत्यापन के बाद विश्वविद्यालय द्वारा आगे की प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील करते हुए कहा है कि प्रवेश संबंधी सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जहां से अभ्यर्थी आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर सकते हैं।

# डिवाइडर से टकराई बाइक, लेदर कारोबारी की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवां इलाके में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में एक लेदर कारोबारी की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब दंपति रिश्तेदारी से वापस घर लौट रहे थे। तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े।मृतक की पहचान रूमा निवासी मनोज कुमार (45) के रूप में हुई है। वह लेदर कारोबार से जुड़े थे। परिवार में पत्नी प्रेमा, बेटा शिवा व दो बेटियां श्रुति और शुभी हैं। बताया गया कि मनोज आज पत्नी के साथ नौबस्ता स्थित एक रिश्तेदार के यहां गए थे और दोपहर में बाइक से वापस लौट रहे थे।स्थानीय लोगों के अनुसार रामादेवी फ्लाईओवर पार करने के बाद अहिरवां क्षेत्र में पहुंचते समय बाइक का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते बाइक डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद चकेरी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को कांशीराम अस्पताल भेजा।अस्पताल में डॉक्टरों ने मनोज कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी प्रेमा की हालत नाजुक होने पर उन्हें हैलेट अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मनोज ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन हादसा इतना भीषण था कि सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों और पड़ोसियों का रो-रोकर बुरा हाल है। चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# वाराणसी शहर दक्षिणी विधानसभा के 18 कॉलेजों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी:डॉ. नीलकंठ तिवारी

–28 करोड़ की लागत से कॉलेजों को आधुनिक उपकरणों एवं संसाधनों से लैस किया जाएगा

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा क्षेत्र के इंटर कॉलेजों को आधुनिक उपकरणों एवं संसाधनों से लैस किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देशानुसार इंटर कॉलेजों को सीएसआर फंड से धनराशि आवंटित कर कमियों को दूर कर बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। विधानसभा क्षेत्र के जिन इंटर कॉलेजों में सोलर लाइट नहीं है, उन सभी इंटर कॉलेजों में अपने विधायक निधि से 10 किलोवॉट का सोलर लाइट लगवाए जाने का उन्होंने घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहली बार एडेड विद्यालयों को आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के लिए सीएसआर से धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी सर्किट हाउस सभागार में इंटर कॉलेजों के प्रबंधकों, प्राचार्यों सहित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के 18 कॉलेजों में 2792.61 लाख की धनराशि से आवश्यकतानुसार मरम्मत, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराए जाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित किए जाने के लिए विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जायेगी। विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था के लिए सोलर पैनल, बच्चों के आधुनिक शिक्षा के लिए कम्प्यूटर, स्मार्ट क्लास, विधालयों का आवश्यकतानुसार मरम्मत, शौचालय निर्माण एवं मरम्मत, ओपन जिम, ड्रेनेज, रंग रोगन आदि कार्यों के लिए सीएसआर एवं विधायक निधि से धनराशि आवंटित किया गया। विधायक तिवारी ने कार्यदायी संस्थाओ के अभियंताओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर इस साल के अंत तक विद्यालयों के मरम्मत एवं नवनिर्माण कार्य को प्रत्येक दशा में पूरा कराए जाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी कॉलेजों का रंग-रोग एक जैसा किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे इनकी पहचान भी सुनिश्चित होगी। आदर्श इंटर कॉलेज के प्रबंधक एवं प्राचार्य की मांग पर कॉलेज में नए कक्षों का निर्माण कार्य भी कराए जाने का भरोसा दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

# सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय योग महोत्सव का 19 जून को होगा शुभारंभ

प्रात: कि

## संक्षिप्त खबरें

### मोहर्रम को लेकर जरवा थाना में पीस कमेटी बैठक

जरवा/बलरामपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली जरवा परिसर में पीस कमेटी बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गणमान्य लोग, ताजियादार, ग्राम प्रधान, डीजे संचालक, मौलवी सहित अन्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभी को मोहर्रम पर्व के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं सुरक्षा व्यवस्था से अवगत कराया गया। लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की गई। साथ ही जुलूसों को निर्धारित मार्गों से निकालने, किसी भी भड़काऊ या आपत्तिजनक गतिविधि से दूर रहने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें सभी लोगों ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आश्वासन दिया।

### ललितपुर को मिले नए खनिज अधिकारी

ललितपुर। जनपद में नए खनिज अधिकारी के रूप में गोपाल कृष्ण दत्ता ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने विभाग की प्राथमिकताओं और कार्ययोजना को लेकर अपने विचार साझा किए। नवनियुक्त खनिज अधिकारी गोपाल कृष्ण दत्ता ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता जनपद में खनिजों के वैध खनन को बढ़ावा देना तथा अवैध खनन और खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना होगा। उन्होंने कहा कि शासन की नीतियों के अनुरूप पारदर्शी और जवाबदेह कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी तथा राजस्व वृद्धि के साथ पर्यावरणीय मानकों का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि खनन गतिविधियों की नियमित निगरानी की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और जनसहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

### स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के संकल्प लिया

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष योगाभ्यास सत्र एवं वॉकाथॉन फॉर योग कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास एवं वॉकाथॉन में सक्रिय सहभागिता की। योगाभ्यास का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन योग विशेषज्ञ वैभव स्वर्णकार ने कराया। जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम की विधियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के संकल्प लिया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने संदेश में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है बल्कि मन को भी शांति एवं जीवन में संतुलन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रेरणादायक है और उन्हें नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद शाहरिक एवं सहायक आचार्य डॉ. हसन मेहंदी के नेतृत्व में किया गया।

# कम ऋण-जमा अनुपात वाले बैंकों पर सीडीओ सख्त, ऋण वितरण बढ़ाने के दिए निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेर्शों के अनुपालन में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) एवं जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंकिंग योजनाओं और ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कई बैंकों के संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर नाराजगी जताई। बैठक के दौरान अनुपस्थित बैंक प्रतिनिधियों पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) को उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने उन बैंकों के ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) पर भी चिंता जताई, जिनका प्रदर्शन राष्ट्रीय लक्ष्य 60 प्रतिशत के मुकाबले 40 प्रतिशत से कम पाया गया। सीडीओ ने विशेष रूप से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे कृषि, एमएसएमई, स्वरोजगार, महिला एवं युवा उद्यमियों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अधिकांश बैंकों की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी है, जो चिंता का विषय है। समीक्षा में बताया गया कि वार्षिक ऋण योजना 2025-26 के अंतर्गत मार्च 2026 तक प्राथमिकता क्षेत्र में 10,010.59 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 7,946.82 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया, जो लक्ष्य का 79.38 प्रतिशत है। व्यवसायिक बैंकों ने 7,429.55 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 5,377.91 करोड़ रुपये (72.39 प्रतिशत), ग्रामीण बैंकों ने 1,479.04 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 1,209.33 करोड़ रुपये (81.76 प्रतिशत) तथा सहकारी बैंकों ने 1,101.98 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 1,311.99 करोड़ रुपये (119.06 प्रतिशत) की उपलब्धि हासिल की। मुख्य विकास अधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देश दिए कि कम सीडी रेशियो वाले बैंकों की नियमित समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक शाखा की कार्ययोजना के आधार पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बैंक संभावित लाभार्थियों की पहचान कर ऋण स्वीकृति और वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाएं, ताकि जिले में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण एवं शहरी आजीविका मिशन, जिला उद्योग केंद्र की योजनाएं, पीएम विश्वकर्मा योजना, अटल पेंशन योजना, ओडीओपी, मुख्यमंत्री फसल बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने निर्देश दिए कि स्वरोजगार से जुड़े लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक अखिल कुमार सिंह, नाबार्ड के डीडीएम, खादी ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारी, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## प्लस सर्वे-2024 के आधार पर पीडब्ल्यूएल सूची तैयार करने को प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। विकास भवन सभागार में मंगलवार को प्लस सर्वे-2024 के आधार पर पीडब्ल्यूएल (PWL) सूची तैयार किए जाने के संबंध में एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने की। कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पीडब्ल्यूएल सूची तैयार करने की प्रक्रिया, सर्वेक्षण आंकड़ों के सत्यापन तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सूची निर्माण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने निर्देशित किया कि सूची तैयार करने का कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों का सही चयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि प्लस सर्वे-2024 के आंकड़ों का सावधानीपूर्वक परीक्षण और सत्यापन किया जाना आवश्यक है। किसी भी स्तर पर त्रुटि या लापरवाही से बचते हुए शासन की मंशा के अनुरूप कार्य किया जाए, जिससे योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके। कार्यशाला के दौरान परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी एवं उपायुक्त मनरेगा ने भी प्रतिभागियों को पीडब्ल्यूएल सूची निर्माण से जुड़े तकनीकी और प्रक्रियागत पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने सूची तैयार करने में अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली, आवश्यक मानकों तथा डेटा सत्यापन की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए सूची निर्माण की प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

## कानून व्यवस्था बनाए रखने में क्षेत्रवासी भी करें सहयोग : अंजनी कुमार

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

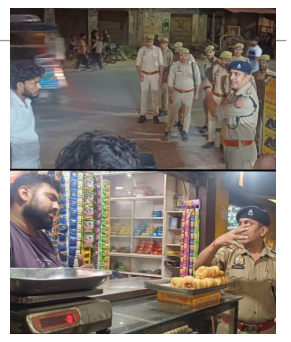

स्योहारा। आगामी त्योहारों और क्षेत्र की कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अंजनी कुमार एवं थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने पुलिस बल के साथ स्योहारा नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च एवं पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बाजारों, मुख्य चौराहों तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण किया और आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील करते हुए कहा कि इससे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में आसानी होगी और अपराधों की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने कहा कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में क्षेत्रवासियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके और क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द का माहौल कायम रखा जा सके। इस दौरान बुलेट समेत अन्य दोपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि तेज रफ्तार वाहन चलाना, मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग, बिना हेलमेट वाहन चलाना तथा सड़क पर स्टंटबाजी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस की इस सक्रियता से आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी।

## बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सीएचसी अधीक्षक डॉ. बीके स्नेही सम्मानित

- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित, 8 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मिला राष्ट्रीय स्तर का एनक्यूएएस प्रमाणन

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा/बिजनौर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही को स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान 15 जून 2026 को आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में प्रदान किया गया। डॉ. बी.के. स्नेही को ब्लॉक स्योहारा के आठ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को राष्ट्रीय स्तर के एनक्यूएएस (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स) प्रमाणन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर डॉ. बी.के. स्नेही ने इस सम्मान का श्रेय जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह के कुशल मार्गदर्शन, वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग तथा सीएचसी स्योहारा के समस्त स्टाफ और ब्लॉक स्तरीय टीम की सामूहिक मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम के समर्पण और अथक प्रयासों का परिणाम है। डॉ. स्नेही ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा सौंपे गए दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता सरकार की सभी महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं को समयबद्ध तरीके से जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से भी आमजन को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराते रहते हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्योहारा के प्रत्येक नागरिक को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। डॉ. स्नेही के सम्मानित होने पर सीएचसी स्योहारा के समस्त कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं।

## हरदोई के हार्दिक की उड़ान: चेन्नई के दीक्षांत मंच पर गूंजा जनपद का नाम

हरदोई। प्रतिभा जब परिश्रम का हाथ थाम लेती है तो सीमित संसाधन भी सफलता की ऊंची उड़ानों के लिए पंख बन जाते हैं। ऐसा ही एक गौरवपूर्ण क्षण हरदोई के हिस्से आया, जब जनपद के युवा हार्दिक गुप्ता ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया। चेन्नई में आयोजित एक भव्य दीक्षांत समारोह में उन्हें प्रतिष्ठित आईएफएमआर क्रेआ यूनिवर्सिटी द्वारा फाइनेंशियल मैनेजमेंट रिसर्च की फेलोशिप डिग्री प्रदान की गई। चेन्नई के ऐतिहासिक म्यूजिक एकेडमी सभागार में 13 जून को आयोजित दीक्षांत समारोह ज्ञान, शोध और उपलब्धियों का उत्सव बन गया। समारोह में देश की न्यायिक, आर्थिक और वैज्ञानिक दुनिया की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं पद्म भूषण से सम्मानित कौशिक बसु, एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ सत्यनारायण आर. चक्रवर्ती, विश्वविद्यालय के चांसलर लक्ष्मी नारायण तथा वाइस चांसलर डॉ. निर्मला राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया। इसी गरिमामय अवसर पर वाइस चांसलर डॉ. निर्मला राव ने हार्दिक गुप्ता को फेलोशिप डिग्री प्रदान की। यह सम्मान उनके वर्षों के समर्पण, शोधपरक अध्ययन और अकादमिक उत्कृष्टता का प्रमाण बना। मंच पर जैसे ही उनका नाम पुकारा गया, वह क्षण हरदोई के लिए भी गर्व का विषय बन गया। लखनऊ रोड निवासी वरिष्ठ पत्रकार पी.के. गुप्ता ह्यबबलूह्ल के पुत्र हार्दिक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा परिवार के सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि जीवन की हर उपलब्धि के पीछे परिवार का विश्वास, शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम की शक्ति होती है। यही प्रेरणा उन्हें आगे बढ़ाती रही और कठिन चुनौतियों के बीच भी लक्ष्य के प्रति उनका विश्वास अडिग बना रहा। हार्दिक की शैक्षणिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। प्रतिष्ठित कैट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद उन्हें वर्ष 1971 में स्थापित देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में शुमार आईएफएमआर में प्रवेश मिला। वहां उन्होंने अध्ययन और शोध के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की। हार्दिक की सफलता की खबर जैसे ही हरदोई पहुंची, परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों और जिले के शिक्षाविदों में हर्ष की लहर दौड़ गई।

## सीएम डैशबोर्ड पर बिजनौर को टॉप-10 में लाने के निर्देश, योजनाओं की प्रगति तेज करने पर जोर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा जनपद की रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को योजना के क्रियान्वयन में सुधार लाने, लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने तथा पात्र युवाओं को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद की उपलब्धि प्रतिशत और रैंकिंग में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन योजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनमें तत्काल सुधार लाकर कार्यों को गति दी जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को प्रतिदिन मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की निगरानी करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए तथा पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले सभी आंकड़ों की गहन जांच के बाद ही सही जानकारी फीड की जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर पर सीएम डैशबोर्ड की नियमित समीक्षा की जाती है, इसलिए आंकड़ों की शुद्धता और प्रगति दोनों महत्वपूर्ण हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से बिजनौर को सीएम डैशबोर्ड पर प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल कराने के लिए कार्य किया जाए। सीएमआईएस की समीक्षा के दौरान उन्होंने उन परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जिनकी निर्धारित पूर्णता अवधि समाप्त हो चुकी है लेकिन कार्य अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का यथार्थ आकलन कर शासन स्तर पर आवश्यक पत्राचार के माध्यम से समय-वृद्धि प्राप्त करने तथा उसके बाद प्राथमिकता के आधार पर कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की नियमित समीक्षा की जाए और प्रगति में आने वाली बाधाओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनहित से जुड़ी योजनाएं अनावश्यक रूप से लंबित न रहें और उनका लाभ समय पर आम जनता तक पहुंच सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी, धर्मवीर सिंह तथा आरईएस, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, जल निगम, स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## वैश्विक शांति संदेश के साथ कुशीनगर पहुंचा ग्लोबल पीस एंबेसडर आलोका

कुशीनगर। बौद्ध भिक्षुओं संग अंतरराष्ट्रीय ग्लोबल पीस एंबेसडर आलोका शनिवार की रात उसी वैश्विक शांति संदेश के साथ बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर पहुंचा, जिसके लिए वह जाना जाता है। रविवार को मानव कल्याण के लिए की गई विशेष बौद्ध पूजा में भी शामिल हुआ। बुद्ध के दाह संस्कार व प्रथम आसन स्थल भी पहुंचा। महापरिनिर्वाण मंदिर में पहली बार कोई जानवर प्रवेश किया। यहां विशेष पूजा के दौरान उसका शांत स्वभाव, भाव भंगिमा, संघ में शामिल होना ध्यान खींचता रहा। सुबह छह बजे शांति दूत बौद्ध भिक्षु पन्नाकार की अगुआई में धम्मम्-शरण गच्छामि की गूंज के बीच बौद्ध भिक्षुओं संग आलोका कदमताल करता महापरिनिर्वाण मंदिर पहुंचा। यहां विशेष पूजा व बुद्ध की पांचवीं सदी की शयन मुद्रा वाली प्रतिमा की परिक्रमा में शामिल हुआ। बुद्ध के प्रथम आसन व दाह संस्कार स्थल पर हुई विशेष पूजा में भी शामिल रहा। दरअसल, कोलकाता और ओडिशा की सड़कों पर भटकने वाला यह कुत्ता वर्ष 2022 में भारत नेपाल पद यात्रा कर रहे बौद्ध भिक्षुओं के दल के साथ हो लिया था, तब से उनके साथ है। भिक्षु पन्नाकारा ने बताया कि कोलकाता के पास घूमता मिला यह कुत्ता हमारे दल के साथ पहली बार 112 दिनों तक 3400 किमी पैदल चला। फिर हमने इसे अपना लिया, नाम रखा आलोका (जिसका अर्थ है दिव्य प्रकाश)। उसके एक आम देसी कुत्ता से ग्लोबल पीस एंबेसडर बनने के सफर की शुरूआत मार्च 2025 में हुई, जब बौद्ध भिक्षुओं ने बढ़ते वैश्विक तनाव और हिंसा के विरुद्ध अमेरिका में वाक फार पीस निकाला और इसको मुख्य चेहरा बनाया। बताया 3, 700 किलोमीटर की यह यात्रा अमेरिका के टेक्सास से शुरू होकर देश की राजधानी वाशिंगटन डीसी तक चली। आलोका ने हमारे साथ दस से अधिक अमेरिकी राज्यों को पैदल पार किया था।

**उत्तर रेलवे**

**ई–नीलामी सूचना**

सं.: 7PUB/e-Auction/NIT-2026 दिनांक: 15.06.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जी, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर एनएफआर के विविध अनुबंधों के आवंटन के लिए ई–निविदा आमंत्रित किया है।

| ई–कैटलॉग नं. | परिसंपत्ति का प्रकार | रेलवे स्टेशन | ई–नीलामी के लिए दिनांक और समय |
|---|---|---|---|
| Advt-Jun-03-26 | स्टेशन पर डिजिटल लॉकर | हज़रत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, नई दिल्ली | प्रारंभ होने का समय 29.06.2026 को 11:00 बजे |
| Advt-Jun-04-26 | स्टेशन पर डिजिटल लॉकर | दिल्ली | प्रारंभ होने का समय 01.07.2026 को 11:00 बजे |

वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है https://ireps.gov.in/ (E-Auction Leasing)

2053/26

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जी, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर स्योहारा में विशाल जनकल्याणकारी स्वास्थ्य मेले का आयोजन

स्योहारा/बिजनौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा जनकल्याण एवं सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को समर्पित तीन दिवसीय वृहद जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ मंगलवार को स्योहारा स्थित एमक्यू इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला प्रभारी गाजियाबाद महानगर, निदेशक मुरादाबाद मंडल उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड लखनऊ एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बिजनौर वरिष्ठ भाजपा नेता श्री महेंद्र सिंह धनोरिया तथा ब्लॉक प्रमुख स्योहारा श्री उज्ज्वल चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर महेंद्र सिंह धनोरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास, सुरक्षा और जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रही है। धनोरिया और ब्लॉक प्रमुख उज्ज्वल चौहान ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। मेले में ग्राम्य विकास, पंचायती राज, समाज कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, पशुपालन, आयुष्मान भारत तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित अनेक विभागों ने सहभागिता की। विभागीय अधिकारियों ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर लाभ वितरण भी किया। सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष जांच एवं परीक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं, बच्चों और किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन भी लगाई गई। मेले में आए मरीजों की एनसीडी स्क्रीनिंग कर ब्लड प्रेशर, शुगर और कैंसर की जांच की गई। इसके अलावा कुष्ठ रोग, टीबी स्क्रीनिंग, परिवार कल्याण एवं परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने बताया कि सीएचसी स्योहारा को जिले से प्राप्त पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से मेले में टीबी के संदिग्ध 34 मरीजों के एक्स-रे किए गए। इस आधुनिक सुविधा की अतिथियों ने सराहना करते हुए इसे ग्रामीण क्षेत्र के लिए उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार, सीडीपीओ हेमलता सैनी सहित ब्लॉक स्तरीय समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. बी.के. स्नेही, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. हासिम, डॉ. श्वेता, डॉ. तृप्ति पांडे, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, एसटीएस मोहम्मद फारूक, एनएमए शीशराम, फार्मासिस्ट जितेंद्र रावत, हरीश कुमार, एलटी स्नेहा, राहुल, एएनएम माधुरी, अनीता, दुशाला, गीता, सीएचओ मीनल, कौशल संगिनी तथा आयुष्मान मित्र शुभम समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

## पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह धनोरिया व ब्लॉक प्रमुख उज्ज्वल चौहान ने फीता काटकर किया उद्घाटन

स्योहारा/बिजनौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा जनकल्याण एवं सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को समर्पित तीन दिवसीय वृहद जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ मंगलवार को स्योहारा स्थित एमक्यू इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला प्रभारी गाजियाबाद महानगर, निदेशक मुरादाबाद मंडल उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड लखनऊ एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बिजनौर वरिष्ठ भाजपा नेता श्री महेंद्र सिंह धनोरिया तथा ब्लॉक प्रमुख स्योहारा उज्ज्वल चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर महेंद्र सिंह धनोरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास, सुरक्षा और जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रही है। धनोरिया और ब्लॉक प्रमुख उज्ज्वल चौहान ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश द

## संक्षिप्त खबरें

### शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ आत्मीय स्वागत

धमतरी। शासकीय विद्यालय मुजगहन में मंगलवार को शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजयुमो जिला महामंत्री एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष ओमेश यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य मोनिका गोस्वामी, वरिष्ठ शिक्षक नाग सर, समस्त शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में पालकों ने सहभागिता निभाई। उत्सव के दौरान विद्यार्थियों को निश्शुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया गया, ताकि वे सत्र के प्रारंभ से ही अध्ययन कार्य सुचारु रूप से शुरू कर सकें। साथ ही बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। अपने संबोधन में ओमेश यादव ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है और अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संकल्प को दोहराया गया। अतिथियों, शिक्षकों और पालकों के सहयोग से आयोजित शाला प्रवेश उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

### धमतरी : प्रबुद्ध जन सम्मान समारोह में वरिष्ठजनों का हुआ भिनंदन, विकसित भारत के संकल्प पर जोर

धमतरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पंचायत आमदी में मंगलवार को विशेष जनसंपर्क एवं प्रबुद्ध जन सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध नागरिकों का सम्मान कर उनके अनुभवों और मार्गदर्शन को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने कहा कि विशेष जनसंपर्क अभियान केवल सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं अनुभवी व्यक्तियों के आशीर्वाद और सुझाव प्राप्त करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर है, जिससे नई पीढ़ी को दिशा और प्रेरणा मिलती है। केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के लिए भूमि दान करने वाले शिवप्रसाद साहू, गायत्री परिवार से जुड़े भूनु साहू, रामायणी हेमनु कुंभकार, बिसु राम पटेल, मंसा राम साहू भगत, पुजारी पुरुसोत्तम साहू, सेवानिवृत्त शिक्षक कैलू पाड़े, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी नोगेंद्र चक्रधारी तथा धार्मिक जस झांकी के आयोजक सहित अनेक प्रबुद्धजनों का श्रीफल एवं गमछा भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में तेजराम साहू, ज्योति साहू, जितेंद्र कुमार पटेल, कोमल देवांगन, कोमल यादव, उमानंद कुंभकार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों ने समाज और क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

### पार्वती नदी में डूबने से चार की मौत, मां-बेटे और दो भाइयों की गई जान

बारां। जिले के छबड़ा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर पार्वती नदी में नहाने गए चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में एक मां-बेटा और दो सगे भाई शामिल हैं। सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए छबड़ा के गूगौर गांव आए हुए थे। छबड़ा थाना प्रभारी राजेश खटाना ने बताया कि मृतकों की पहचान गुड्डी बाई (45) पत्नी रशीद खां और उनके पुत्र सलाम (22) निवासी छीपाबड़ौद, तथा अरमान (17) पुत्र बंटी गौरी और उसके भाई युनुस खान (18) निवासी गुना, मध्यप्रदेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, नहाने के दौरान एक युवक का पैर नदी में पड़े मछली पकड़ने के जाल में फंस गया, जिससे वह डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य लोग भी गहरे पानी में चले गए और चारों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर स्थानीय गोताखोर निरंजन खारोल की मदद से सभी को नदी से बाहर निकालकर छबड़ा के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

# रायपुर : शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

● मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विभिन्न संत-महात्माओं ने की सौजन्य भेंट, आध्यात्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने के निर्णय पर जताया आभार

प्रात : किरण संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आज मंगलवार को दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास महाराज, निवार्णी अखाड़ा के महंत सुरेंद्र दास महाराज, शदाणी दरबार से उदय लाल तथा कबीर आश्रम सोनपैरी के देवकर साहब ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संत-महात्माओं ने छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े पारंपरिक श्लोकों और मंत्रों को पुनः शामिल किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। संतों ने कहा कि पूर्व में विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर जैसे मंत्रों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया जाता था, जिससे बच्चों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। समय के साथ ये परंपराएं शैक्षणिक वातावरण से धीरे-धीरे विलुप्त होती गईं, किंतु अब राज्य सरकार द्वारा इन्हें पुनः स्थापित करने की पहल अत्यंत स्वागतयोग्य है। संत समाज ने कहा कि विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र तथा अन्य प्रेरणादायी वैदिक एवं सांस्कृतिक प्रार्थनाओं का समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ सकेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के विकास का आधार भी है। हमारी सरकार बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र एवं अन्य प्रेरणादायी प्रार्थनाओं के समावेश से विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का विकास होगा। यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए एक संस्कारित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संत-महात्माओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को इस पहल के लिए साधुवाद देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया तथा कहा कि यह निर्णय प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक विरासत को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# रोडवेज बस और कार की भिड़ंत में चार सगे भाइयों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बालोतरा। जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार सगे भाइयों की मौत हो गई। पाटौदी गांव के पास रोडवेज बस और कार की आमने-सामने भिड़ंत इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और चारों भाइयों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, चारों भाई अपने गांव से करीब 22 किलोमीटर दूर कालेवा गांव में मकान निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पाटौदी गांव के पास सामने से आ रही रोडवेज बस से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे चारों भाइयों के शव बाहर निकाले। इसके बाद शवों को नजदीकी अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया गया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। मृतकों के चचेरे भाई गोपाल निवासी कोडूका ने बताया कि उदाराम (39), रेखाराम (35), जोगाराम (31) और विशनाराम (29) मकान निर्माण का काम करते थे। मंगलवार सुबह वे कार से कालेवा गांव जा रहे थे। पाटौदी गांव से करीब 6 किलोमीटर दूर जोधपुर की ओर जा रही रोडवेज बस से उनकी कार की टक्कर हो गई, जिसमें चारों की जान चली गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। एक साथ चार सगे भाइयों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

# राशन दुकानों में अब बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से ही मिलेगा राशन

धमतरी। शासन की राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए अब सरकार ने नई योजना बनाई है। इसके तहत राशन लेने वाले हितग्राही अब मोबाइल ओटीपी से राशन दुकानों से राशन नहीं ले पाएंगे। हितग्राही को स्वयं राशन दुकान जाकर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कराना होगा उसके बाद ही उसे राशन मिल पाएगा। जानकारी के अनुसार मोबाइल ओटीपी से कई कार्डधारियों को राशन दुकान तक जाने की जरूरत नहीं पड़ रहा था। दूसरे जगहों के कार्डधारियों के नाम पर चावल निकाला जा रहा था, लेकिन अब ओटीपी से राशन वितरण पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, इससे चावल वितरण की गड़बड़ी पर रोक लगेगी। चावल खरीदने राशन कार्डधारियों को दुकान जाना ही पड़ेगा, क्योंकि अब बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण होने के बाद ही चावल मिल पाएगा। जानकारी के अनुसार जिले के 492 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में से अब 488 आनलाइन दुकानों में राशन सामग्री का वितरण अनिवार्य रूप से ई-पास मशीन पर आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से किया जाएगा। शासन ने वन नेशन वन राशनकार्ड योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आधार प्रमाणीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए हैं। जिला खाद्य अधिकारी बीके कोर्राम ने बताया कि ई-पास वितरण डेटा के विश्लेषण में यह पाया गया कि कई दुकानों में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बजाय ओटीपी के माध्यम से राशन वितरण किया जा रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए सभी उचित मूल्य दुकान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ई-केवाईसी पूर्ण होने पर राशनकार्ड के मुखिया अथवा पंजीकृत सदस्य के बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही राशन वितरित किया जाए। जिन राशनकार्डों में नामिनी नियुक्त हैं, वहां भी नामिनी के आधार प्रमाणीकरण के बाद ही सामग्री का वितरण किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ओटीपी आधारित वितरण केवल विशेष परिस्थितियों में ही अनुमन्य होगा। इसमें ऐसे राशनकार्ड शामिल हैं, जिनके सभी सदस्य 60 वर्ष से अधिक या 10 वर्ष से कम आयु के हों, एकल निराश्रित राशनकार्ड धारक हों अथवा निश्शक्तजन राशनकार्ड धारक हों जिनमें कोई नामिनी नियुक्त न हो।

# मालगाड़ी की चपेट में आए हाथी की मौत, बचाने के प्रयास रहे नाकाम

प्रात : किरण संवाददाता

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत चारमार गांव के समीप मालगाड़ी की चपेट में आए एक जंगली हाथी की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसके एक पैर में गहरी चोट आई थी। वन विभाग और विशेषज्ञों की टीम द्वारा उसे बचाने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन आखिरकार उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उप वन मंडलाधिकारी आशुतोष मंडावा और वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रांत सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने हाथी के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम को बुलाया। उसे बचाने की पूरी कोशिश की गई ,लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। काफी कोशिशों के बावजूद मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कि यह घटना सोमवार रात करीब 10 बजे की है। जहां चारमार गांव के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय जंगली हाथी मालगाड़ी की चपेट में आ गया । टक्कर इतनी भीषण थी कि हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके एक पैर में गंभीर चोट आई थी और शरीर से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। वन विभाग ने तत्काल राहत और उपचार कार्य शुरू कराया तथा घायल हाथी की निगरानी के लिए विशेषज्ञों को तैनात किया गया। घायल हाथी के इलाज के लिए चार पशु चिकित्सकों और वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम मौके पर मौजूद रही। हाथी की हालत को देखते हुए लगातार उपचार और निगरानी की जा रही थी। वन विभाग के अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार घायल हाथी के साथ पांच अन्य हाथियों का दल भी आसपास मौजूद था। इसे देखते हुए पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। ग्रामीणों को हाथियों के झुंड से दूर रहने और घटनास्थल के आसपास नहीं जाने की सलाह दी गई थी। वन विभाग ने जताया दुख वन विभाग के अधिकारियों ने हाथी की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उसे बचाने के लिए पूरी कोशिश की गई थी, लेकिन चोटें बेहद गंभीर थी जहां उपचार के दौरान मौत हो गई । फिलहाल नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा घटना के कारणों की भी जांच की जाएगी।

# ट्रेलर ने बाइक सवार युवक-युवती को कुचला

जयपुर। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा नींदड़ मोड़ के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार सीमेंट से भरे ट्रेलर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े और ट्रेलर के पहियों के नीचे आ गए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार चौमूं से जयपुर की ओर आ रहा सीमेंट से भरा ट्रेलर नींदड़ मोड़ के पास आगे चल रही बाइक से टकरा गया। टक्कर लगते ही बाइक सवार युवक और युवती सड़क पर गिर गए। इससे पहले कि वे संभल पाते, ट्रेलर उन्हें कुचलता हुआ आगे निकल गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना इतनी अचानक और भयावह थी कि किसी को दोनों की मदद करने का अवसर तक नहीं मिल सका। सूचना मिलने पर हरमाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। चालक वाहन छोड़कर फरार दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है तथा चालक की तलाश शुरू कर दी है। आरोपित चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक और युवती की तत्काल पहचान नहीं हो सकी है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस बाइक के पंजीकरण नंबर तथा अन्य उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर उनकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी जाएगी। हादसे के बाद क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नींदड़ मोड़ और आसपास के मार्गों पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार लंबे समय से दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सख्त यातायात नियंत्रण, स्पीड मॉनिटरिंग और नियमित पुलिस निगरानी की मांग की है।

# बंदी संजय बघेल की मौत मामला : पुलिस ने सीसीटीवी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर दी सफाई

प्रात : किरण संवाददाता

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में आबकारी एक्ट के मामले में गिरफ्तार किए गए बंदी संजय बघेल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद उठे आरोपों और सवालों के बीच रायगढ़ पुलिस ने अपना विस्तृत पक्ष सार्वजनिक किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने आज मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करते हुए थाना परिसर में मारपीट के आरोपों को निराधार बताया। पुलिस के मुताबिक, 10 जून 2026 की सुबह लगभग 11:00 बजे थाना कोतरारोड पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अरसीपाली चौक के आगे मुख्य मार्ग से अंदर अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब रखकर परिवहन की तैयारी में है। इस सूचना पर प्रधान आरक्षक श्यामदेव साहू और आरक्षक शंभू चौहान ने थाना प्रभारी को अवगत कराया। इसके बाद गवाह सुरेश सिंह ठाकुर और चन्द्रप्रकाश भट्ट को साथ लेकर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस ने एक व्यक्ति को सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी के साथ पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम संजय बघेल (32 वर्ष), पिता प्यारेलाल बघेल, निवासी ग्राम नवापारा (थाना कोतरारोड) बताया। प्लास्टिक बोरी की तलाशी लेने पर उसके अंदर हाथ भट्टी से निर्मित कुल 30 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई । अवैध शराब को विधिवत जब्त कर आरोपित संजय बघेल को उसी दिन दोपहर 12:43 बजे थाना लाया गया। थाना कोतरारोड लाने के बाद आरोपित संजय को बंदीगृह के बाहर बैठाया गया और उसके परिजनों को कार्रवाई की सूचना दी गई। सूचना पाकर संजय का भाई अजय बघेल और परिवार का सदस्य राकेश बघेल थाना पहुंचे। पुलिस ने आबकारी प्रकरण की समस्त वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 10 जून को ही दोपहर 14:15 बजे संजय की विधिवत गिरफ्तारी दर्ज की और इसकी सूचना उसके भाई अजय बघेल को दी गई। पुलिस ने बताया कि उसी दिन थाने में चर्चित नकली शराब प्रकरण के आरोपित सुभाष पटेल के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही थी और दोनों आरोपितों को एक साथ बंदीगृह के बाहर ही बैठाया गया था। एसएसपी द्वारा मीडिया को दिखाए गए सीसीटीवी फुटेज में दोपहर 14:21 बजे संजय बघेल स्पष्ट रूप से आराम करता नजर आ रहा है। फुटेज में साफ है कि संजय द्वारा पानी मांगने पर पुलिसकर्मियों ने उसे पानी उपलब्ध कराया और अन्य आरोपितों की तरह उसे दोपहर का भोजन भी दिया गया। गिरफ्तारी की सूचना के बाद थाना पहुंचे परिजनों की उपस्थिति में, संजय पुलिस की निगरानी में थाना परिसर के बरामदे में अपने परिवार वालों से मिलता और बातचीत करता हुआ दिखाई देता है। उसी शाम संजय बघेल और सह-आरोपित सुभाष पटेल को चिकित्सीय परीक्षण, एमसीयू (फिंगर प्रिंट) और न्यायालय में रिमांड पेशी के लिए थाने से रवाना किया गया। शाम 16:35 बजे के सीसीटीवी फुटेज में संजय सामान्य रूप से बाहर निकलता दिखा है। पुलिस के अनुसार, मेडिकल परीक्षण के दौरान संजय बघेल ने चिकित्सक को किसी भी प्रकार की चोट या शारीरिक तकलीफ की कोई जानकारी नहीं दी थी और मेडिकल रिपोर्ट में उसे पूर्णतः फिट बताया गया था। इसके विपरीत, सह-आरोपित सुभाष पटेल ने स्वयं को हाई बीपी (उच्च रक्तचाप) का मरीज बताया था। शाम लगभग 18:30 बजे पुलिस बल द्वारा दोनों आरोपितों को जेल भेजा गया। जेल परिसर में भी संजय के परिवार का सदस्य राकेश बघेल उपस्थित था, जिसने संजय को दिलासा दिया था कि वह जल्द ही उसकी जमानत करा लेगा। इन तमाम साक्ष्यों के आधार पर पुलिस का दावा है कि शराब रेड की कार्रवाई से लेकर थाना लाने, मेडिकल कराने और जेल दाखिल करने तक कहीं भी संजय बघेल के साथ अभद्रता या मारपीट नहीं हुई है। मृतक संजय बघेल के परिजनों द्वारा आबकारी प्रकरण में पुलिसकर्मियों पर अवैधानिक रूप से रुपये लेने (रिश्वत) की जो शिकायत की गई है, पुलिस महकमे ने उसे गंभीरता से लिया है। इस शिकायत पर प्रकरण के जांचकर्ता प्रधान आरक्षक श्यामदेव साहू और हमराह आरक्षक शंभू चौहान को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया

# राजस्थान विधानसभा की जन लेखा समिति का पंजाब दौरा, राज्यपाल गुलाबचंद्र कटारिया से की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

चित्तौड़गढ़। राजस्थान विधानसभा की जन लेखा समिति इन दिनों जम्मू-कश्मीर, पंजाब व हरियाणा के अध्ययन दौरे पर है। समिति इन राज्यों की विधानसभा का भ्रमण कर वहां की लेखा समिति की कार्यप्रणाली और संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी जुटा रही है। दौरे के क्रम में समिति सदस्यों ने सोमवार को चंडीगढ़ स्थित राजभवन में पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद्र कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न संसदीय एवं जनहित के मुद्दों पर विस्तार से सार्थक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या, कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर, बेगूं विधायक सुरेश धाकड़, शार्दूलशहर विधायक गुरवीर सिंह व अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल शामिल रहे। समिति सदस्यों ने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष एवं वहां की लेखा समिति के सदस्यों के साथ भी बैठक की। बैठक में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, सुशासन, जनकल्याण से जुड़े विषयों और संसदीय प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर गहन मंथन हुआ। समिति ने पंजाब विधानसभा की लेखा समिति द्वारा अपनाई जा रही कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन और जन लेखा परीक्षण की बारीकियों को समझा। राजस्थान के विधायकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए दोनों राज्यों के बीच संसदीय व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया। राज्यपाल गुलाबचंद्र कटारिया ने राजस्थान से आए विधायकों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे अध्ययन दौरे लोकतंत्र को मजबूत करते हैं और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मददगार होते हैं। उन्होंने जन लेखा समिति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह समिति सरकारी खर्च पर निगरानी रखकर जनता के पैसे का सही उपयोग सुनिश्चित करती है। जन लेखा समिति का यह दौरा विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं को समझने और उन्हें राजस्थान विधानसभा में लागू करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

# राजस्थान का पहला जेनरेटिव एआई कैंपस लॉन्च

जयपुर। राजस्थान के उच्च शिक्षा क्षेत्र में पहली बार विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी (वीजीयू) जयपुर ने गूगल क्लाउड के साथ मिलकर राज्य का पहला जेनरेटिव एआई कैंपस लॉन्च किया है। इस पहल के तहत विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,क्लाउड टेक्नोलॉजी और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन को शिक्षा, शोध और नवाचार के केंद्र में रखा जाएगा। वीजीयू के सीईओ ओंकार बगारिया ने बताया कि इस पहल से विश्वविद्यालय के 19 हजार से अधिक छात्र, फैकल्टी और स्टाफ लाभान्वित होंगे। साथ ही 10 हजार से अधिक छात्रों को जेमिनी एंटरप्राइज फॉर एजुकेशन की सुविधा मिलेगी, जिससे वे रिसर्च, कंटेंट क्रिएशन, कोडिंग, डेटा एनालिसिस और प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग में अत्याधुनिक जेनरेटिव एआई टूल्स का उपयोग कर सकेंगे। वीजीयू के सीईओ ने बताया कि एआई कैंपस के तहत इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, मैनेजमेंट, लॉ, डिजाइन, हेल्थ साइंसेज, लिबरल स्टडीज और मीडिया जैसे विभिन्न विषयों में एआई आधारित शिक्षा और शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। विश्वविद्यालय का लक्ष्य खुद को एक ह्यएआई-फर्स्ट यूनिवर्सिटीह्न के रूप में स्थापित करना है, जहां पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, अनुसंधान और उद्योग सहभागिता में एआई को शामिल किया जाएगा। वीजीयू के सीईओ ओंकार बगारिया ने बताया कि इस साझेदारी के तहत गूगल क्लाउड के सहयोग से एक इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड बी.टेक. प्रोग्राम भी शुरू किया जाएगा। चार वर्षीय इस पाठ्यक्रम में छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और उभरती तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही छात्रों को चार गूगल क्लाउड सर्टीफिकेशन्स, गियर क्रेडेंशियल्स और डीपमाइंड एआई करिकुलम के विशेष मॉड्यूल्स प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वीजीयू के सीईओ ओंकार बगारिया ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में एक समर्पित गूगल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) भी स्थापित किया जाएगा, जहां लाइव लैब्स, इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, हैकाथॉन, रिसर्च प्रोग्राम और इमर्सिव लर्निंग के माध्यम से छात्रों को वास्तविक दुनिया की एआई चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा। गूगल इंडिया में इंडिया हेड एडटेक और एजुकेशन वैभव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वीजीयू के साथ साझेदारी की हैं और उन्हें गूगल क्लाउड के डिजिटल कैंपस ऑन गूगल क्लाउड (डीसीजीसी 4.0) कार्यक्रम से जोड़ने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

# घासमंडी में हुई सिगरेट नकबजनी का खुलासा चार नकबजन सहित खरीददार भी पकड़ा

जोधपुर। शहर के अंदरूनी क्षेत्र घासमंडी में शनिवार- रविवार की मध्य रात होलसेल की दुकान से पांच लाख की सिगरेट चोरी का सदर बाजार पुलिस ने खुलासा करते हुए चार नकबजनों को बीकानेर से पकड़ा है। इनके साथ ही एक माल खरीददार भी पकड़ा गया है। कुल पांच लोग गिरफ्तार किए गए है। आरोपी वारदात करने से पहले जोधपुर रेलवे स्टेशन के सामने रात को ही एक गेस्ट हाउस पर रूम किराए पर लेकर रूके थे। वारदात कर वापिस बीकानेर चले गए। पुलिस को गेस्ट हाउस में एक व्यक्ति का आधार कार्ड के नंबर और मोबाइल नंबर से उसे ट्रेस कर पता लगाया गया। तो मामले की तह तक पुलिस पहुंची और पीछा करते हुए बीकानेर से पूरी गैंग को पकड़ लाई। एक आरोपी का पिता होमगार्डकर्मी बताया गया है। बेची गई सिगरेट से अपनी नशे की लत के साथ महंगे कपड़े भी खरीद लिए। फिलहाल पुलिस पांचों से पूछताछ में जुटी है। एक और की तलाश जारी है। सदर बाजार थानाधिकारी माणकराम ने बताया कि शनिवार- रविवार की मध्य रात 1.50 से दो बजे के बीच घासमंडी क्षेत्र में एक होलसेल की दुकान से भारी मात्रा में सिगरेट चोरी हुई थी। दुकान में घुसे चोरों ने तीन बैगेज में पांच लाख की सिगरेट चोरी कर फरार हुए थे। रात तक पुलिस की गश्त थी। पुलिस की गश्ती गाड़ी निकलने के बाद यह लोग दुकान पर पहुंचे थे। रात तकरीबन 3 बजे किसी राहगीर ने सूचना दी कि दुकान का शटर खुला पड़ा है। इस पर पुलिस वापिस वहां पहुंची। बाद में दुकान पर मिले पर नंबर से मालिक का पता लगा कर सूचना दी गई। दुकान से महंगी सिगरेटें तकरीबन पांच लाख की चोरी होना बताया गया। थानाधिकारी माणकराम के अनुसार चोरी का पता लगने पर अभय कमाण्ड से लेकर शहर के रास्तों के सीसीटीवी फुटेज देखे गए। बाद में गैंग का पता लगा कि यह लोग रेलवे स्टेशन की तरफ एक प्लेटफार्म के पास सीढि से चढ़ते देखे गए। इस पर जीआरपी, आरपीएफ आदि को सूचना दी गई। ताकि ट्रेनों में उन संदिज्ध की पहचान की जा सके। गेस्ट हाउस से मिला क्लू : थानाधिकारी माणकराम ने बताया कि जांच पड़ताल करते हुए पुलिस जोधपुर रेलवे स्टेशन के सामने एक गेस्ट हाउस पर पहुंचे और रजिस्टर चेक किए तो पता लगा कि चार लोग ठहरे थे। जिनमें एक ने अपना आधार कार्ड दिया हुआ था। जिस पर एड्रेस कन्फर्म करने के साथ फोटो से पहचान के प्रयास किए गए। तब पता लगा कि उस शख्स का एक और आपराधिक रिकार्ड रहा है। जोकि वह हो सकता है। इस पर पुलिस उसके एड्रेस बीकानेर तक पहुंची। फिर कड़ी से कड़ी जुड़ती गई। इन पांच लोगों को पकड़ा गया : थानाधिकारी माणकराम ने बताया कि पुलिस ने अब चार नकबजन सह

# 80 डॉलर तक आएगा कच्चे तेल का दाम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 83 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया है, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 81 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। यह गिरावट तब आई है, जब दोनों देशों के बीच अस्थायी समझौता शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में साइन होने वाला है, हालांकि अभी तक दोनों पक्षों ने डील के डिटेल्स को सार्वजनिक नहीं किया है।

ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स जैसे प्रमुख वॉल स्ट्रीट बैंकों ने आने वाली तिमाहियों के लिए तेल की कीमतों के अपने अनुमान कम कर दिए हैं। गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि जुलाई के अंत तक फारस की खाड़ी से निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर पर पहुंच जाएगा, जो उनके पिछले अनुमान से एक महीने पहले की बात है। मॉर्गन स्टेनली ने भविष्यवाणी की है कि समझौते के बाद, जुलाई और सितंबर के बीच डेटेड ब्रेंट औसतन 90 डॉलर प्रति बैरल रहेगा, जो पहले के 100 डॉलर के अनुमान से कम है। चौथी तिमाही का अनुमान 15 डॉलर घटाकर 80 डॉलर कर दिया गया है।

## होराइजन रिक्लेम के आईपीओ को शुरुआती 2 दिन में तगड़ा रिस्पॉन्स मिला

*नईदिल्ली, एजेंसी। होराइजन रिक्लेम (इंडिया) का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जून को खुला है। कंपनी के आईपीओ को शुरुआती 2 दिन में तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है। होराइजन रिक्लेम (इंडिया) का आईपीओ शुरू के दो दिन में ही 75 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में दांव लगाने का आज आखिरी दिन है। आईपीओ 16 जून तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। होराइजन रिक्लेम (इंडिया) के शेयर ग्रे मार्केट में भी दहाड़ रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 61 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। साइज 54 करोड़ रुपये तक का है। होराइजन रिक्लेम (इंडिया) के आईपीओ में शेयर का दाम 103 रुपये है। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में अभी से 63 रुपये के फायदे के साथ कारोबार कर रहे हैं। अगर इस समय के ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो होराइजन रिक्लेम (इंडिया) के शेयर 166 रुपये के करीब बाजार में लिस्ट हो सकते हैं।*

## पेट्रोल-डीजल का दाम बढ़ाने से सुधरी सरकारी तेल कंपनियों की सेहत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी कंपनियों को भारी राहत मिली है। कच्चे

तेल के अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दाम घटने से पेट्रोल पर होने वाले नुकसान में 83 फीसदी की भारी कमी आई है। डीजल पर भी नुकसान 75 फीसदी घटा है। यह जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से दी गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को बताया कि पेट्रोल और डीजल पर अंडर-रिकवरी पहले की तुलना में काफी घट गई है। हालांकि अभी भी रसोई गैस सिलेंडर पर कंपनियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस समय ओएमसी को हर लीटर पेट्रोल की बिक्री पर 30 रुपये का जबकि हर लीटर डीजल की बिक्री पर 27 रुपये का घाटा हो रहा है। एक अप्रैल 2026 को इन कंपनियों को पेट्रोल बेचने पर 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल बेचने पर 105 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ने और घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में चार बार की बढ़ोतरी से इंडियन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम जैसी ओएमसी का घाटा कम हुआ है। लेकिन अभी भी इन्हें हर रोज 600 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। बीते 18 मई को हर रोज का घाटा 750 करोड़ रुपये था। यदि इस साल एक अप्रैल के मुकाबले देखें तो आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल के घाटे में भारी कमी हुई है। सुजाता शर्मा के मुताबिक पेट्रोल बेचने में हो रहे घाटे में इस अवधि के दौरान 83 फीसदी की भारी कमी हुई है। वहीं डीजल बेचने में हो रहे घाटे में 75 फीसदी की कमी आई है।

## 115 अरब डॉलर! अडानी और मित्तल की कुल नेटवर्थ से ज्यादा एक दिन में कमा गए मस्क

**नई दिल्ली, एजेंसी।** स्पेसएक्स की लिस्टिंग के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ रॉकेट के स्पीड से बढ़ रही है। सोमवार को कंपनी के शेयरों में करीब 20 फीसदी तेजी आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में 164 अरब डॉलर (करीब 1,55,14,83,46,00,000 रुपये) की तेजी आई। यह गौतम अडानी (115 अरब डॉलर) और लक्ष्मी मित्तल (40.8 अरब डॉलर) की कंबाइंड नेटवर्थ से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 1.27 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुकी है। पिछले तीन सत्र में उनकी नेटवर्थ 500 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़ी है। मस्क और दूसरे नंबर पर मौजूद लैरी पेज की नेटवर्थ में अब 950 अरब डॉलर से ज्यादा का अंतर हो गया है। स्पेसएक्स का शेयर शुक्रवार को शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ था। इस कंपनी में एलन मस्क की करीब 42 फीसदी हिस्सेदारी है। मस्क को कंपनियां दुनिया की 10 टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में शामिल हैं। स्पेसएक्स 2.519 ट्रिलियन डॉलर के साथ ही इस लिस्ट में छठे और टेस्ला 1.544 ट्रिलियन डॉलर के साथ दसवें नंबर पर है।

### मई में 3.42 बिलियन डॉलर पर आ गया, सिल्वर इंपोर्ट भी घटा

# सोने-चांदी के आयात में भारी गिरावट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। साथ ही सरकार ने 12 मई को सोने-चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। इसका असर देखने को मिल रहा है। मई में गोल्ड इंपोर्ट सालभर पहले के मुकाबले 34 प्रतिशत अधिक रहा, लेकिन अप्रैल के मुकाबले इसमें कमी आई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सोने का आयात अप्रैल के 5.63 बिलियन डॉलर से 39.3 प्रतिशत घटकर मई में 3.42 बिलियन डॉलर पर आ गया। सिल्वर इंपोर्ट भी घटा।

सालभर पहले मई में 2.55 बिलियन डॉलर का गोल्ड इंपोर्ट हुआ था। पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल-मई में 5.65 बिलियन डॉलर से 60.1 प्रतिशत बढ़कर इस वित्त वर्ष में गोल्ड इंपोर्ट 9.04 बिलियन डॉलर का रहा। वहीं, चांदी का आयात अप्रैल के 41.1 करोड़ डॉलर से 81.6 प्रतिशत घटकर मई में 7.6 करोड़ डॉलर का रहा। सालभर पहले से भी आयात मई में 86.7 प्रतिशत घटा। मई में देश के कुल आयात में सोने का हिस्सा 6.2 प्रतिशत और चांदी का 0.3 प्रतिशत रहा।

### 6 महीने के हाई पर एक्सपोर्ट

ओवरऑल मई में देश से वस्तुओं का निर्यात सालभर पहले से 18 प्रतिशत बढ़कर 45.2 बिलियन डॉलर

पर पहुंच गया, जो इसका 6 महीनों का ऊंचा स्तर है। व्यापार घाटा सालभर पहले के 21.88 बिलियन डॉलर से बढ़कर 28.21 बिलियन डॉलर पर रहा क्योंकि आयात में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मई में आयात 20.62 प्रतिशत बढ़कर 73.41 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया, जो इसका 3 महीनों का ऊंचा स्तर है। हालांकि अप्रैल के 28.38 बिलियन डॉलर के मुकाबले मई में व्यापार घाटा कम रहा।

### अगले हफ्ते से ट्रेड वार्ता

कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीयर अगले हफ्ते भारत आएंगे। अंतरिम व्यापार समझौते से जुड़े मुद्दों पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से 23 और 24 जून को बातचीत होगी।

## तीन दिन की तेजी के बाद सोने पर लगा ब्रेक, चांदी में गिरावट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने और चांदी की कीमत में तीन दिन से चली आ रही तेजी पर आज ब्रेक लग गया। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने फ्लैट ट्रेड कर रहा है जबकि चांदी की कीमत में गिरावट आई है। सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है जबकि चांदी फ्लैट है। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में कच्चे तेल में मामूली गिरावट आई है। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,52,916 रुपये पर प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज यह 1,52,891 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,52,825 रुपये तक लो और 1,53,161 रुपये तक हाई गया।

10.15 बजे यह 6 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 1,52,910 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। चांदी की कीमत दूसरी ओर चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार में करीब 1,800 रुपये की गिरावट आई। पिछले सत्र में यह 251458 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज 2,50,457 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,767 रुपये की गिरावट के साथ 2,49,691 रुपये तक फिसली। सुबह 10.20 बजे यह 1,674 रुपये की गिरावट के साथ 2,49,784 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 160 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 150 रुपये की गिरावट के साथ 1,38,750 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 120 रुपये नीचे 1,13,530 रुपये पर है। चांदी 2,65,000 रुपये प्रति किलो पर फ्लैट है।

## लॉजिस्टिक कंपनी ए-1 को मिला करोड़ों के ऑर्डर तो अपर सर्किट में पहुंचे शेयर

**मुंबई, ऐंसी।** लॉजिस्टिक्स सेक्टर की कंपनी ए-1 लिमिटेड ने बताया है कि उसने प्रमुख औद्योगिक घरानों से 35 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल किए हैं। इससे चालू वित्तीय वर्ष में उसकी रेवेन्यू विजिबिलिटी मजबूत हुई है। इसके साथ ही कंपनी के शेयर अपर सर्किट में पहुंच के बंद होने लगे हैं। कंपनी की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, नए ऑर्डर्स में सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड और महाधन एग्रीटेक शामिल हैं। ये कंपनियां दीपक फर्टिलाइजर्स की सहायक कंपनी हैं। इन दोनों कंपनियों से 12 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रेक्ट मिले हैं। इसके साथ ही साईं बाबा पॉलीमर से 11 करोड़ रुपये का ऑर्डर भी मिले हैं।

इसी महीने पूरा करना है ऑर्डर शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसर ये तीनों ऑर्डर्स इसी महीने मतलब कि जून 2026 में पूरे किए जाने हैं। इससे कंपनी का ऑर्डर बुक मजबूत होगा। साथ ही आने वाले क्वार्टरों के लिए रेवेन्यू विजिबिलिटी भी बढ़ेगी।

ये ऑर्डर एक्सप्लोसिव, मैन्युफैक्चरिंग और फर्टिलाइज़र सेक्टर में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों से मिले हैं, जो लिमिटेड की प्रोडक्ट क्वालिटी, सप्लाई क्षमता और काम को भरोसे के साथ पूरा करने की काबिलियत पर बढ़ते भरोसे को दिखाते हैं। इस महीने की शुरुआत में कंपनी के स्टॉक लोअर और अपर सर्किट के बीच झूल रहे थे। लेकिन पिछले कई कारोबारी दिवस से इसके शेयर अपर सर्किट में फंस रहे हैं। कल इसके शेयर 8.92 रुपये पर बंद हुए थे।

### क्या कहना है कंपनी का

लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हर्षदकुमार पटेल ने कहा, 'ये ऑर्डर एक्सप्लोसिव, मैन्युफैक्चरिंग और फर्टिलाइज़र सेक्टर में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों से मिले हैं, जो ए-1 लिमिटेड की प्रोडक्ट क्वालिटी, सप्लाई क्षमता और काम को भरोसे के साथ पूरा करने की काबिलियत पर बढ़ते भरोसे को दिखाते हैं। इंडस्ट्री की जानी-मानी कंपनियों से ये ऑर्डर मिलना हमारी ऑपरेशनल क्षमता, प्रोडक्ट क्वालिटी और कस्टमर-केंद्रित नज़रिए की एक बड़ी मान्यता है। ये कॉन्ट्रैक्ट न केवल हमारी ऑर्डर पाइपलाइन को मज़बूत करते हैं, बल्कि रेवेन्यू की बेहतर विज़िबिलिटी भी देते हैं और इंडस्ट्रियल केमिकल सेक्टर में एक पसंदीदा सप्लाई पार्टनर के तौर पर हमारी स्थिति को और मज़बूत करते हैं।'

## सरकार बेच रही पीएसयू कंपनी में कुछ हिस्सा, शेयर धड़ाम, 6 प्रतिशत से अधिक टूटा दाम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में पांच प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच रही है। इस खबर के सामने आने के बाद कंपनी के शेयरों में आज मंगलवार को स्टॉक लुढ़क गया। बीएसई में जीआईसी का शेयर 370.40 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 363.40 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। बता दें, सरकार ने हिस्सेदारी बेचने के लिए 352 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य तय किया है। दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए मंगलवार को और खुदरा निवेशकों के लिए बुधवार को खुलेगी। 352 प्रति शेयर के न्यूनतम कीमत पर 8.77 करोड़ रुपये से ज्यादा शेयरों की बिक्री से सरकारी खजाने को लगभग 3,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। सरकार जीआईसी में दो प्रतिशत इक्विटी बेचेगी, साथ ही ग्रीन शू विकल्प के तहत अतिरिक्त तीन प्रतिशत हिस्सेदारी भी बेची जा सकती है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणिश चावला ने 'एक्स' पर यह जानकारी दी। बता दें, सरकार चालू वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) में हिस्सेदारी बेचकर पहले ही 13,389 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। इस बार के बजट स्पीच में केंद्रीय वित्त मंत्री ने पहले ही कह दिया था कि फाइनेंशियल ईयर में कुल 80,000 करोड़ रुपये डिसइनवेस्टमेंट से जुटाए जाएंगे।

## कच्चे तेल में गिरावट के बीच सरकार का बड़ा फैसला, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर पड़ेगा असर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की खबर से सोमवार को कच्चे तेल की कीमत में काफी गिरावट आई। इस बीच सरकार डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है जबकि पेट्रोल पर टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में बढ़ोतरी 16 जून से लागू होगी और 30 जून तक रहेगी। साथ ही, घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई व्यवस्था के तहत डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) की दर बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जो पहले 13.5 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, विमान ईंधन के निर्यात पर एसएईडी बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो पहले 9.5 रुपये प्रति लीटर था। पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाली शुल्क दर में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 1.5 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान देश में तेल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार ने विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। सरकार ने 26 मार्च को डीजल और ञ्जस्न पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी और हर दो हफ्ते में इसकी दर में बदलाव किया था। फिर 16 मई को सरकार ने पेट्रोल पर भी एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी थी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि एक्सपोर्टर्स कीमतों में अंतर का गलत फायदा न उठा सकें।

## अमेरिका-ईरान डील के बाद होर्मुज पार करने वाले भारतीय टैंकर ने रचा इतिहास, लदी है 62,370 टन एलएनजी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के बाद एक भारतीय लिक्विफाइड नेचुरल गैस टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा है। यह ऐसा करने वाले शुरुआती बड़े कमर्शियल जहाजों में से एक बन गया है। होर्मुज दुनिया के सबसे अहम एनर्जी कॉरिडोर में से एक है। भारतीय टैंकर का गुजरना इस स्ट्रेट के जरिए शिपिंग की सावधानीपूर्वक बहाली का संकेत है। एलएनजी कैरियर 'दिशा' ने सोमवार को रणनीतिक रूप से अहम इस जलमार्ग को पार किया। इसके 18 जून को गुजरात के दाहेज बंदरगाह पर पहुंचने की उम्मीद है। यह जहाज कतर से 62,370 टन स्ह्रत लेकर आ रहा है। इसे शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाला एक कंसोर्टियम मैनेज कर रहा है।

संघर्ष के दौरान इस क्षेत्र से गुजरने वाले कई जहाजों के उलट 'दिशा' ने पूरी यात्रा के दौरान अपना ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम चालू रखा। लगातार अपनी लोकेशन और डेस्टिनेशन की जानकारी भेजता रहा। जहाज ने स्ट्रेट से गुजरने वाले स्टैंडर्ड कमर्शियल शिपिंग रूट का पालन किया। इसमें ईरान के लराक द्वीप के पास का समुद्री इलाका भी शामिल था।

**भारत के झंडे वाले इतने जहाज होर्मुज से गुजरे:** पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, इस साल की शुरुआत में तनाव बढ़ने के बाद से भारत के झंडे वाले 10 जहाज और विदेशी झंडे वाले पांच जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री 'चोकपॉइंट्स' (संकरे समुद्री रास्तों) में से एक है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।

### इस तरह रच दिया इतिहास

मैरीटाइम ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि शुरुआती अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के बाद इस स्ट्रेट से गुजरने वाले शुरुआती कमर्शियल जहाजों में 'दिशा' शामिल था। अपनी यात्रा फिर से शुरू करने से पहले यह टैंकर संघर्ष के दौरान तीन महीने से अधिक समय तक फारस की खाड़ी में फंसा रहा था।

### ट्रंप की घोषणा के बीच हुआ ऐसा

यह घटनाक्रम तब हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच अहम समझौते के बाद तेल से लदे जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने लगे हैं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट से जहाज गुजरने लगे हैं। इनमें से कई तेल से लदे हैं।' उन्होंने कहा कि जहाज उस रास्ते से गुजर रहे हैं जिसे उन्होंने सुरक्षित मार्ग बताया।

# विदेश में 25 लाख की नौकरी छोड़कर लौट आए गांव

### ऐसा किया काम कि अब 25 करोड़ का टर्नओवर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रवि सिंह यूपी के आजमगढ़ के रामनगर गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने गांव में ही सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। विदेश में 25 लाख रुपये की नौकरी छोड़कर उन्होंने 2020 में इसकी नींव रखी थी। इसका नाम 'अभि मशरूम्स' है। यह पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा मशरूम प्रोडक्शन सेंटर बन गया है। हर दिन यह 25-30 क्विंटल मशरूम का उत्पादन करता है। इसका टर्नओवर 25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आइए, यहां रवि सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

रवि सिंह पढ़ाई पूरी करने के बाद एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने लगे थे। 2001 में उन्हें जापान में आईटी इंजीनियर के तौर पर काम करने का मौका मिला। इस नौकरी में उनका सालाना पैकेज 25 लाख था। यह और बात है कि रवि इससे संतुष्ट नहीं थे। उनके मन में छटपटाहट थी। वह हमेशा से कुछ बड़ा करना चाहते थे। लेकिन, सिर्फ अपने लिए नहीं। अपने गांव के लोगों के लिए भी।

आखिरकार रवि ने बहुत विचार करने के बाद नौकरी छोड़कर गांव लौटने का मन बना लिया। वतन वापसी के बाद उन्होंने कई दिन तक नेटवर्क मार्केटिंग में भी हाथ आजमाए। लेकिन, मुकद्दर में कुछ और ही लिखा था। यह उन्हें खींचकर कहीं और ले जाना चाहता था।

रवि सिंह ने 2020 में सिर्फ तीन कमरे, सरकारी सहायता और 20-25 लाख रुपये के निवेश के साथ मशरूम की खेती शुरू की। आगे जो हुआ, वह उस

तरह की सफलता की कहानी है जिसका सपना हर गांव देखता है। अब सालाना 25 करोड़ का टर्नओवर केवल तीन सालों में रवि का ब्रांड 'अभि मशरूम्स' पूर्वांचल में सबसे बड़ा मशरूम प्रोडक्शन सेंटर बन गया। यह हर दिन 25-30 क्विंटल मशरूम का उत्पादन करता है। 250-300 रुपये किलो में बिकने वाले मशरूम के साथ रवि का कारोबार अब हर रोज बिक्री में 5-6 लाख रुपये और सालाना 25 करोड़ रुपये का टर्नओवर करता है।

### गांव में ही पैदा किया रोजगार

रवि ने अपने गांव और आस-पास के क्षेत्रों से 150 से अधिक लोगों के लिए नौकरियां पैदा की हैं। आजमगढ़ को एक संपन्न मशरूम सेंटर और ग्रामीण उद्यमिता का प्रतीक बना दिया है।

जापान के टेक ऑफिस से लेकर गांव के खेत तक रवि सिंह ने न केवल एक व्यवसाय बनाया, बल्कि एक आंदोलन भी खड़ा किया है। उन्होंने दिखाया है कि गांव और दूर-दराज के इलाकों से भी बड़ा कारोबार खड़ा करना मुमकिन है।

# सौरव गांगुली ने सोशल मीडिया पेज के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

**कोलकाता (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि 'सौरव गांगुली फैंस' नाम का एक फेसबुक पेज उनकी इमेज खराब करने की कोशिश कर रहा है और मीडिया प्लेटफॉर्म स्पोर्टजविकी का भी जिक्र किया है। ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। गांगुली ने कहा कि पेज लगातार ऐसे पोस्ट शेयर कर रहा था जिनका मकसद मेरी रेप्युटेशन खराब करना और जनता के बीच नेगेटिव इमेज बनाना है। गांगुली ने अपनी शिकायत में कहा, 'एक पब्लिक फिगर होने के नाते मैं समझता हूं कि राय और आलोचना पब्लिक लाइफ का हिस्सा हैं, हालांकि, मेरी छवी को नुकसान पहुंचाने के इरादे से गुमराह करने वाला, बदनाम करने वाला और नुकसान पहुंचाने वाला कंटेंट फैलाना मंजूर नहीं है और इसके लिए सही कानूनी कार्रवाई की जरूरत है।' उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया इस पेज को चलाने वाले लोगों/ग्रुप के खिलाफ मेरी शिकायत दर्ज करें और लागू कानूनों के अनुसार जरूरी कार्रवाई करें।' गांगुली पिच पर अपने पूरे समय अपने खास लीडरशिप स्टाइल के लिए जाने जाते थे। 1996 की गर्मियों में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया जिससे उन्हें 'दादा' निकनेम मिला। लॉर्ड्स में अपने पहले टेस्ट में शतक बनाने के बाद वे जल्द ही सुर्खियों में आ गए और 'कोलकाता के प्रिंस' ने फिर दूसरे टेस्ट में भी शतक बनाया और इतिहास में अपनी पहली दो पारियों में सेंचुरी बनाने वाले तीसरे बैट्समैन बन गए। सन् 2000 में टीम इंडिया कैंप एक मैच-फिक्सिंग स्कैंडल में फंस गया। इसके बाद गांगुली को टीम का कप्तान बनाया गया, जहां उन्होंने नए टैलेंट को तैयार करना शुरू किया। गांगुली ने भारत को पहली बार 2000 आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया। टीम इंडिया ने एक और बड़ी उपलब्धि 2001 में हासिल की जब गांगुली की लीडरशिप वाली टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। स्टीव वॉ की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को सीरीज में फॉलोऑन के लिए चैलेंज किया, लेकिन वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी वापसी की। पूर्व भारतीय कप्तान का सबसे यादगार पल निश्चित रूप से वह था जब उन्होंने 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड को हार के मुंह से बचाते हुए लॉर्ड्स की बालकनी पर अपनी शर्ट उतार दी थी। गांगुली ने 2003 में भारत को वर्ल्ड कप फाइनल में भी पहुंचाया, जहां वे चैंपियनशिप गेम में ऑस्ट्रेलिया से बहुत कम अंतर से हार गए थे। 2004 में उन्होंने पाकिस्तान में एक वनडे और टेस्ट सीरीज भी देखी। टेस्ट सीरीज में जीत भारत की पाकिस्तानी धरती पर पहली जीत थी। 'दादा' की 2005-6 में तत्कालीन कोच ग्रेग चैपल के साथ एक बहस भी हुई थी, जब 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' को टीम इंडिया टीम से बाहर कर दिया गया था।

# स्मृति मंधाना सबसे प्रभावशाली खेल हस्तियों में शामिल, सूची में इकलौती भारतीय एथलीट

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने अपने शानदार करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली है। प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने उन्हें वर्ष 2026 की 100 सबसे प्रभावशाली खेल हस्तियों की सूची में शामिल किया है। खास बात यह है कि इस सूची में जगह बनाने वाली वह एकमात्र भारतीय एथलीट हैं।

**दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच मिली जगह** – टाईम की इस प्रतिष्ठित सूची में स्मृति मंधाना ने फुटबॉल के सुपरस्टार लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज, बास्केटबॉल खिलाड़ी विक्टर वेम्बनयामा, गोल्फर रोरी मैक्लरॉय, फ्रीस्की खिलाड़ी एलीन गु और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो जैसी वैश्विक खेल हस्तियों के साथ स्थान हासिल किया है।

**क्यों चुनी गईं स्मृति मंधाना** – टाईण मैगजीन ने स्मृति मंधाना को शामिल करने के पीछे उनके लगातार शानदार प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को अहम वजह बताया। मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 2025 और 2026 में लगातार खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, भारत की ऐतिहासिक आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 जीत में भी उनका योगदान बेहद अहम रहा था।

## फीफा वर्ल्ड कप में 68 साल बाद हुआ ऐसा

# एक दिन में खेले गए चारों मैच रहे ड्रॉ

**लॉस एंजिल्स (एजेंसी)।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पांचवें दिन का आखिरी मैच ईरान और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया. लॉस एंजिल्स स्टेडियम में ग्रुप त का ये रोमांचक मैच 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ. जिससे दोनों टीमों को एक-एक अंक शेयर करना पड़ा। यह मैच न केवल मैदान पर रोमांचक खेल के लिए यादगार रहेगा, बल्कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पांचवें दिन खेले जाने वाले आखिरी मैच के तौर रिकॉर्ड बुक में भी दर्ज करा दिया, क्योंकि वो दिन का चौथा ड्रा मैच था. जिसके साथ टूर्नामेंट के इतिहास में एक दिन में चार मैच ड्रॉ होने का अनोखा रिकॉर्ड बन गया। ऐसा फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में केवल दूसरा बार हुआ है. इससे पहले ऐसी घटना 68 साल पहले 1958 में स्वीडन में हुए टूर्नामेंट में देखने को मिला था. जब 15 जून के दिन खेले गए चार मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए थे. उन मैच का नतीजा नीचे देख सकते हैं।

**फीफा वर्ल्ड कप 1958 (15 जून)**

- स्वीडन बनाम वेल्स (0-0)
- इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया (2-2)
- पराग्वे बनाम यूगोस्लाविया (3-3)
- वेस्ट जर्मनी बनाम नॉर्दर्न आयरलैंड (2-2)

- **68 साल बाद फिर हुआ ऐसा** – अब 68 साल बाद दूसरी बार ऐसा हुआ है जब फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पांचवें दिन यानी कि 15 जून को खेले गए वर्ल्ड कप के चार मुकाबले बिना किसी विजेता के समाप्त हुए. दिन के पहले मैच में केप वर्डे ने स्पेन को बिना किसी गोल के ड्रॉ पर रोका. बेल्जियम और मिस्र का मैच 1-1 से ड्रॉ रहा, जबकि सऊदी अरब और उरुग्वे के बीच भी मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा और दोनों ने अंक बांटे. दिन के आखिरी मैच में ईरान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा।

# भारत ने जापान को हराकर नेशंस कप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

**ऑकलैंड (एजेंसी)।** कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी के गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां जापान को 2-1 से हराकर एफआईएच नेशंस कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह टूर्नामेंट में भारत की दूसरी जीत थी। उसने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराया था। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले सत्र में एफआईएच प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

भारत के लगातार दूसरी जीत से छह अंक हो गए हैं और उसने अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। भारत ने तीसरे क्वार्टर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जब फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लगातार दबाव बनाने के बाद सलीमा टेटे ने 33वें मिनट में गोल दागा। भारत की बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और जापान ने इसके दो मिनट बाद ही ऐ हिरमित्सु के गोल से स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने हालांकि 49वें मिनट में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

जापान ने अंतिम क्षणों में आक्रामक खेल दिखाया लेकिन भारत ने उसके हमलों को नाकाम करते हुए जीत हासिल की। यह मैच मिडफील्डर ज्योति के लिए भी एक यादगार अवसर था, जिन्होंने सीनियर स्तर पर अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। पहले हाफ में काफी करीबी मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन मध्यांतर से पहले कोई भी गोल करने में असफल रही।

# नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में चंडीगढ़ का जलवा, अंडर-12 बॉयज ने जीता गोल्ड

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में चंडीगढ़ की अंडर-12 बॉयज टीम ने सभी मुकाबले जीतकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया. जबकि, लड़कियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से देहरादून के हिमाद्री आइस स्केटिंग रिंक में आयोजित की जा रही पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में चंडीगढ़ की टीम का दबदबा देखने को मिला. अंडर-12 वर्ग में चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किए। उन्होंने न केवल पदक जीते बल्कि, पूरे टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा भी मनवाया. जहां अंडर-12 बॉयज टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, तो वहीं अंडर-12 गर्ल्स टीम ने कांस्य पदक जीतकर चंडीगढ़ का गौरव बढ़ाया।

बेमिसाल रहे अंडर-12 बॉयज, जीते सभी मुकाबलेः पहली बार आयोजित हो रही इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चंडीगढ़ के अंडर-12 बॉयज खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही अपने इरादे जाहिर कर दिए थे. टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया और सभी मुकाबलों में एकतरफा जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल हासिल किया।

खास बात यह रही कि चंडीगढ़ में आइस हॉकी के लिए समर्पित मैदान तक उपलब्ध नहीं है, इसके बावजूद खिलाड़ियों ने जिस स्तर का प्रदर्शन किया, उसने सभी को प्रभावित किया. खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे उनके कोचों की मेहनत और लगातार प्रशिक्षण की बड़ी भूमिका रही।

पांच मैचों में दागे 84 गोलः चंडीगढ़ की अंडर-12 बॉयज टीम ने पहले ही मैच से विपक्षी टीमों पर अपना दबदबा बनाना शुरू कर दिया था. टीम ने अपने पहले मुकाबले में राजस्थान को 16-0 से हराकर शानदार शुरुआत की. इसके बाद दूसरे मैच में तमिलनाडु को 12-1 से मात दी।

तीसरे मुकाबले में महाराष्ट्र के खिलाफ चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए 23-2 की बड़ी जीत दर्ज की. सेमीफाइनल में पंजाब के खिलाफ भी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 21-1 से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बनाई।

खिताबी मुकाबले में कर्नाटक की टीम सामने थी, लेकिन चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने यहां भी कोई मौका नहीं छोड़ा. टीम ने 12-2 से जीत दर्ज करते हुए पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया. पूरे टूर्नामेंट के पांच मुकाबलों में टीम ने कुल 84 गोल किए, जो उनकी आक्रामक क्षमता और बेहतरीन टीम समन्वय को दर्शाता है।

अंडर-12 गर्ल्स टीम ने जीता कांस्य पदकः बॉयज टीम के साथ-साथ चंडीगढ़ की अंडर-12 गर्ल्स टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया. लड़कियों ने अपने पहले मुकाबले में महाराष्ट्र को 22-0 से हराकर दमदार शुरुआत की. इसके बाद दूसरे मैच में आंध्र प्रदेश को 10-4 से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा।

हालांकि कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें चंडीगढ़ की टीम को 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. इसके बावजूद टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया और कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान का सफल समापन किया. लड़कियों के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि चंडीगढ़ में आइस हॉकी का भविष्य उज्ज्वल है. आने वाले सालों में यह टीम राष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

कोच और मैनेजर की हर तरफ हो रही सराहनाः चंडीगढ़ टीम की इस सफलता के पीछे कोच उज्जवल प्रताप सिंह और टीम मैनेजर आदित्य रामपाल की मेहनत को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. उनकी अगुवाई में दोनों टीमों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों के अभिभावकों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आए प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने भी टीम के कोचिंग स्टाफ की जमकर प्रशंसा की. विशेषज्ञों का मानना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है. यही कारण है कि चंडीगढ़ टीम के प्रदर्शन की चर्चा पूरे टूर्नामेंट में होती रही।

उर्मिंदर पाल सिंह की मेहनत भी लाई रंगः चंडीगढ़ में आइस हॉकी के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के बावजूद खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन कई लोगों की सालों की मेहनत का परिणाम है. इनलाइन हॉकी के वरिष्ठ कोच उर्मिंदर पाल सिंह का भी इस टीम को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है. उनकी देखरेख में खिलाड़ियों ने पहले इनलाइन हॉकी में अपनी पहचान बनाई और अब आइस हॉकी में भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की है?

उधर, चैंपियनशिप का अगला चरण शुरू हो चुका है, जिसमें अंडर-15 वर्ग के मुकाबले खेले जा रहे हैं. चंडीगढ़ टीम से इस वर्ग में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं. इसके बाद अंडर-18 और सीनियर वर्ग के मुकाबले आयोजित होंगे, जिन पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं. पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में अंडर-12 वर्ग की इस सफलता ने चंडीगढ़ को देश के उभरते आइस हॉकी केंद्रों में शामिल कर दिया है।

## महिला टी-20 वर्ल्ड कप

# नीदरलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहेगा भारत

**लीड्स (एजेंसी)।** पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में शानदार जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले महिला टी20 विश्व कप के अपने दूसरे ग्रुप मैच में बल्लेबाजी में और बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में स्मृति मंधाना ने शीर्ष क्रम में और ऋचा घोष ने निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाजी की थी जिससे भारत 64 रन से जीत हासिल करने में सफल रहा था।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित बाकी बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। भारती फुलमाली मध्य क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन पहले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाई थी। भारत को टूर्नामेंट में आगे और भी कड़े मैच खेलने है और इसलिए बल्लेबाजी में निरंतरता बेहद महत्वपूर्ण है। भारत को नीदरलैंड से किसी तरह की खास चुनौती मिलने की संभावना नहीं है लेकिन उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में से किसी एक को हराना होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ शुरू में फील्डिंग अच्छी नहीं थी, लेकिन पारी आगे बढ़ने के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने कुछ अच्छे कैच लिए। गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ कोई खास कमाल नहीं दिखा पाईं। लेकिन स्पिनरों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की स्पिन जोड़ी ने मिलकर आठ विकेट लिए। दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में केवल 10 रन देकर 5 विकेट लिए और फॉर्म में वापसी की। भारत के लिए दीप्ति का फॉर्म में लौटना काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे पहले वह दो श्रृंखलाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

नीदरलैंड की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश से हार गई थी। भारत के सामने चुनौती पेश करने के लिए उसे खेल के सभी विभागों में सुधार करना होगा। कप्तान बैबेट डी लीड ने शुरुआती मैच में हार के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि खेल के तीनों विभाग में हम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसी हमें उम्मीद थी। हम बल्लेबाजी में किसी भी समय लय में नहीं आ पाए। हमने कुछ ज्यादा ही विकेट गंवा दिए।'

**टीमें :**

- **नीदरलैंड** : बैबेट डी लीडे (कप्तान), कैरोलीन डी लैंग, फ्रेडरिक ओवरडिज्क, हन्ना लैंडहीर, हीथर सीजर्स, आइरिस ज़विलिंग, इसाबेल वान डेर वोनिंग, लारा लीमहुइस, मायरथे वान डेन राड, फेबे मोल्केनबोअर, रॉबिन रिजके, रोजाली लॉरेंस, सान्या खुराना, सिल्वर सिल्वर, स्टेरेलिस।
- **भारत** : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।
- **समय** : शाम 7 बजे।

# केप वर्डे का वर्ल्ड कप में शानदार आगाज, स्पेनिश टीम से ड्रॉ खेलकर वर्ल्ड को चौंकाया

**लॉस एंजिल्स (एजेंसी)।** फीफा वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने वाली टीम केप वर्डे ने उस समय सबको हैरान कर दिया, जब उन्होंने स्पेन जैसी खतरनाक और मजबूत टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया. जिसकी वजह से वो 0-0 से मैच ड्रॉ करने में सफल रहे और अपने पहले ही वर्ल्ड कप मैच में एक पॉइंट्स लेकर इतिहास रच दिया।

केप वर्डे के इस शानदार प्रदर्शन में गोलकीपर वोजिन्हा ने सबसे अच्छा खेल दिखाया और 40 साल की उम्र में मैच के आखिर में स्पेन के जबरदस्त हमलों को नाकाम कर दिया. जिसकी वजह से स्पेन एक गोल भी नहीं कर सका। स्पेन मौजूदा यूरोपियन चैंपियन है. इस टीम में लामिन यामल जैसा शानदार युवा खिलाड़ी भी है. लेकिन वो पहले हॉफ में मैच खेलने नहीं उतरे, दूसरे हाफ में यामल मैदान पर जरूर उतरे, लेकिन उनके आने के बावजूद स्पेन जीत हासिल नहीं कर सका. केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा मैच के हीरो रहे, जिन्होंने पूरे खेल के दौरान सात गोल बचाकर स्पेन को गोल करने से रोके रखा।

केप वर्डे ने पूरे 90 मिनट तक अनुशासित खेल दिखाया और पूरे मैच में सिर्फ एक फाउल किया. दूसरी ओर, स्पेन ने बॉल पर कब्जा तो रखा लेकिन उसका सही इस्तेमाल नहीं किया और अफ्रीकी टीम पर दबाव बनाने के लिए शुरुआती मौके नहीं बना पाए।

कौन हैं वोजिन्हा?

40 वर्षीय वोजिन्हा का जन्म केप वर्डे के मिंडेलो में जोसिमार होजे एवोरा डायस में हुआ. वो अभी पुर्तगाली क्लब चावेस के लिए खेल रहे हैं. लगभग 15 साल के अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ टूर्नामेंट में आए थे. फिर भी, 2012 से केप वर्डे का प्रतिनिधित्व करने के बावजूद, वह कभी भी फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर नहीं खेले थे. इस दौरान वोजिन्हा अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार खेलते रहे और केप वर्डे के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई।

40 साल की उम्र में वोजिन्हा वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए. उनसे ज्यादा उम्र के केवल मिस्र के पूर्व गोलकीपर एस्साम अल-हदारी थे, जो 2018 के टूर्नामेंट में 45 साल के थे।

# श्रीलंका ए से हारने के बाद बीसीसीआई ने इंडिया ए स्क्वाड में किया बड़ा बदलाव

**डंबुला (एजेंसी)।** इंडिया ए टीम अभी डंबुला में श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ 50-ओवर की ट्राई-सीरीज खेल रही है. सोमवार 15 जून को खेले गए सीरीज के एक मैच में इंडिया ए को श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा. उसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इंडिया ए स्क्वाड में बड़ा बदलाव किया है।

बोर्ड ने तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में चोटिल युधवीर सिंह की जगह चुना गया है. हालांकि युधवीर को सीरीज में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला सका था।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा को शामिल किया है. युद्धवीर ने 13 जून को गेंदबाजी करते समय अपने दाहिने कंधे में तकलीफ की शिकायत की थी और इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सेशन के दौरान भी उन्हें ऐसा ही दर्द महसूस हुआ था।

बयान में आगे कहा गया, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने एक स्पेशलिस्ट से सलाह लेने के बाद सुझाव दिया कि युद्धवीर को दाहिने रोटेटर कफ की चोट से पूरी तरह ठीक होने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की देखरेख में एक ग्रेजुएटेड रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजरना चाहिए।'

**अशोक का घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन** – अशोक ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था. उन्होंने उस सीजन 154.2 किमी की रफ्तार से गेंद फेंकी थी. हालांकि उन्हें गुजरात टाइटन्स के लिए छह मैच ही खेलने का मौका मिला. जिसमें वो छह विकेट लिए थे. लेकिन अशोक 2025/26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दस मैचों में 22 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे।

**ट्राई-सीरीज में इंडिया ए का प्रदर्शन** – ट्राई सीरीज में तिलक वर्मा की कप्तान में इंडिया ए का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. टीम ने अब तक तीन मैच खेले हैं, जिसमें उसे दो में हार और एक में जीत मिली है. जिसमें एक सुपर ओवर में हार भी शामिल है. सीरीज के पहले मैच में इंडिया ए ने श्रीलंका ए को 8 रनों से मात दी थी. जबकि दूसरे मैच में उन्हें अफगानिस्तान ए से डक्वर्थ लुईस नियम के आधार पर 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा था. उसके बाद इंडिया ए अपने तीसरे मैच में श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में हार गई. अब इंडिया ए का अगला मैच अफगानिस्तान ए से 17 जून को है. फाइनल की रेस में बने रहने के लिए उन्हें ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

- **इंडिया ए की अपडेटेड टीम** – तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय, अशोक शर्मा।

## संक्षिप्त समाचार

### मणिपुर के कांगपोकपी में आदिवासी संघर्ष, गोलीबारी में तीन घायल

**कांगपोकपी, एजेंसी।** मणिपुर के कांगपोकपी जिले में आदिवासियों के दो गुटों के बीच हुई

गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इंफाल स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया। इसके बाद घायल युवकों को भर्ती किए जाने का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों का एक समूह अस्पताल परिसर के पास जमा हो गया और विरोध- प्रर्दशन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि ये तीनों उग्रवादी थे, जिसके बाद सुरक्षा बलों को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। बताया जा रहा है कि घायल तीनों युवकों में से एक फुटबालर था, जो मोहन बागान के लिए खेलता था।
अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी सुबह करीब छह बजे लेइलोन वाइफेई गांव के पास हुई। कुकी-बहुल जिले में हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की। सभी घायल कुकी समुदाय के हैं। लेइलोन वाइफेई वही गांव है, जहां से 13 मई को नागा जनजाति के छह लोगों का अपहरण कर लिया गया था। 10 जून को छह लोगों के शव बरामद किए गए। जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे वही लोग थे, जिनका अपहरण किया गया था।

### अकाल तख्त ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को 'गुरु द्रोही' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित किया

**चंडीगढ़, एजेंसी।** सिखों की शीर्ष धार्मिक संस्था अकाल तख्त साहिब ने एक कथित आपत्तिजनक वीडियो में झूठ बोलने के मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सोमवार को 'गुरु द्रोही' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित कर दिया. अमृतसर में 'पांच सिंह साहिबान' (सिख धर्मगुरुओं) की बैठक के बाद, अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने अकाल तख्त की 'फसील' (मंच) से यह आदेश सुनाया. जानकारी के अनुसार, शुरू में चर्चा के लिए केवल दो अहम मुद्दों का ज़िक्र किया गया था. पहला मुद्दा बेअदबी कानून का था और दूसरा बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका वापस लेने का. इसी मौके पर जत्थेदार कुलदीप सिंह गरगज ने मुख्यमंत्री के कथित वीडियो का तीसरा मुद्दा भी शामिल किया. जत्थेदार ने कहा कि '15 जनवरी को मुख्यमंत्री को बुलाया गया था. उनसे गोलक (दान पेटी) पर दिए गए बयान पर स्पष्टीकरण मांगा गया था. उस समय सीएम ने कहा था कि वे गोलक पर आगे कोई बयान नहीं देंगे. लेकिन बाद में भी वे गोलक पर बयान देते रहे हैं. दूसरी बात, उनके कथित वीडियो के बारे में भी स्पष्टीकरण मांगा गया था, जिसे उन्होंने नकली बताया था और कहा था कि वीडियो की जांच किसी लैब से कराई जानी चाहिए।

### महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा की हो रही थी शुरुआत

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।** केरल में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना की शुरुआत के समय एक अजीब हालात उस समय पैदा हो गए, जब कोल्लम में एक खचाखच भरी सरकारी बस में महिला एवं बाल विकास मंत्री बिंदु कृष्णा पर गलती से गर्म खीर गिर गई. उक्त घटना तब हुई जब मंत्री 'प्रियदर्शनी' योजना को लागू करने के सिलसिले में केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की बस में यात्रा कर रही थीं. इस योजना के तहत प्रदेश भर में सामान्य केएसआरटीसी बसों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर लोगों को फ्री यात्रा करने की सुविधा मिलती है. बताया जाता है कि मंत्री का स्वागत करने के लिए बस में सवार उनके समर्थक यात्रा के दौरान उनको खिलाने के लिए पायसम (खीर) लाए थे. इसी दौरान बस में भारी भीड़ के बीच, मिठाई वाला बर्तन गलती से मंत्री से टकरा गया, जिसकी वजह से खीर उनके सिर और कपड़ों पर गिर गई. वीडियो में बिंदु कृष्णा को अपने बालों और कपड़ों से खीर को साफ करते हुए देखा जा सकता है, जबकि उनके साथी उन्हें साफ-सफाई में मदद करने के लिए आगे आते हैं. हालांकि मंत्री कुछ सेकंड के लिए अपना आपा खो बैठीं।

# एनसीपीआई में शामिल हुए टीएमसी के 20 सांसदों ने चली चाल, काकोली घोष को बनाया पार्टी अध्यक्ष

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल की राजनीति और देश की संसद से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने दलबदल विरोधी कानून के तहत अपनी सांसदी गंवाने से बचने के लिए एक अनोखा और बड़ा रास्ता निकाला है। इन बागी सांसदों ने एक छोटी और गुमनाम सी राजनीतिक पार्टी 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' का न सिर्फ दामन थाम लिया है, बल्कि पूरी पार्टी पर ही कब्जा कर लिया है।

इतना ही नहीं ममता बनर्जी की पुरानी और बेहद करीबी रहीं काकोली घोष दस्तीदार को इस नई पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। बता दें कि काकोली घोष ही लोकसभा में ममता बनर्जी के खिलाफ हुए इस विद्रोह का मुख्य चेहरा हैं।

देखा जाए तो पश्चिम बंगाल की राजनीति का इस नए अध्याय का पूरा खेल बहुत ही सोची-समझी रणनीति के तहत खेला गया है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि सीक्रेट डील के तहत 30 मई को काकोली घोष दस्तीदार को अध्यक्ष चुना गया।

इससे ठीक दो दिन पहले, पार्टी की पुरानी अध्यक्ष शेवली कुंडू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। यह सब आपसी सहमति से इस छोटी पार्टी को बागियों के हवाले करने के लिए किया गया।

इससे पहले टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 बागी सांसद रविवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिले। उन्होंने स्पीकर को जानकारी दी कि

उनके पास दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों का बहुमत है, इसलिए वे टीएमसी छोड़कर में शामिल हो रहे हैं, ताकि उनकी सदस्यता रद्द न हो।

देखा जाए तो भाजपा ने अभी तक इस पूरे मामले में कोई कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस पूरी रणनीति के पीछे भाजपा का ही हाथ है। ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है, क्योंकि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे लगातार इन बागी सांसदों के संपर्क में थे। इसके अलावा गौर करने वाली बात यह भी है कि सभी बागी सांसदों की कई महत्वपूर्ण बैठकें केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के घर पर ही हुईं। फिर बीते रविवार को इन 20 सांसदों ने स्पीकर को साफ कर दिया कि वे में शामिल होकर भाजपा के नेतृत्व वाले ह्ष्ठ का हिस्सा बनने जा रहे हैं और उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन की तरफ सीटें आवंटित करने की मांग की है।

### आखिर ममता बनर्जी के भतीजे से क्यों है नाराजगी?

इस बात को ऐसे समझिए कि टीएमसी के सबसे सीनियर सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय (6 बार के सांसद) भी पिछले दिनों इस बागी गुट में शामिल हो गए। इन सभी सांसदों के गुस्से की मुख्य वजह ममता बनर्जी के भतीजे और उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी अभिषेक बनर्जी हैं। सांसदों का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी बेहद घमंडी हैं और वे पार्टी के सीनियर नेताओं को दरकिनार कर अपनी मनमानी चला रहे हैं। गौरतलब है कि जिस पार्टी की किस्मत रातों-रात चमक गई है, उसका इतिहास ज्यादा बड़ा नहीं है या फिर यूं कहे कि बेहद मामूली है। रजिस्ट्रेशन जनवरी 2023 में हुआ था और इसका पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के सांकराइल की एक बिल्डिंग का है। इसके बाद 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस पार्टी ने 4 उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से सबसे ज्यादा वोट पाने वाले उम्मीदवार को सिर्फ 536 वोट मिले थे। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में यह देश की उन 2000 से ज्यादा पार्टियों में शामिल है जिन्हें मान्यता नहीं मिली हुई है। ऐसे में अगर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला इस विलय को मंजूरी दे देते हैं, तो यह गुमनाम पार्टी रातों-रात लोकसभा की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए में भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा दल बन जाएगी।

## गैस-पेट्रोल के दामों पर सरकार को घेरा

# नागपुर में महंगाई के खिलाफ शरद पवार गुट का थाली बजाओ आंदोलन

**नागपुर, एजेंसी।** नागपुर के संविधान चौक पर बढ़ती महंगाई को लेकर जनता का गुस्सा फूट पड़ा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की महिला शहर अध्यक्ष प्रिया फुके के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हाथ में गैस सिलेंडर लेकर और थाली बजाकर प्रदर्शन किया। विपक्ष ने इस आर्थिक संकट के लिए पूरी तरह सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है।

देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। ईंधन के दाम बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की लागत भी तेजी से बढ़ी है, जिससे मध्यमवर्ग और गरीब परिवार बुरी तरह प्रभावित हैं। इसी जन-असंतोष को आवाज देने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने नागपुर में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख और नागपुर शहर अध्यक्ष दुनेश्वर पेठे के मार्गदर्शन में आयोजित इस आंदोलन में भारी संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। थाली बजाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों का विरोध किया गया।

नागपुर के संविधान चौक में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान शरद पवार गुट के कार्यकर्ताओं ने हाथ सिलेंडर लेकर बढ़ती महंगाई की ओर ध्यान खींचा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथ में बैनर पोस्टर लिए केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमरक नारेबाजी की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नागपुर शहर अध्यक्ष दुनेश्वर पैठे ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस तथा अन्य जीवनावश्यक वस्तुओं के दामों में कमी नहीं की गई तो शहर में चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। शरद पवार गुट की नागपुर महिला शहर अध्यक्ष प्रिया फुके ने कहा कि महंगाई से आम नागरिक, मजदूर एवं किसानों का जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है और इसके लिए दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं।

# ईरान-अमेरिका समझौते पर इस्राइल को ऐतराज

**वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी।** अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद इस्राइल ने लेबनान में ड्रोन से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस्राइली ड्रोन ने एक कार को निशाना बनाया, जिसमें उसका ड्राइवर मारा गया। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों और सरकारी मीडिया ने हमले की सूचना दी। यह भी कहा कि युद्धविराम समझौते के बाद लेबनान में यह पहला हमला था।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए हुए समझौते को भारत के पूर्व राजनयिक दिनकर पी. श्रीवास्तव ने बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए व्यापार दोबारा सामान्य हो सकेगा, जिससे वैश्विक बाजारों में स्थिरता आएगी और ऊर्जा कीमतों में कमी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यह समझौता ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर आगे की वार्ताओं का भी रास्ता खोलता है। श्रीवास्तव के अनुसार, अमेरिका और ईरान के हितों में पर्याप्त समानता है, जिससे बातचीत में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने के कारण ईरान का अविश्वास स्वाभाविक है, लेकिन अब कूटनीतिक समाधान ही आगे का रास्ता है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नौवहन की स्वतंत्रता बिना किसी शुल्क और बाधा के बहाल होनी चाहिए, क्योंकि यह क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि यह समझौता पश्चिम एशिया में शांति और सुरक्षा पर व्यापक वार्ता का रास्ता खोल सकता है। साथ ही उन्होंने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रमों पर भी समाधान की जरूरत बताई। यूरोपीय संघ ने लेबनान में स्थायी युद्धविराम और उसकी संप्रभुता के सम्मान की भी अपील की। भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने को लेकर बनी समझ पर स्वागत जताया है। भारत ने कहा कि इस संघर्ष से वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ। भारत को उम्मीद है कि इस समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य सहित समुद्री मार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो सकेगी। भारत ने यह भी कहा कि बाकी बचे मुद्दों पर बातचीत आगे बढ़े और एक स्थायी तथा व्यापक अंतिम समझौता जल्द संपन्न हो। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के बीच ईरान की जमी हुई संपत्तियों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका 12 अरब डॉलर की ईरानी संपत्तियां जारी करने पर विचार कर रहा है। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी ने दावा किया है कि 60 दिनों की वार्ता अवधि के दौरान कुल 24 अरब डॉलर की जमी हुई संपत्तियां जारी की जाएंगी, जिनमें से आधी राशि बातचीत शुरू होने से पहले उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि ईरान की ओर से समझौते की शर्तें लागू किए बिना कोई राशि जारी नहीं की जाएगी। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही अमेरिका-ईरान शांति समझौते की घोषणा कर चुके हैं। ईरान ने भी कहा है कि अंतिम समझौते पर आगे बढ़ने से पहले वह अमेरिका की प्रतिबद्धताओं, नाकाबंदी हटाने और संपत्तियां जारी करने जैसे वादों का सत्यापन करेगा।

### सुरक्षा मंत्री बेन-गवीर ने किया विरोध

अमेरिका समर्थित अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर इस्राइल के भीतर विरोध के स्वर उभरने लगे हैं। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने समझौते को खारिज करते हुए कहा कि इस्राइल इस समझौते का पक्षकार नहीं है और वह इसे मानने के लिए बाध्य नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्राइल एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है, न कि अमेरिका के अधीन कोई राष्ट्र। बेन-गवीर ने दावा किया कि यह समझौता इस्राइल की सुरक्षा चिंताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करता।
उन्होंने यह भी कहा कि लेबनान में इस्राइली सैनिकों द्वारा कब्जे में लिए गए किसी भी क्षेत्र से पीछे नहीं हटना चाहिए। उनके बयान ने समझौते को लेकर इस्राइल के भीतर राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते को लेकर इस्राइल में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलन ने इस समझौते को इस्राइल के लिए खराब करार देते हुए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस्राइली वायुसेना और सैनिकों के साहस से हासिल सैन्य उपलब्धियां इस समझौते के कारण कमजोर पड़ गई हैं। गोलन ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू ने देश की रणनीतिक बढ़त गंवा दी और पूर्ण विजय का वादा करने के बावजूद इस्राइल को कमजोर स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने इसे वर्षों की नीतिगत विफलताओं का परिणाम बताया।

## निर्णायक होगी 60 दिन की अवधि

# पश्चिम एशिया: परमाणु मुद्दे से बड़ी है जंग रोकने की अग्निपरीक्षा

**वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का जो ढांचा तय हुआ है, उसको पश्चिम एशिया में स्थायी शांति बहाली की कसौटी पर परखने के लिए 60 दिन की अवधि तय की गई है। यहां तक पहुंचने के लिए अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर अपने रुख को काफी नरम किया है। ईरान पर समझौते के लिए सबसे पहले परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद करने की शर्त नहीं थोपी गई है। बल्कि बातचीत के लिए उसे पूरा समय दिया। जाहिर तौर पर पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट बीच ईरान का परमाणु कार्यक्रम एक बड़ा मुद्दा रहा है। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि समझौते से पुख्ता समाधान तक पहुंचने के लिए तय की गई 60 दिन की अवधि परमाणु मुद्दे से कहीं ज्यादा जंग को स्थायी रूप से रोकने की अग्निपरीक्षा है। अगले दो महीनों में तय होगा कि अमेरिका और ईरान के बीच परस्पर भरोसा कितना मजबूत होता है। समझौता मानने से इन्कार कर चुका इस्राइल आगे क्या रुख अपनाता है। बम, ड्रोन और मिसाइलों के इस्तेमाल में कितना संयम बरता जाता है, और समझौते की शर्तों का कितनी शिद्दत से पालन किया जाता है, क्योंकि यही पश्चिम एशिया में शांति की राह तय करने में निर्णायक साबित होगा।

चार बातों पर टिका समाधानत्न इस्राइल की आक्रामक कार्रवाइयों पर अमेरिका किस हद तक नियंत्रण रख पाता है।

अमेरिकी नौसेना ईरानी समुद्री क्षेत्र के पास अपनी नाकेबंदी कितनी तेजी से हटाती है।

# यूएस-ईरान समझौते के बाद होर्मुज से जल्द निकलेंगे 34 भारतीय जहाज, करोड़ों किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। दरअसल तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ला रहे भारतीय टैंकर दिशा ने सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। भारत आ रहे 34 अन्य जहाजों के भी जल्द होर्मुज पार करने की उम्मीद है। ये जहाज पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज में फंसे हैं।

होर्मुज में फंसे 34 जहाजों में से 16 जहाज ऐसे हैं, जो फर्टिलाइजर लेकर भारत आ रहे हैं। इन 16 जहाजों में से 8 पर यूरिया, चार पर डाइ-अमोनियम फॉस्फेट और तीन पर सल्फर और एक पर अमोनिया लदा है। अगर समझौते के तहत सबकुछ सही रहता है और होर्मुज खुलता है तो जल्द ही भारत के करोड़ों किसानों को खेती के लिए फर्टिलाइजर मिल

सकते हैं। हालांकि अभी हालात सामान्य होने में वक्त लग सकता है। तुरंत पूर्ण राहत के आसार नहीं पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया। पश्चिम एशिया की कई अहम रिफाइनरियां और गैस प्लांट हमलों में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिससे युद्ध समाप्त होने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में कई महीनों का वक्त लग सकता है। कतर का रास लफ्फान प्लांट हमले में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और वहां से ईंधन आपूर्ति सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। भारत के इस गैस प्लांट से एलपीजी आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट है, ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा।

भारत अपनी जरूरत का 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से करीब आधा हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आपूर्ति होता है। साथ ही भारत के कुल आयात की 60 प्रतिशत से ज्यादा एलएनजी भी होर्मुज से गुजरकर भारत आती है। यही वजह है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से भारत को होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई। होर्मुज से पार हुआ दिशा टैंकर 18 जून तक भारत आ सकता है और इस पर 62,370 टन एलएनजी है।

# 300 साल बाद बहरामपुर अकबरपुर से हटेगा 'अकबर' का नाम, अब क्या होगा नया नाम

**गाजियाबाद, एजेंसी।** मुगल साम्राज्य के वजीर गाजी-उद-दीन ने गाजियाबाद की नींव रखीं। बहरामपुर अकबरपुर भी इसी दौर यानी 18वीं शताब्दी के मध्य में कृषि प्रधान ग्रामीण बस्ती के रूप में वजूद में आया था। इस गांव में 75 फीसदी आबादी हिंदू है। प्रदेश के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप के पत्र पर नगर निगम की बोर्ड बैठक में गांव का नाम बदलने का प्रस्ताव पास हो गया। यह नाम अब नामकरण समिति के पास जाएगा। वहां इस पर अंतिम मुहर लगेगी। अंतिम मुहर लगते ही 300 वर्ष पुराना गांव का नाम बदल जाएगा। अकबरपुर बहरामपुर गाजियाबाद नगर निगम के विजय नगर जोन के वार्ड 35 में आता है। कभी यह कृषि-आधारित पारंपरिक गांव हुआ करता था। वर्तमान में यह सिद्धार्थ विहार और प्रताप विहार जैसे पॉश इलाकों के सटा हुआ एक प्रमुख आवासीय हब बन चुका है। वर्तमान में 40,000 की आबादी वाले इस गांव में हिंदू धर्म के लोग बहुसंख्यक यानी लगभग 75 प्रतिशत हैं। यहां मुस्लिम समुदाय लगभग 23 प्रतिशत हैं। इसके अलावा सिख, ईसाई और जैन धर्म के लोग भी यहां निवास करते हैं। यहां के मूल निवासियों के अलावा बिहार, पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आकर बसे कामकाजी व मध्यमवर्गीय लोग रहते हैं।

### इन प्रमुख स्थानों का नामकरण का प्रस्ताव भी हुआ पास

कौशांबी के सेंट्रल पार्क नाम होगा राम पार्क सूर्य नगर स्थित चौक का नाम होगा अणुव्रत चौक विजय नगर सेक्टर 11 स्थित सड़क का नाम होगा बालाजी मंदिर मार्ग वार्ड 15 में चरण सिंह कॉलोनी स्थित चौराहे के नाम होगा महाराणा प्रताप चौक कृष्णकुंज कॉलोनी स्थित पार्क का नाम होगा प्रकाश वीर शास्त्री पार्क प्रताप विहार स्थित पार्क का नाम होगा देवी अहिल्याबाई होल्कर पार्क प्रताप विहार स्थित दूसरे पार्क का नाम रामजानकी पार्क मिर्जापुर के बंजारा चौक का नाम होगा वीर अब्दुल हमीद चौक बोर्ड बैठक में बहरापुर-अकबरपुर का नाम बदलने का प्रस्ताव पास हो गया है। यह प्रस्ताव नगर निगम की नामकरण समिति के पास जाएगा। समिति नाम का अवलोकन कर इस पर अपनी अंतिम मुहर लगाएगी। यहां के बहुसंख्यक लोग बहरामपुर अकबरपुर नाम को बदलवाने मांग कर रहे थे। पिछले कई वर्षों में लोग पत्राचार के अलावा सोशल मीडिया पर भी इस मांग को तेजी से उठा रहे थे। इसके लिए प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने नगर निगम को पत्र लिखा था। पत्र में लिखा कि इस गांव में अत्यधिक संख्या में हिंदू निवास करते हैं। अकबरपुर नाम मुस्लिम होने के कारण यहां रह रहे हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं। जिसके बाद यह प्रस्ताव नगर निगम की बोर्ड बैठक में रखा गया गया। बहरामपुर अकबरपुर का नाम बहरामपुर रखने का प्रस्ताव पास हो गया है। बदलने हुए नाम को नामकरण समिति के पास भेजा जाएगा। समिति इस पर मंथन और अवलोकन करेगी। इसके बाद समिति इस पर अपनी अंतिम मुहर लगाएगी। अगर समिति पर इस पर अपनी मुहर लगा देती हैं तो भविष्य में बहरामपुर अकबरपुर को बेहरामपुर नाम से जाना जाएगा। नामकरण समिति के सदस्य प्रवीण चौधरी ने बताया कि नगर निगम की बोर्ड बैठक में 30 से अधिक नामकरण और नाम बदलने के प्रस्ताव पास हुए हैं। चौराहों, पार्क, सड़कों के नाम बदले गए हैं या नाम रखे गए हैं। समिति नाम बदलने या रखने पर इस बात पर विचार करती है कि उस व्यक्ति के नाम पर नाम रखा जाना चाहिए जिसने देश के लिए कुछ किया है। समिति सेना के जवानों के नाम पर नाम रखने को ज्यादा महत्व देती है। स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर भी नाम रखने पर जोर दिया जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,